हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

1 मार्च, 1994

खण्ड–1, अंक–2

अधिकृत विवरण

विशत सूची

मंगलवार, 1 मार्च, 1994

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(2)21
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)22

नियम 121 के अधीन वक्तव्य –	
कमेटियों के सदस्यों को नामजद करने के लिए अध्यक्ष महोदय को प्राधिकार देने सम्बन्धी	(2)60
स्थगन प्रस्ताव	(2)61
वाक आउट	(2)65
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव	(2)66
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा	(2)66
वैयक्तिक स्पश्टीकरण –	
तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (प्रो. छतरपाल सिंह) द्वारा	(2)89
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)91
बैठक का समय बढ़ाना	(2)108
राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)108

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 1 मार्च, 1994

हरियाणा विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Consolidation of Land Holding of Village Thilor

***655. Sh. Ram Bhajan Aggarwal**: Will the Minister for Revenue be pleased to state –

(a) whether it is a fact that the consolidation of land holding of village Thilor and other villages of Bhiwani District has been completed, if so, when; and

(b) whether the ownership of the holding has been handed over to land owners; if not, reasons therefor?

राजस्व मंत्री (श्री निर्मल सिंह):

(क) गांव थिलोड़ का चकबन्दी कार्य पूरा नहीं हो सका, क्यौंकि कब्जाजात स्थानान्तरण के समय भू–स्वामियों द्वारा सहयोग नहीं किया गया। फिर भी जिला भिवानी के 354 गांवों में चकबन्दी कार्य वर्श 1960 तक्ा 1980 में पूर्ण किया जा चुका है।

(ख) हां जी, वर्श 1960 तथा 1980 में जिन गांवों में चकबन्दी कार्य पूर्ण हो चुका था, उन भू–स्वामियौं को भूमि का कब्जा दिया जा चुका है।

श्री राम भजन अग्रवाल: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहता हूं कि चकबंदी का काम पूरा न होने की वजह से गांवों के लोगौं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चकबंदी न होने की वजह से न तो खाले बन पा रहे हैं और न उनको रास्ता मिल पा रहा है जिस वजह से उन्हें बेहद परेशानी है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जिन गांवों मे ंचकबंदी का काम पूरा नहीं हुआ है, उनमें कब तक यह काम पूरा हो जाएगा?

श्री निर्मल सिंह: जिला भिवानी में 47 गांवों में चकबंदी का कार्य बाकी हे। इनमें से 15 गांवों में इस समय चकबंदी का कार्य चल रहा है। बाकी गांवों में भी अगर लोग मांग करेंगे तो अगले वर्श यह काम शुरू किया जा सकता ळै। मैं आपके माध्यम से इनकी सूचना के लिए बताना चाहता हूं कि चकबंदी सब जगह पूरी हो चुकी थी लेकिन लोगों के आपसी झगड़ों की वजह से, कानूनी दिक्कतों की वजह से या किन्हीं और कारणों से यह काम पूरा नहीं हो पा रहा है। वैसे राजस्व विभाग के पास तो अपना सारा रिकार्ड होता है। में इनकी इस बात से सहमत हूं कि जहां पर चकबन्दी पूरी नहीं हुई हैं, वहां पर लोगों को दिक्कत आती है, इसमें कोई दो राय नहीं।

प्रो. राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि सारे हरियाणा में कितने गांवों में चकबंदी का काम बकाया है और कब तक पूरा हो जाएगा?

श्री निर्मल सिंह: अध्यक्ष महोदय, सारे हरियाणा के 99 गांव हैं जहां पर चकबंदी का काम बकाया है। यह बात भी सही है कि जिन गांवों में यह काम पूरा नहीं हो पाया है वहां खालें आदि बनाने में काफी दिक्कतें आ रही है। दूसरे जिलों में जहां काम चल रहा है और कोई कानूनी अड़चन नहीं हैं वहां हम जल्दी पूरा करने की कोशिश करेंगे।

श्री मनी राम केहरवाला: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि सिरसा जिले के मिट्ठी–सुरेरा गांव में इस समय चकबंदी का काम चल रहा है। वहां पर हरिजनों की आबादी ज्यादा है। उनके दो अढ़ाई एकड़ के खेत है, लेकिन अब उनके खेत तें से रास्ते काट–काट कर 4–4 और 5–5 टुकड़े कर दिए हैं। इस बारे में राजस्व मंत्री महोदय को लिख कर भी भेजा था। मैं जानना चाहता हूं कि इस पर सरकार की तरफ से क्या कार्यवाही हुई है?

श्री निर्मल सिंह: स्पीकर साहब, इन्होंने लिखकर भेजा है तो उस पर विभाग की तरफ से जरूर कार्यवाही हुई होगी। चकबंदी का कार्य बाकायदा पूरे नियमानुसार ही किया जाता है।

यदि किसी विधायक को या किसी और को कोई दिक्कत है तो वह नोटिस में लाए, सरकार उस पर अवश्य कार्यवाही करेगी।

प्रो. छत्तर सिंह चौहान: अध्यक्ष महोदय, थोड़ी देर पहले मंत्री महोदय ने बताया कि यदि गांव वाले चाहेंगे तो चकबंदी का काम पूरा कर दिया जाएगा। मैं जानना चाहता हूं कि क्या चकबंदी का काम पूरा करने की जिम्मेवारी सरकार की नहीं है? भिवानी जिले में 1960 से 1994 तक 47 गांवों में चकबंदी का कार्य बकाया है। मैं जानना चाहता हूं कि जिन गांवों में कोई कानूनी अड़चन नहीं है, उनमें यह काम कब तक पूरा हो जाएगा? इसके पूरा होने की वजह से वहां पर खालें आदि नहीं बन पा रहे हैं जिससे लोगों को बहुत असुविधा हो रही है।

श्री निर्मल सिंह: अध्यक्ष महोदय, जहां अभी तक चकबंदी का काम पूरा नहीं हुआ है, वहां आपसी झगड़ा ही बाधा का कारण बना हुआ है। कुछ लोग कोर्टस में चले गए हैं। इसके अलावा जहां पर कोई झगड़े आदि या कोर्टस की कोई दिक्कत नहीं है, वहां पोलिटिकल वजह से पूरा नहीं हो पा रहा होगा।

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बिल्कुल ठीक जवाब दिया है, मैं इसको थोड़ा सा क्लीयर कर देता हूं। सरकार का कर्त्तव्य बनता है कि जहां जगह का इस्तेमाल नहीं हुआ है, वहां इस्तेमाल होना चाहिए। इस्तेमाल न होने की वजह से एक मालिक के पास छोटे–छोटे जमीन के चार टुकड़े हैं तो वह

एक जगह बन जाएगी। इस्तेमाल न होने की वजह से कठिनाई होती है और खाल पक्के बनाने में दिक्कत है। सरकार का पहला कर्तव्य बनता है कि सारी स्टेट में चकबन्दी करवाइ जाए, सारी स्टेट में और भिवानी जिले में भी चकबन्दी के पूरी प्रयास किए गए हैं। सारी स्टेट एक तरफ और आधा भिवानी एक तरफ। भिवानी जिले में चकबंदी के पूरे प्रयास किए गए हैं परन्तु उसकी पूरी चकबन्दी न होने के कुछ कारण हो सकते हैं, मैं उसमें नहीं जाना चाहता। स्पीकर साहब, मैं सदन को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि अगर कोई मामला कोर्ट में नहीं हे तो जल्दी से जल्दी उन गांवों में जगह इस्तेमाल करवाएंगे।

श्री अध्यक्ष: क्या जमीन की री–कन्सोलिडेशन के बारे में सरकार विचार करेगी? पहले कई किस्म की जमीन थी जिसमें बंजर जमीन, कल्लरी जमीन और जंगलात की जमीन भी होती थी। री–कन्सोलीडेशन से बंजर जमीन, कल्लरी जमीन औरा जंगलात की जमीन की डिवैल्पमैंट हो सकती है।

चौ. भजन लाल: सारे गांवों की जगह पहले चकबन्दी के लिए इस्तेमाल हुई। यह ठीक है कि पहले जंगल थे या बंजर जमीन थी और बाद में उसमें से किसी ने जमीन ले ली, उसको भी दिक्कत हो सकती है लेकिन अगर दोबारा से सारा गांव चाहे तो चकबन्दी दोबारा से भी हो सकती है।

श्री अमर सिंह: स्पीकर साहब, आपने री–कन्सोलिडेशन के बारे में बहुत ही अच्छा सप्लीमैंटरी किया है। गांवों में जहां स्कैटर्ड जमीन है, वहां कंसोलिडेशन के लिए दोबारा कंसीडर किया जाना चाहिए और जो सरप्लस जमीन है, वह हरिजनों को अलाट हो सकती है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस बात को ध्यान में रखते हुए क्या मुख्यमंत्री जी इसको टॉप प्रायोरिटी देने की कृपा करेंगे?

चौ. भजन लाल: सारी स्टेट में तो होना सम्भव नहीं है। कई जगहों पर सरप्लस जमीन अलॉट भी हुई है और लोगों ने कब्जे भी ले लिए और कुछ लोगों ने जमीन को बेच भी दिया। अगर इसको दोबारा करेंगे तो जहां–जहां दिक्कत है, सारा पिटारा फिर से खोलना पड़ेगा। सारा गांव अगर चाहे कि दोबारा इस्तेमाल हो, तो सारे गांव की रजामन्दी से शर्तें लगाकर कि कहां कहां इस प्रकार की जमीन है, फलां गांव की कंसीलिडेशन की जमीन की क्या वैल्यू होगी, मालिक पर मुजारा जाएगा या मुजारे की जगह मालिक जाएगा, यह सारे गांवों की अलग–अलग स्कीम बनेगी, इसलिए सारी स्टेट में दोबारा से इस्तेमाल खोलना सम्भव नहीं है।

श्री कृश्ण लाल: स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जहां चकबन्दी का कार्य चल रहा है उनमें मेरे हल्के के कचरौली और महमूदपुर की 42 एकड़ जमीन है। उस 42 एकड़ भूमि की चकबन्दी होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः यह सवाल इससे सम्बन्धित नहीं है इसलिए आप इसके लिए सैपरेट नोटिस दीजिए।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, क्या माननीय मुख्यमंत्री जी या रैवेन्यू मिनिस्टर महोदय यह बताएंगे कि जहां कंसोलिडेशन हुई है, क्या उन गांवों में तालाबों के लिए जगह है? कई जगहों पर पहले तालाब बस्ती में आ एग हैं और बस्ती में आने के कारण खराब हो गए हैं, जिसकी वजह से पशुओं के लिए पीने का पानी नहीं है। सभी गांवों में तालाब के लिए अलस से जगह होनी चाहिए। क्या मंत्री जी दोबारा कंसीडर करेंगे क्योंकि पशुधन और गांवों के लिए यह बहुत ही जरूरी चीज है।

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, बाकायदा तालाबों का ध्यान रखा जाता है ओर कंसोलिडेशन में मालिकान की जगह में से बाकायदा तालाब की जगह छोड़ी हुई है। (विध्न)

चौ. भजन लालः जहां तक तालाब का ताल्लुक है, जोहड़ प्लान के अन्तर्गत हमने तालाब रखा हुआ है और जो जोहड़ इस्तेमाल में नहीं है, वे भी गांवों में हैं। मुश्तर्का मालिकान की जमीन इसमें रखते हैं, तालाब को बन्द नहीं कर सकते। जोहड़ प्लान में तालाब रखे गए हैं। अगर कहीं जमीन नहीं होगी, उसके लिए भी सरकार ने फैसला किया है कि जमीन लेकर तालाब बनवाए जाएं। इन तालाबों को पानी से भरने के लिए भी सरकार ने फैसला किया है। जहां से डिमांड आएगी, 24 घंटे के अन्दर

तालाब को भरा जाएगा। बरसात का पानी जोहड़ों में काफी ज्यादा होता है। जोहड़ों को ज्यों का त्यों रखा हुआ है और जोहड़ों को हटाने का कोई सवाल ही नहीं है।

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूंगा कि 1951–52 में इस्तेमाल की शुरूआत हुई और जब शुरूआत हुई तो गांवों में तोशी आबादी के लिए जमीन नहीं छोड़ी गई। अब बहुत से ऐसे गांव हैं जहां 40–50 साल के बाद आबादी बढ़ गई है और बाहर जाने के लिए प्लाट नहीं हैं। खेती की जमीन भी कम हो गई है। अध्यक्ष महोदय, लोग इतने तंग है कि ब्यान नहीं किया जा सकता। ऐसे गावों के लिए जहां पर तोशी आबादी के लिए जमीन नहीं छोड़ी गई है, क्या सरकार इस पर दोबारा गौर करेगी और उनकी आबादी के लिए प्लाट दिए जाएंगे?

श्री निर्मल सिंह: स्पीकर साहब, जहां चकबन्दी हो चुकी है और लोगों ने गांवों में बहुत पुराने कर्जे लिए हुए हैं, वहां उनकी जमीन में से सरकार कैसे प्लाट दे सकती है?

श्री सतवीर सिंह कादयान: मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश के कुल कितने ऐसे गांव हैं जहां पर आज तक कंसोलीडेशन नहीं हुआ है? महमूदपुर और कचरौली गांव जो पानीपत जिले में हैं, उनमें कंसोलीडेशन कब तक पूरा हो जाएगा?

Mr. Speaker: It does not relate to this question.

श्री निर्मल सिंह: आप जहां पर भी कहेंगे, करवा देंगे।

श्री हरि सिंह नलवा: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि दिल्ली से लेकर यमुना नगर तक हरियाणा में हर जिले के अन्दर, हर तहसील के अन्दर यमुना के खादर का बहुत बड़ा हिस्सा लगता है। यमुना के खादन के एरिए में कंसोलीडेशन न होने की वजह से वहां का किसान सारी जमीन का मालिक नहीं है। अगर वह जमीन के अगैन्स्ट बैंक से कर्जा लेना चाहता है तो उसे कर्जा नहीं मिल सकात, अगर वह उसको बेचना चाहे तो रजिस्ट्री भी नहीं करवा सकता, क्योंकि वह रेवेन्यू रिकार्ड के मुताबिक मालिक नहीं है। वहां पर फ्लड आने की वजह से सारी जमीन शामलात दिखाई गई है। अध्यक्ष महोदय, उनकी मलकीयत उनके पास नहीं है, यह बहुत ही गम्भीर मामला है। हरियाणा की पापुलेशन का बहुत बड़ा हिस्सा, इस इलाके के अन्दर आने से लोग इस बात से बहुत दुखी हैं। क्या सरकार इसको एग्जीक्यूटिव डायरेक्शन द्वारा कंसोलीडेशन करा कर इस प्रौब्लम को हल करेगी?

श्री निर्मल सिंह: अध्यक्ष महोदय, बात तो चकबन्दी की ही कही गई है। अगर कोई गांव ऐसा है जहां चकबन्दी नहीं हुई है तो वहां के लोग दरख्वास्त दें, चकबन्दी हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी इन्फर्मेशन के लिए बात दूं कि हरियाणा में सिर्फ 102 गांव ऐसे हैं जो हिली एरियाज है जहां कंसोलीडेशन नहीं हो

सकता। वे गांव जिनका इन्होंने जिक्र यिका है उनमें चकबन्दी का कोई प्रावधान नहीं है। बाकी यमुना का एरिया जो इन्होंने बताया है, वह मेरे ख्याल स कंसोलीडेट हो सकता है। अगर वह नहीं हुआ है तो करा देंगे।

***663. Prof. Chhattar Singh Chauhan**: Will the Minister for Forests be pleased to state the districtwise number of trees planted during the period from July, 1992 todate in the State?

Mr. Speaker: I have received a request for extension, and it has been granted.

Interim Reply

INDERJIT SINGH	DO. No.
	Forest Wild Life and
	Environment Minister, Haryana,
	Chandigarh.
	Dated, the 28.2.1994

Subject: *663-Sh. Chhattar Singh Chauhan, M.L.A. – regarding plantation of trees, fixed for 1.3.1994.

Dear Ch. Sahib,

Reply to starred question No. 663 is not ready on account of short notice. The same may kindly be deferred to a future date, i.e. 10th March, 94.

With regards,

Yours sincerely,

Sd/-

(Inderjit Singh)

Ch. Ishwar Singh,

Speaker,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh."

Polluted Stretches in the State

***676. Sh. Jai Parkash**: Will the Minister for Forests be pleased to state whether the Haryana State Pollution Control Board has identified the pollutioin stretches in the State; if so, the cetails thereof; togetherwith the steps taken or proposed to be taken to clear the aforesaid stretches during the financial year?

पर्यावरण मंत्री (राव इन्द्रजीत सिंह): राज्य में इस प्रकार का कोई भी घोशित प्रदूशित क्षेत्र नहीं है। फिर भी, कुछ प्रदूशित औद्योगिक इकाईयां तथा अन्य प्रकार के प्रदूशण स्त्रोत हैं, जोकि राज्य के विभिन्न भागों में फैले हुए हैं। राज्य सरकार इस समस्या के प्रति पूर्णतयः जागरूक है तथा इसका समाधान करने के लिए आवश्यक कार्यवाही कर रही है।

श्री जय प्रकाश: अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया है। मेरा प्रश्न यह था कि क्या वर्श 1994 के दौरान गन्दगी वाले इलाके साफ करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है? अगर सरका का जवाब 'हां' में है तो ऐसे कितने इलाके ढूंढे हैं और सरकार इन पर कितना खर्च करेगी?

राव इन्द्रजीत सिंह: स्पीकर साहब, पोल्यूशन की ठीक करने का काम कोई एक साल में सीमित करने से नहीं हो सकता। यह पहले से शुरू है और आगे तक चलता रहेगा। सरकार यह नहीं कह सकती कि इसको कब तक कंपलीट कर देंगे। इस पर काफी खर्चा आना है। यह एक जगह पर ही नहीं है बल्कि जगह–जगह पर स्कैटर्ड है। कहीं पर पोल्यूटड इंडस्ट्री है, कहीं पर म्यूनिसिपल कमेटी है, इसके अन्दर स्ट्रैचिज तो है नहीं। अगल अलग जगहों पर, जहां पर पोल्यूशन हो रहा है, सरकार को उसकी जानकारी है और वह इसको दूर करने के प्रयत्न कर रही है। जितनी जल्दी हो सकेगा, हम फंडज की अवेलेबिलिटी पर लोगों को मोटीवेट करके इसको दूर करने का प्रयत्न प्रोल्यूशन बोर्ड के माध्यम से कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: क्या आपने डिटेल सर्वे करवाया है?

राव इन्द्रजीत सिंह: जी हां, सर्वे करवाया है।

श्री जय प्रकाश: स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि सारी स्टेट में विभाग ने गंदगी वाले कितने इलाके

आईडैन्टीफाई किए हैं? मैं आपको बताना चाहूंगा कि करनाल का टू थर्ड इलाका गंदगी वाला है। आज तक प्रदूशण विभाग ने उसको कभी आईडेन्टीफाई नहीं किया है। न म्यूनिसिपल कमेटी ओर न ही प्रदूशण विभाग उसका कोई समाधान कर पाया है। ऐसे इलाके स्टेट में बहुत से हैं। इसकी वजह से करनाल में आज कई जानलेवा बीमारियां फैली हुई हैं। इसलिए मैं मंत्रीजी से जानना चाहूंगा कि जो करनाल का टू थर्ड इलाका गंदगी वाला है, क्या आपने उसके लिए कोई स्कीम बनायी है?

राव इन्द्रजीत सिंह: स्पीकर साहब, करनाल म्यूनिसिपल कमेटी उन 6 इलाकों में से एक है जहां पर यमुना ऐक्शन प्लान लागू है। करनाल के लिए कुल मिलाकर 18 करोड़ रूपये जापान से भारत सरकार को आए हैं और वह पैसा भारत सरकार ने पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट को दिया है। यह 18 करोड़ रूपये करनाल की गंदगी को ठीक करने के लिए, एफ्यूलेंट ट्रीटमैंट प्लांट लगाने के लिए खर्च होने हैं। इस 18 करोड़ रूपये में से पांच करोड़ रिसीव हो चुके हैं। आज तक करनाल के अन्दर चालीस सकड़ जमीन खरीद ली गयी है। हमने यह पांच करोड़ रूपया खर्च करके सबसे पहले करनाल के अन्दर काम करवाया है।

Mr. Speaker: Now you must be satisfied.

श्री जय प्रकाश: स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया है कि यमुना ऐक्शन प्लान में 18 करोड़ रूपया आया है और उसमें से पांच करोड़ रूपया रिसीव हो चुका है। मैंने देखा है कि

करनाल का जो गंदगी वाला इलाका है, उसमें सिवरेज सिस्टम का कोई प्रावधान नहीं है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि करनाल का जो टू थर्ड गंदगी वाला इलाका है, उसको क्या वह इस प्लान में शामिल करेंगे?

राव इन्द्रजीत सिंह: स्पीकर साहब, ऐसा है कि पैसे की कमी है। वह केवल करनाल में ही नहीं बल्कि और जगह भी है। फिर भी हमने करनाल को सबसे पहले लिया है। आगे जैसे जैसे पैसा हमारे पास आता रहेगा और जहां जहां इसकी जरूरत होगी, वहां काम किया जाएगा। करनाल के लिए हमने 18 करोड़ रूपया खर्च करने के लिए सोचा है। इसके अलावा करनाल के अन्दर इस बारे में और पैसा खर्च करने का विचार नहीं है।

साथी लहरी सिंह: स्पीकर साहब, यमुना नगर के अन्दर जितनी भी फैक्टरीज हैं, उनका सारा गंदा पानी रादौर में इकट्ठा हो जाता है। पिछले सैशन में मंत्री जी ने मेरे कालिंग अटेंशन मोशन का जवाब देते हुए यह वायदा किया था कि इसको मुना ऐक्शन प्लान में लाकर ठीक साफ कर देंगे लेकिन आज तक भी वहां पर जू नहीं रेंगी। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि यमुना नगर का कब तक इंतजाम कर देंगे? अब तो काफी पैसा मिल गया है। इसी तरह से मारकंडा में भी है। तो मंत्री जी इसके बारे में बताएं।

राव इन्द्रजीत सिंहः स्पीकर सर, यमुना ऐक्शन प्लान के अन्दर यमुनानगर एवं जगाधरी दोनों शहर शामिल हैं। वैसे तो यह कार्यक्रम सन् 1992 में शुरू हो जाना चाहिए था लेकिन पैसा मिलने में कुछ देरी हुई है। आज के दिन कुछ पैसा आना शुरू हुआ है। पांच करोड़ रूपया सरकार का मिल चुका है, इसमें से यमुनानगर के लिए हमने 16.83 करोड़ रूपया सीवरेज के लिए, 1 करोड़ 37 लाख रूपया जमीन के लिए और 37 लाख रूपया एक्वारिंग के लिए, कुछ मिलाकर 18.20 करोड़ रूपया अलग रखा है।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर सर, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यह काम कब तक शुरू हो जाएगा?

राव इन्द्रजीत सिंहः स्पीकर सर, उम्मीद है कि इस योजना में 1998 तक सारे शहर कवर हो जाएंगे।

श्री राजेन्द्र सिंह विसलाः अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन में भी मैंने सवाल रखा था कि सारे हरियाणा में पौल्यूशन कितना और कहां–कहां है। स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि भारत के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र फरीदाबाद में प्रतिदिन जिस हिसाब से पौल्यूशन बढ़ता जा रहा है, उसको देखते हुए मंत्री जी के विभाग हरियाणा पौल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की एक प्रतिशत गतिविधि भी फरीदाबाद में नहीं है। हालत यह है कि हुड्डा के सैक्टरों में रहने वाले रेजीडैन्टस पौल्यूशन की वजह से

वहां से शिफट होने शुरू हो गए हैं। मैं मंत्री जी से आश्वासन चाहूंगा कि पौल्यूशन को कंट्रोल करने के लिए वे अपने विभाग की ओर से युद्धस्तर पर कोई गतिविध चालू करेंगे?

राव इन्द्रजीत सिंह: स्पीकर सर, यह मैंने कभी नहीं कहा कि पौल्यूशन नहीं है। मैंने यह कहा है कि सरकार जानती है कि पौल्यूशन कहां कहां पर है, फरीदाबाद में भी पौल्यूशन है। यमुना ऐक्शन प्लान के तहत इसके लिए भी 51 करोड़ रूपया अलग से रखा गया है। इंडस्ट्रियल यूनिटस को भी हमने कह दिया है कि वे अपने ऐफ्लुएंट ट्रीटमैंट प्लांट लगाएं।

श्री अमीन चन्द मक्कड़: स्पीकर सर, मंत्री जी का विभाग लोगों की सेहत की दृश्टि से बहुत ही महत्वपूर्ण है। सीवरेज का सिस्टम ठीक न होने की वजह से शहरों में बहुत पौल्यूशन है। मेरे हल्के हांसी में 3 महीने से सीवरेज बन्द पड़ी है जिसकी वजही से गलियों और घरों में गंदा पानी खड़ा है और काफी लोग पीलिया के शिकार हो गए हैं व यह बीमारी बढ़ती ही जारही है। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहूंगा कि मंत्री जी का विभाग इस दिशा में कोई कार्य करेगा?

राव इन्द्रजीत सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य का सवाल समझ नहीं पाया। (विघ्न एवं शोर) ऐसे है स्पीकर साहब कि यह जो म्युनिसिपल कमेटीज है, इनकी जो आर्गेनिक वेस्ट हे, यह प्रदूशण के लिये 65 प्रतिशत रिस्पौसिबल है और इंडस्ट्रीज 35

प्रतिशत तक रिस्पौंसिबल हैं। सीवरेज के लिये म्युनिसिपल कमेटीज की ऐफ्लुएंट ट्रीटमैंट प्लांटस लगाने चाहियें लेकिन म्युनिसिपैलिटीज के पास पैसा न होने के कारण ये ट्रीटमैंट प्लांट नहीं लगा पा रही हैं। हमारे प्रदेश के अन्दर कुल मिलाकर 17 'ए' क्लास म्युनिसिपल कमेटीज हैं। इन 17 में से 7 तो यमुना ऐक्शन प्लान के तहत कवर हो जाती हैं। वहां पर तो यह लगेंगे ही, लेकिन जो बाकी की 10 म्युनिसिपल कमेटीज 'ए' क्लास की रह जाती है, उसके लिये भी हम म्युनिसिपल सीवरेज को ट्रीट करने के लिये प्रयत्न कर रहे हैं। जैसे ही सरकार के पास पेस होंगे, हम वहां पर सीवरेज ट्रीट करके होने वाले प्रदूशण को दूर करने की कोशिश करेंगे।

चौ. बलवन्त सिंह मैना: अभी हमारे दोस्त ने सवाल किया और मंत्री जी ने उसका जवाब भी दिया है। मैं मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि उनको तो यह पता ही है कि सीवरेज की वजह से बहुत प्रदूशण फैलता है। रोहतक के अन्दर बिजली न होने के कारण पानी पम्प–आउट नहीं हो सकात है और चार–चार फुट पानी खड़ा हुआ है। इस वजह से वहां पर प्रदूशण और बीमारियां फैल रही हैं। सरकार इस तरह से प्रदूशण को रोकने के लिये क्या कदम उठा रही है?

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मुश्किल यह है कि सवाल तो यह पौल्यूशन के बारे में है लेकिन माननीय सदस्य इसको सीवरेज साईड पर ले गये हैं। यह बात तो

स्वाभाविक है कि सीवरेज से भी पौल्यूशन होता है। कुछ हद तक तो उनकी बात वाजिब है। मैं इस बारे में यह बताना चाहता हूं कि म्युनिसिपल कमेटीज के पास फंडज की बहुत कमी है। फंडज की कमी होने की वजह से बहुत सी जगहों पर सीवरेज की वर्किंग ठीक नहीं है। हमने फैसला किया है कि सारे हरियाणा के अन्दर म्युनिसिपल कमेटीज की हदूद में पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट से काम करायेंगे। उसके लिये हम उनको फंडज देने जा रहे हैं। जैसे अभी बड़े–बड़े शहरों के बारे में पौल्यूशन की बात आयी है, उससे फर्क पड़ेगा। अभी जैसे करनाल के बारे में बात उन्होंने कही और फरीदाबाद के बारे में भी कहा गया, चाहे कोई भी शहर हो, जहां पर पानी खड़ा रहता है, वहां पर स्लम बन जाते हैं और मोहल्लों में गन्दगी से बीमारियां फैलती हैं। आने वाले एक साल में माननीय सदस्य खुद इस बात को महसूस करेंगे कि स्टेट में वाकई इस मामले में कुछ काम हुआ है। हम आप खुद को यह महसूस करायेंगे।

Nomination for the post of HCS in the State

***689. Smt. Chandravati**: Will the Chief Minister be pleased to state –

(a) the names and addresses of the employees nominated in Haryana Civil Services during the year 1991-92 and 1992-93 in the State separately together with the criteria adopted for the said nomination; and

(b) the names of posts and qualifications of the employees as referred to in part (a) above at the time of their nomination in Haryana Civil Services?

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): एच.सी.एस. में स्वतः कोई नामजदगी नहीं की गई है।

ऐसा प्रतीत होता है कि माननीय सदस्या वर्श 1991–92 तथा 1992–93 के दौरान राज्य सरकार के कर्मचारियों की एच.सी. एस. (कार्यकारी शाखा) में की गई नियुक्ति के संबंध में सूचना प्राप्त करना चाहती है।

माननीय सदस्या ने जो सवाल पूछा है, वह ठीक नहीं है लेकिन माननीय सदस्या की मंशा को जानते हुए कि आपकी मंशा यह है, मैं उसका जवाब दे रहा हूं।

श्रीमती चन्द्रावती: मेरा सवाल तो ठीक है लेकिन उत्तर गलत दिया गया है।

चौ. भजन लाल: सवाल तो बिल्कुल गलत दिया गया है लेकिन मैं इनकी मन्शा को समझते हुए जवाब दे रहा हूं। मैं यह कहकर भी टाल सकता था कि इनका सवाल ठीक नहीं है और मुझे जवाब देने की कोर्ठ आवश्यकता नहीं है लेकिन फिर भी हमने इनकी भावना और मंशा की कद्र करते हुए जवाब दिया है जो इस प्रकार हैं :–

(क) इन वर्शों में केवल एक व्यक्ति श्री गुरदेव सिंह, जो उस समय सयुंक्त निदेशक, पंचायत थे, को एच.सी.एस. (कार्यकारी शाखा) में खंड विकास तथा पंचायत अधिकारियों के संवर्ग में से, चयन की निर्धारित कार्यविधि अनुसार, जिसका संबंधित नियमों में प्रावधान है, नियुक्त किया गया था।

(ख) उनकी शैक्षणिक योग्यता बी.ए. एल.एल.बी. है।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, कई बार एच.सी.एस. के लिये गवर्नमैंट की तरफ से नौमीनेशन होती है और कई बार मुख्यमंत्री महोदय खुद भी करते हैं। मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या किसी केस में, इसके अलावा क्वालीफिकेशन में और आयु में तरमीम की गयी हैं, अगर की गयी है तो ऐसे कितने केसिज हैं?

10.00 बजे

चौ. भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इनके सवाल के जवाब में मैं बताना चाहता हूं कि इसमें नौमिनेशन नहीं होती बल्कि सिलैक्श्न होता है। ऐक्स ग्रेशिया में नोमिनेशन होता है, जैसे किसी का बाप आई.ए.एस. है या किसी की मां, यानी कोई देवी आई.ए.एस. है और उनकी मौत हो जाए तो उसके लड़के की एक्स ग्रेशिया के तौर पर सरकार नौमिनेट करती है।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मेरा सवाल यह है, जैसे किसी जुनियर औफिसर को एच.सी.एस. बनाया जाता है या कई बार किसी एच.सी.एस. को आई.ए.एस. बनाया जाता है, चाहे

उनका सिलेक्शन किया जाता है या नौमिनेशन किया जाता है, क्या उसी तरीके से पिछले सालों में किन्हीं लोगों को हरियाणा सिविल सर्विस में लिया गया है और आने वाले साल में कितने लोगों को करने वाले हैं? स्पीकर साहब, मेरा सवाल बिल्कुल स्पश्ट है।

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, अगल–अलग सिस्टम है। हरियाणा लाोक सेवा आयोग द्वारा 68 परसैन्ट सीधी भर्ती इन पदों के लिए होती है। मेरा ख्याल है कि बहन जी यह जानना चाहती हैं कि कितने लोगों का डिपार्टमैंटवाइज अलग–अलग भर्ती इन दो अढ़ाई सालों में किया गया।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, भर्ती नहीं किया, बल्कि मैं तो यह जानना चाहती हूं कि जैसे एच.सी.एस. बनाया जाता है या एच.सी.एस. से आई.ए.एस. बनाया जाता है, इस तरह से कितने लोगों को सरकार ने रिकमैंड किया है?

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, मैं सारी बात बताता हूं। तीस पोस्टस एच.सी.एस. के लिए नोटिफाई की गई थी और इसकी कार्यवाही में कुछ देरी हो गई, वह देरी क्यों हो गई? इसका कारण यह है कि हमने पहले वाला सिस्टम कुछ बदल दिया है। पहली गवर्नमैंट का रूल था कि पांच साल की रिपोर्ट अच्छी होनी चाहिए, पहले ए.सी.आर. को ज्यादा महत्व नहीं दिया। हमने काह कि पांच साल की बजाए सात साल की रिपोर्ट 'वैरी गुड' होनी चाहिए। जो आदमी एच.सी.एस. में आना चाहिए उसकी सात

साल की रिपोर्ट वैरी गुड होनी चाहिए। उसके अगेन्सट एक आदमी हाई कोर्ट में चला गया और वह हाई कोर्ट में हार गया। उसके बाद वह सुप्रीम कोर्ट में चला गया। उन्होंने कहा कि हरियाणा गवर्नमैंट का जो सिस्टम है वह बिल्कुल ठीक है। हमने एक पोस्ट के अगेन्सट दो नाम भेजे हैं। मतलब यह है कि तीस पोस्टस के अगैन्सट साठ नाम भेजे लेकिन वह आदमी स्टे लेकर आ गया। कोर्ट ने कहा कि इसका नाम भी भेजो, सिलेक्शन के वक्त देखा जाएगा। अगर ठीक होगा तो सिलेक्शन हो जाएगा। इसलिए हमने तीस पोस्टस के अगेन्सट इकसठ नाम भेजे हैं। मेरा ख्याल है कि फाइल कल ही जा रही है और तीस के अगैन्सट 61 नाम भेजे हैं।

प्रो. राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय ने बताया है कि तीस एच.सी.एस. की पोस्टस हैं। क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या इन पोस्टस की पब्लिक सर्विस कमिशन के परव्यू से बाहर निकाल लिया है? सरकार की जो रिकमैन्डेशन है, क्या कमिशन उसको कंसीडर करेगा या कमिशन अपनी डिस्क्रीशन यूज करेगा?

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, कमिशन के परव्यू से बाहर निकालने की कोई बात नहीं है। अगर निकालना होता तो कमिशन को नाम भेजने की जरूरत ही क्या था। सरकार कमिशन को एक पोस्ट के अगैन्सट दो नाम भेज रही है। कमिशन जिस किसी का रिकार्ड ठीक समझे, उसको सिलेक्ट कर सकता है।

Repair of Bridge

***694. Sh. Bharath Singh**: Will the Minister for Irrigation be pleased to state –

(a) whether it is a fact that the bridge of Ambarsar Minor is in damaged condition; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to repair/reconstruct the said bridge?

सिंचाई मंत्री (चचारै. जगदीश नेहरा):

(क) हां, ग्राम अम्बरसर को जाने वाली सड़क जो बेलरखा माइनर को पर करती है, का पुल क्षतिग्रस्त है,

(ख) कथित पुल का पुनः निर्माण धनराशि उपलब्ध होने पर बनाए जाने का प्रस्ताव है।

श्री भरत सिंह: स्पीकर साहब, वह पुल टूटा पड़ा है और लोगों को काफी दिक्कत है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वह पुल कब तक बन जाएगा?

चौ. जगदीश नेहरा: स्पीकर साहब, मैंने कहा है कि अवेलेबिलिटी आफ फण्डज, पर निर्भर करता है।

Construction of a Bridge on Ghaggar River

***688. Sh. Amar Singh Dhanday**: Will the Minister for P.W.D. (B & r) be pleased to state –

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a bridge on the

Ghaggar River at vilalge Malikpur and Chandota of Guhla Constituency in Distt. Kaithal; and

(b) if so, the time by which the aforesaid bridge is likely to be constructed?

लोक निर्माण भवन एवं सड़क मंत्री (चौ. आनन्द सिंह डांगी):

(क) गांव मलिकपुर में पुल वास्तव में पटियाला नदी पर है न कि घग्गर नदी पर। यह कार्य पूरा हो चुका है तथा पहुंच मार्ग का कार्य प्रगति पर है और अगले वित्त वर्श में पूरा हो जायेगा।

(ख) वित्तीय संकट के कारण ग्राम ढढोता में घग्गर नदी पर पुल निर्माण कार्य के लिये कोई समय निर्धारित नहीं किया जा सकता।

श्री अमर सिंह ढांडे: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा यह पूछना चाहता हूं कि सरकार जो * * * * आश्वासन देती है, उनको पूरा भी किया जाएगा या नहीं? जुलाई 1991 में मुख्यमंत्री महोदय ने यह आश्वासन दिया था कि घग्घर नदी के ऊपर जिला कैथल के गांव मलिकपुर तथा ढढोता के पास एक पुल का निर्माण किया जाएगा लेकिन वह पुल आज तक नहीं बना है। क्या सरकार इस बारे में अपनी स्थिति स्पश्ट करेगी?

श्री अध्यक्ष: यह शब्द कार्यवाही में न लाया जाए।

चौ. आनन्द सिंह डांगी: अध्यक्ष महोदय, जिस पूल का माननीय सदस्य जिक्र कर रहे हैं, उसके बनाने के लिये सरकार द्वारा ऐप्रूवल दी जा चुकी है और उस पर सवा दो करोड़ रूपया खर्च आने की संभावना है लेकिन पैसे की कमी के कारण यह नहीं कहा जा सकता कि यह काम कब शुरू होगा और कब तक पूरा हो जाएगा।

प्रो. छत्तर सिंह चौहान: अध्यक्ष महोदय, मेरे भाई कर्ण सिंह दलाल किसी कारणवंश आज नहीं आ पाए हैं और वे मुझे प्रश्न न. 668 को पूछने के लिए कह गए हैं, अगर आपकी आज्ञा हो तो मैं इस बारे में पूछ लूं?

श्री अध्यक्ष: ठीक है।

Government Polytechnic Institute

***688. @ Sh. Karan Singh Dalal**: Will the Minister of State for Technical Education be pleased to state –

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Polytechnic Institute for Women in Distt. Faridabad; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Polytechnic is likely to be opened?

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (प्रो. छत्तर पाल सिंह):

(ए) जी हां।

(बी) भवन का निर्माण कार्य वर्श 1994–95 में आरम्भ होने की सम्भावना है और कक्षायें भौक्षिक सत्र 1996–97 से आरम्भ किये जाने की सम्भावना है।

प्रो. छत्तर सिंह चौहान: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि वर्श 1993–94 व 1994–95 में, राज्य में कितने महिला बहुतकनीकी खोले जाने का इरादा है? जैसाकि हमें पता चला है, अब तक एक ही बहुतकनीकी कालेज का कंस्ट्रक्शन वर्क चल रहा है। क्या मंत्री महोदय जिलावाईज बताने का कश्ट करेंगे कि आने वाले समय में कहां कहां बहुतकनीकी कालेज सरकार द्वारा खोले जा रहे हैं?

प्रो. छत्तर पाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी जानकारी के लिये बताना चाहूंगा कि हमारे पास 7 ऐसे जिले हैं जिनके अन्दर कोई भी पोलीटैकनिक कालेज नहीं है और यहां पर कालेज खोले जाने के लिये सरकार ने सैद्धांतिक रूप से मान भी लिया है कि एक जिले के अन्दर कम से कम एक पोलीटैक्निक कालेज अवश्य खोला जाए। जैसे जैसे फण्डज अवेलेबल होते जाएंगें, हम हर जिले में एक एक पोलीटैकनिक कालेज खोल देंगे।

प्रो. छत्तर सिंह चौहान: अध्यक्ष महोदय, मैंने मंत्री महोदय से यह जानना चाहा था कि 1993–94 और 1995–96 में राज्य में कितने महिला बहुतकनीकी कालेज खोलने का सरकार का इरादा है और जहां बिल्कुल नहीं है उनमें से ऐसे कौन–कौन से

जिले सरकार ने सिलैक्ट किये हैं, जहां पर इस साल बहुतकनीकी महिला कालेज सरका खोल देगी?

प्रो. छत्तर पाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैंने अपने उत्तर में बताया है कि फरीदाबाद के अन्दर वीमैन पोलिटैकनिकल कालेज का निर्माण कार्य वर्श 1994–95 में आरम्भ होने की सम्भावना है और कक्षायें सत्र, 1996–97 से आरम्भ किय जाने की संभावना है। तीन जगहों उटावड़ में गवर्नमैंट इंस्टीच्युशन आफ इंजीनियरिंग एण्ड टकनोलौजी, दूसरा हिसार में तीसरे नारनौल में बिलडिंग्ज का कंस्ट्रक्शन वर्कस काफी हो चुका है। एडमिशन भी कर चुके हैं क्लासिज भी चल रही हैं और कंस्ट्रक्शन वर्क भी साथ साथ हो रहा है।

चौ. औम प्रकाश बेरी: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि गवर्नमैंट पोलटैक्निक खोलने का क्या क्राइटेरिया है? 21.6.1993 को मुख्यमंत्री जी बेरी में गए थे और उन्होंने वहां महिलाओं का गवर्नमैंट पालेटैक्निक खोलने की घोशणा की थी। उन्होंने कहा था कि यहां पर लड़कियों का पोलेटैक्निक बना देंगे। तो क्या वह प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है, अगर हां, तो उस पर कब तक काम शुरू हो जाएगा?

प्रो. छत्तर पाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे यहां सात जिले बाकी हैं जिनके अन्दर कोई पालेटैक्निक कालेज नहीं है। हमारी सरकार ने सैद्धांतिक तौर पर माना है कि सबसे पहले

कम से कम हर जिले में एक पालेटैक्निक दिया जाए। बेरी कांस्टीच्यूएंसी रोहतक जिले में पड़ती है और रोहतक में पहले ही ऐसी दो संस्थाएं चल रही हैं। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने जहां जहां के लिये भी घोशणा की हैं वहां पर भी नम्बर के हिसाब से निश्चित तौर पर खोल कर देंगे।

श्री अध्यक्ष: जिन जिलों में ये पालेटैक्निकस नहीं हैं उनके नाम तो बता दें।

प्रो. उत्तर पाल सिंह: सर, वे जिले हैं – कुरूक्षेत्र, कैथल, पानीपत, जीन्द, रिवाड़ी और गुड़गांव।

Electricity Connections for Tubewells

***724. Prof. Sampat Singh**: Will the Minister for Power be pleased to state:-

(a) the total number of applications of electricity connections for tubewells, if any, lying pending wiht H.S.E.B. till todate.

(b) the total number of electricity connections for tubewells released during the year 1992-93 and 1993-94 separately; and

(c) whether any target has been fixed for releasing to tubewells connections in the State during the current year?

Power Minister (Sh. A.C. Chaudhary):

(a) As on 31-12-1993, 69463 applications for tubewells connections were pending with the Board;

(b) 14376 and 3533 new tubewell connnections were released during 1992-93 and 1993-94 (upto 12/93) respectively; and

(c) a target to release 6000 new tubewell connections has been fixed for the current year.

Hon. member may please make the addition in Part (c) of the reply to the effect that the Planning Commission has revised the targets of giving tubewell connections by Haryana State Electricity Board from 12500 to 6000. This is also for the information of this House.

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, एडीशन को करैक्ट करने की जरूरत नहीं है क्योंकि मैंने 1991–92 के बारे में नहीं पूछा था। वर्श 1991–92 का जो बजट था, वह हमारी सरकर ने पास किया था और हमने उस बजट में प्रोवीजन रखा था उसमें इनका कोई एहसास नहीं है। स्पीकर साहब, बात है 1992–93 की और इसी तरह से 1993–94 की बात है। इन दो सालों में इन्होंने एक साल में तो 14 हजार के लगभग टयूबवैल्ज को कनैक्शन दिए और दूसरे साल में साढ़े तीन हजार के करीब कनैक्शन दिए। इससे अन्दाजा लगता है कि कितनी एलार्मिंग सिचुएशन है। इनके पास सत्तर हजार के करीब एप्लीकेशंज पैंडिंग पड़ी है। मैं पूछना चाहता हूं कि सत्तर हजार टयूबवैल्ज को कनैक्शन देने के लिये क्या ये कोई और प्रावधान बजट में करेंगे। दूसरा सवाल मैं यह

पूछना चाहता हूं कि पहले जैसे एक इंसैटिव स्कीम थी, जिसके बारे में बार–बार घोशणायें की गई कि उसको खत्म कर दिया है या क्या उसको कई गुणा महंगा करके दोबारा लागू नहीं कर दिया है?

श्री ए.सी. चौधरी: स्पीकर साहब, बिजली की जरूरत एक सामाजिक इशू है। इसको पोलिटिकलाइज करके पता नहीं ये कौन सी माइलेज लेना चाहते हैं। इनके वक्त में 60521 कुछ कनैक्शंज के लिये एप्लीकेशन्ज पैडिंग थीं, उसके अगेंस्ट इस मौजूदा सरकार ने सिर्फ सिलवर जुबली ईयर में 40528 कनैक्शन दिए। मैं एक बात की और इनका ध्यान दिलाऊंगा। आप भी इस विभाग के मंत्री रहे हैं। आपके वक्त में बिजली के कनैक्शन लेने के लिए लोगों को मोटिवेट करने के लिए डी.सीज. की मदद ली जाती थी कि गांवों में बिजली लगवाएं। आज हालत यह है कि हरियाणा प्रदेश में 2947723 बिजली के कनैक्शन हैं। मैं तो यह कह सकता हूं कि बिजली की लाईनें पुरानी होने के कारण उनकी कैरिंग कैपेसिटी नहीं है। कैरिंग कैपेसिटी न होने की वजह से प्लानिंग कमीशन ने भी रिवाईज करके 12500 की बजाय 6000 कनैक्शन देने के लिये स्टैट गवर्नमैंट को मजबूर किया है। स्टेट के इंस्ट्रैस्ट को देखते हुए हमारी हमेशा यह कोशिश रहती है कि हम किसानों को ज्यादा से ज्यादा बिजली के कनैक्शन दें ताकि किसानों को ज्यादा से ज्यादा सुख सुविधा मिल सके। हमें केन्द्रीय सरकार से भी ग्रांट मिलती है जिससे हम किसानों को ज्यादा से

ज्यादा सुविधाएं देते हैं, इसलिये यह कहना कि सरकार किसानों की तरफ ध्यान नहीं दे रही है, यह कोई वाजिव बात नहीं है। मैं समझता हूं कि आज तक का यह रिकार्ड रहा है कि हमारी सरकार ने 40528 बिजली के कनैक्शन एग्रीकल्चर सैक्टर में दिए हैं। (शोर)

प्रो. सम्पत सिंह: सैल्फ फाइनैंस पर प्रायरिटी देने की जो स्कीम थी, उसके बारे में आप क्या कर रहे हैं? इसके साथ साथ आप यह भी बात दें कि हमने हमारे चार साल के समय में किसानों को कितने बिजली के कनैक्शन दिए थे।

श्री ए.सी. चौधरी: स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को एक बात कहूंगा कि मैं शब्दों को इधर–उधर करके बात नहीं कहना चाहता। इस बात को सभी जानते हैं कि हरियाणा प्रदेश में बिजली का संकट है और उस संकट के जन्मदाता मेरे सामने बैठे भाई हैं जो पहले इस विभाग के मंत्री रहे हैं। स्पीकर साहब, जुलाई, अगस्त के महीनों में बिजली के लिये हाहाकर थी लेकिन फिर भी इस साल हरियाणा प्रदेश में पैडी एरिया में जितनी पैडी हुई है, वह रिकार्ड तोड़ है। पैडी की पैदावार रिकार्ड तोड़ इसलिये है क्योंकि इस सरकार ने किसानों को बिजली दी है। यह बात भी सर्वविदित है कि किसानों को एग्रीकल्चर सैक्टर में सबसिडाइज्ड रेट पर बिजली देने के कारण सीधा बिजली बोर्ड को 400 करोड़ रूपए का घाटा है। स्पीकर साहब, पावर जनरेशन पर 1.25 रूपए और 1.50 रूपये के बीच पर यूनिट खर्चा आता है और

यह खर्चा 3 रूपए पर यूनिट तक भी आ जाता है। इस खर्चे के अगेंस्ट सरकार किसानों को 50 पैसे पर यूनिट के हिसाब से सबसिडाइज्ड रेट पर बिजली देती है। स्पीकर साहब, 382804 टयूबवैल कनैक्शन दिए हुए हैं, जिनमें से 2 लाख 13 हजार अन मीटर्ड हैं। सरकार को केवल 22 पैसे पर यूनिट के हिसाब से रिटर्न आ रही है जबकि खर्चा 1.25 रूपये से 3 रूपये पर यूनिट के हिसाब से होता है। मैं यह बात भी कहना चाहूंगा कि हम किसानों को बिजली देकर कोई एहसान नहीं कर रहे। अगर किसान अनाज पैदा नहीं करेंगे तो देश के लोग अपने पेट की आग कैसे बुझाएंगे? लेकिन लाईनें पुरानी होने के कारण उनकी कैरिंग कैपेसिटी नहीं है। स्पीकर साहब, मैं साउथ हरियाणा का रहने वाला हूं और मेरे जितने साथी साउथ हरियाणा से चुनकर आए हैं, उनको पता है कि इस बार भगवान की कृपा से सरसों की रिकार्ड तोड़ पैदावार होगी। (शोर) आप शोर ज्यादा कर रहे हैं। मेरी बात तो सुनिए। (शोर) जब तक बारिश का पानी नहीं मिलता तो फसल भी अच्छी नहीं होती। (शोर)

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया।

श्री अध्यक्ष: इन्होंने यह सवाल पूछा था कि इनके टाईम में कितने कुनैक्शन दिए गए थे वह फिगर्ज आप बता दें।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मैं आपकी इजाजत से यह भी कहना चाहता हूं कि जो मेरा ओरीजनल सवाल था, उसमें भी इनकी तरफ से जवाब आना रह गया है। मैंने पूछा था कि क्या सैल्फ फाइनास स्कीम की भी कोई प्रायरिटी बनाई है? ये जवाब देने की बजाये ड्रामेबाजी ज्यादा कर रहे हैं।

श्री ए.सी. चौधरी: स्पीकर साहब, हमने महसूस किया है कि पैसे की कमी की वजह से लोगों को बिजली के कुनैक्शन समय पर नहीं मिल पा रहे। इसी दिक्कत को ध्यान में रखते हुए हमने सैल्फ फाइनेंसिग स्कीम बनाई है। मैं हाउस की जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि अगर आज हम एक टयूबवैल को कुनैक्शन दें तो उस पर यदि सारा खर्चा लगाया जाये तो वह 75 हजार से एक लाख के बीच आता है। हम बैंक से कर्जा लेकर यह काम करते हैं तो हमें 1500 से 2000 के बीच इसका ब्याज भी बैंक को देना पड़ता है। हमने स्कीम बनाई है कि जो व्यक्ति इस स्कीम को अपनाना चाहेगा, उससे हम 200 रू. पर हार्स पावर के हिसाब से पैसे चार्ज करेंगे। (विघ्न) टयूबवैल के लिए कम से कम 5 हार्स पावर की मोअर की आवश्यकता होती है। उस हिसाब से एक हजार रूपये तो यह हो जाएगा। लाईनिंग के लिए 50 रूपये पर मीटर के हिसाब से लेंगे। ट्रांसफार्मर के लिये 1000 रूपये पर हार्स पावर के हिसाब से पैसे लेकर उसको प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही साथ मैं यह भी सदन को बताना चाहता हूं कि जो पैसा हम किसानों से इस स्कीम के लिये लेंगे, उसमें से कुछ पैसा

हम उनके बिल के अगैस्ट उनके लिय अलग से रखेंगे। (शोर) यह पैसा हम 5–6 साल बाद उसके बिल के अगेन्स्ट एडजस्ट कर देंगे। (विघ्न) हम एक टारगैट रखकर ही अपनी स्कीम चला रहे हैं। यदि टारगैट एचीव नहीं होता तो फिर काम कैसे चलेगा? खबको इस बात का पता है कि आबादी बढ़ने की वजह से जमीन कम होती जा रही है। यदि फसल नहीं बढ़ेगी तो काम कैसे चलेगा हमें इस बात की चिन्ता है। आपको इन चीजों की चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है।

श्री अध्यक्ष: इनका एक सवाल यह था कि इनके समय में कितने कुनैक्शन दिए गए थे?

श्री ए.सी. चौधरी: यह सूचना इस समय मेरे पास नहीं है। वर्श 1990–91 की एफ फिगर्ज मेरे पास हैं। उस साल इन्होंने 20000 कुनैक्शन देने थे जबकि दिए 16000। हमने 1.7.91 से 31. 12.92 तक 20000 कुनैक्शन देने का वायदा किया था जबकि हमने 40528 कुनैक्शन दिए।

प्रो. सम्पत सिंह: इनके पास पिछले 4 साल की फिगर्ज तो हैं लेकिन ये बताना नहीं चाहते। अगर ये बता देंगे तो पब्लिक की तरफ से इनको एडवर्स रिमार्कस मिलेंगे। स्पीकर सर, सैल्फ फाइनैसिंग कुनैक्शन की जो बात मंत्री जी कर रहे हैं, वह कम से कम 37 हजार रूपये में मिलेगा। इसका मतलब यह है कि आम आदमी कुनैक्शन नहीं ले पाएगा, बड़ा जमींदार ही कुनैक्शन ले

सकेगा। पिछले सैशन में मुख्यमंत्री जी ओर फोरमर आई.पी.एस. साहब ने कहा था कि हमारी सरकार के वक्त में 5000 या 7000 रूपये की इन्सैटिव स्कीम थी, उस स्कीम की वापस लेते हैं। यह सरकार बड़े जमीदारों को फायदा पहुंचाना चाहती हैं, क्या कनैक्शन के लिये 37 हजार रूपये का निर्णय सरकार ने छोटे जमीदारों के हित में किया है? स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वे इसको वापस लेंगे और क्या फ्री टयूबवैल कुनैक्शन लोगों को देंगे?

श्री ए.सी. चौधरी: स्पीकर साहब, पहले तो मैं 37 हजार रूपये की फिगर के बारे में क्लीयर करना चाहूंगा। दो सौ रूपये पर ए.पी. के हिसाब से मिनिमम एक हजार रूपया हमने रखा है अगर 10 एच.पी. का हो जाए तो दो हजार रूपया हुआ, दस हजार रूपया नहीं बनता, दो हजार रूपया बनता है। उसके बाद उसकी लाईन के लिये 50 रूपये पर मीटर के हिसाब से जितना पैसा वे देते हैं ओर हम ले रहे हैं उस हिसाब से एक कुनैक्शन के लिये उन्हें मुश्किल से 10 हजार रूपया मैक्सिमम देना पड़ता है और मेरे भाई 37 हजार रूपये कह रहे हैं। दूसरी बात, मेरे भाई फिगर के बारे में कह रहे थे तो फिगर्ज मेरे पास अब आई हैं। 3–4 साल में हमारी सरकार और पिछली सरकार के समय के मिलाकर 32200 कुनैक्शन दिए गए हैं और हमी सरकार ने एक साल की अवधि में 40528 कुनैक्शन दिए हैं (विघ्न) मैं रिकार्ड पर ला रहा हूं। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैं अर्ज कर रहा था कि कनैक्श्न के लिए,

लाईन–ले करने के लिए, 75 हाजर से लेकर एक लाख रूपये तक का खर्च हमें करना पड़ता है। एक ट्रांसफारमर अगर हम 25 हार्स पावर का भी लगाएं तो उसकी कीमत 40000 रूपये हैं। एक पावर ट्रांसफारमर तकरीबन एक करोड़ रूपये से लेकर 3 करोड़ रूपये तक का आता है उसकी वैल्यू को स्पलिट अप करने के लिए मैं अपने माननीय साथी को आव्हान करूंगा कि वे स्वयं इन चीजों को देख लें। अगर वाकई वे किसानेां के हितैशी हैं तो वे मेरी बात की ताईद करेंगे। स्पीकर साहब, हम सरकारी खजाने का अधिक से अधिक पैसा गरीबों को राहत देने के लिए खर्च करते हैं। मेरे भाई इस बात को खुद ही एग्जामिन कर लें। अनमीटर्ड सप्लाई स्कीम से भी उनको फायाद हो रहा है। अन मीटर्ड का फायदा हर किस्म का आदमी उठा रहा है और छोटे किसानों को उसका भरपूर लाभ मिल रहा है। हमारे साथियों को तो गरीब जमींदारों का रोना ही मिला हुआ है। (विघ्न)

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, फलैट रेटस बढ़ाए गए हैं (विघ्न) मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि अन–मीटर्ड के एनुअल चार्जिज इन्होंने बढ़ाए हैं या नहीं?

श्री ए.एस. चौधरी: स्पीकर साहब, 382804 एग्रीकल्चरल क्नैक्शंज दिए हुए हैं, जिनमें से 245613 अन–मीटर्ड हैं। आप अन्दाजा लगाएं कि अन–मीटर्ड जो गेजड यूज कर रहे हैं उसकी कोई रिकार्डिग नहीं होती। मान लीजिए किसी व्यक्ति ने 2 किलोवाट का लोड सैक्शन करवाया है उसकी मिनिमम कंजम्पशन

कितनी होगी इसका कोई हिसाब तो रखना होता और हम मिनिमम कंजम्पशन की गारन्टी मांगते हैं। (विघ्न)

प्रो. सम्पत सिंह: मिनिमम चार्जिज का मतलब तो यह हुआ कि साल भर में टयूबवेल चाहे चले चाहे न चले, परन्तु एक मुश्त रकम किसान को देनी पड़ेगी।

श्री ए.सी. चौधरी: स्पीकर साहब, जहां हम फलैट रेट चार्ज करते हैं वहां 50 रूपये पर होर्सपावर के हिसाब से लेते हें। मैं अपने फाजिल दोस्त को बताना चाहूंगा कि जितनी स्कीमें ये बता रहे हैं, वे आलरेडी पंजाब में चल रही हैं। सैल्फ फाईनैंस स्कीम भी बाकायदा पंजाब में चल रही है। (विघ्न) 5 एच.पी. की मोटर से हम स्टार्ट करते हैं क्योंकि मिनिमम 5 एस.पी. (विघ्न) 10 हार्स पावर की मोटर अगर कोई लगाता है तो 50 रूपये पर एच. पी. के हिसाब से 500 रूपये बनते हैं। इसका मतलब यह है कि एक हजार यूनिट का यह पैसा आता है। एक हजार यूनिट डिवायडिड बाई 30 के हिसाब से 33 यूनिट पर–डे हैं। दस हार्सपावर की मोटर 2.1 घंटे में 33 यूनिट कंज्यूम करती है। अध्यक्ष महोदय, आज जितनी अच्छी बिजली की पोजीशन है, वह पहले नहीं थी।

Mr. Speaker: Hon'b;e members, Questions Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Installation of 16 MVA Transformer

***709. Sh. Krishan Lal**: Will the Minister for Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to instal another transformer of 16 MVA in 132 K.V. Power House at Assandh (Karnal); if so, the time by which the said transformer is likely to be installed?

बिजली मंत्री (श्री ए.सी. चौधरी): श्रीमान् जी, वर्श 1994—95 के दौरान।

Constructioin of a Building for Industrial Training and Vocational Education

***691. Sh. Satbir Singh Kadian**: Will the Minister for Industrial Training and Vocational Education be pleased to state –

a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a building of Industrial Training and Vocational Education Institute in village Seenkh Distt. Panipat; and

b) if so, the time by which the aforesaid building is likely to be constructed?

औद्योगिक प्रशिक्षण एवं व्यवसायिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री तेजेनद्रपाल मान):

(क) जी हां। सींख में व्यावसायिक शिक्षा संस्थान के भवन निर्माण का प्रस्ताव है।

(ख) यदि समुचित फण्डल उपलब्ध हो जाते हैं, तो भवन के 3 वर्श में पूर्ण होने की संभावना है।

Construction of a Culvert

***686. Sh. Ram Kumar Katwal**: Will the Minister for P.W.D. (B & R) be pleased to state –

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a culvert near Harijan Basti of village Kithana on the Kithana to Kalayat road; and

(b) if so, the time by which it is likely to be constructed?

लोक निर्माण भवन एवं सड़कें मंत्री (चौ. आनन्द सिंह डांगी):

(क) और (ख) एक पुली, इस जगह के नजदीक, सड़क को ऊपर उइाकर तथा कच्चा ड्रेन निर्माण के बाद, बनाने का प्रस्ताव है। कार्य अगले वित्त वर्श में किया जायेगा।

Purchase of Seeds

***702. Sh. Kitab Singh**: Will the Minister for Agriculture be pleased to the state the criteria, if any, laid down by the Haryana Seeds Development Corporation for purchasing of the certified seed from the seed growers?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिंह): हरियाणा बीज विकास निगम लिमिटेड उन उत्पादकों से प्रमाणित बीज खरीदती है जो

निगम से आधार बीज लेते तथा जिनके उत्पाद को प्रति एकड़ उत्पादन एंव गुणवत्ता मानकों के सम्बन्ध में हरियाणा राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा प्रमाणित किया जाता है।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

140. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Minister for Revenue be pleased to state the tehsil-wise revenue receipt of district Faridabad on account of Registered Sales Deeds during the year 1992-93?

राजस्व मंत्री (श्री निर्मल सिंह): तहसीलदार राजस्व प्राप्तियों का ब्यौरा निम्न प्रकार है:–

तहसील, फरीदाबाद	64784127.00
तहसील, बल्लबगढ़	12304949.00
तहसील, पलवल	14835334.00
तहसील, हथीन	3613231.00
उप तहसील, होडल	5011975.00
जोड़	100549616.00

Eradication of Malaria

141. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Minister for Health be pleased to state the total expenditure incurred on

eradication of Malaria in district Faridabad during the year 1992-93?

स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद मंत्री (श्रीमती शान्ति देवी): 110.28 लाख रूपये।

Sale of Stamp Papers

142. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Minister for Finance be pleased to state –

(a) the total sale of Stamp Paper's in terms of money in the Tehsil/Treasury, Palwal during the year 1991-92 and 1992-93 to date; and

(b) whether any stamp paper's have been received for refund of money in Tehsil Palwal District Faridabad during the said period if so, the number thereof?

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता):

(क)

स्टाम्प पेपर का नाम			स्टाम्प पेपर की संख्या	राशि (रूपयों में)
वर्श 1991—92				

	(i)	नान–जुडिशियल	4039	12814975
	(ii)	जुडिशियल (कोर्ट फीस)	473	1211560
वर्श 1992–93				
	(i)	नान–जुडिशियल	6705	16897015
	(ii)	जुडिशियल (कोर्ट फीस)	1039	1514428
1.4.93 से 30.11.93	(i)	नान–जुडिशियल	1680	17191110
	(ii)	जुडिशियल (कोर्ट फीस)	370	1550730
(ख) जी हां, विवरण निम्न प्रकार से है:–				
वर्श 1991–92				
	(i)	नान–जुडिशियल	21	72140
	(ii)	जुडिशियल (कोर्ट फीस)	2	2985

वर्श 1992–93				
	(i)	नान–जुडिशियल	35	369225
	(ii)	जुडिशियल (कोर्ट फीस)	3	5005
1.4.93 से 30.11.93	(i)	नान–जुडिशियल	3	23205
	(ii)	जुडिशियल (कोर्ट फीस)	शून्य	

Amount spent on the repair of I.T.I. Building

143. Sh. Karan Singh Dalal: Will the Minister of State for Industrial Training be pleased to state whether any amount has been spent for the repair of the building of the Industrial Training Institute, Palwal during the period from 1991 to 1993; if so, the details thereof?

औद्योगिक प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री तेजेन्द्रपाल मान): औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पलवल के भवन पर वश्र 1991–92, 1992–93 तथा 1993–94 (1/94) तक के खर्च का ब्यौरा निम्न प्रकार से है:–

भवन का नाम	वार्शिक रख–रखाव	वर्श अनुसार किए गए खर्च का विवरण (लाख रूपये)

	का एस्टीमेट (लाख रूपये)	1991—92	1992—93	1993—94 (1/94)
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पलवल के भवन की वार्शिक मरम्मत	0.31	0.32	0.13	0.32

उपरोक्त के अतिरिक्त 107754.69 रूपये की राशि होस्टल की मुरम्मत पर वर्श 1991—92 में विभागीय शीर्श ''मेनटेनन्स वर्कस'' के तहत खर्च की गई है।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं के भवनों की मुरम्मत लोक निर्माण विभाग द्वारा की जाती है और इस आशय के लिये राशि वित्त विभाग द्वारा सीधे ही लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध करवाई जाती है।

Water waters at Banawali and Kirmara

148. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Public Health be pleased to state –

(a) the dates on which the sanction to construct the water works for villages Banawali and Kirmara in District Hisar were according; and

(b) the steps taken or proposed to be taken in regard to the construction of the aforesaid water works?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री रामपाल सिंह कंवर):

(क) बनावाली की मंजूरी की तिथि 14.3.1991 तथा किरमारा की 26.12.91 है।

(ख) जिन गांवों में पीने के पानी की मात्रा का स्तर कम है उनको प्राथमिकता दी जा रही है, इसलिये इन गांवों के बारे में कोई कार्यवाही नहीं की गई। बनावाली तथा किरमारा का वर्तमान पेयजल स्तर क्रमशः 60 तथा 75 एल.पी.सी.डी. (प्रति व्यक्ति प्रतिदिन) है।

Ranger in Forests Department

149. Sh. Pir Chand: Will the Minister for Forests be pleased to state –

(a) the total number of Rangers in the Forests Department together with the number of persons belonging to Schedulted Castes amongst them;

(b) the criteria, if any, fixed in regard to the appointment/promotion for the post of Rangers;' if so, the detail thereof; and

(c) whether there is any short fall in the reservation; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to make a special recruitment to fill up the said short fall?

वन मंत्री (राव इन्द्रजीत सिंह):

(क) 133 वन राजिक विभाग मैं कार्यरत हैं जिनमें 15 वन राजिक अनुसूचित जातियों से सम्बन्ध रखते हैं।

(ख) वन राजिकों के पदों की भर्ती के बारे में मापदण्ड पंजाब वन अधीनस्थ सेवा, (कार्यकारी अनुभाग) नियमावली, 1944 के नियम 7 में अंकित है, जिसके अनुसार 80 प्रतिशत पद सीधी भर्ती द्वारा तथा शेश 20 प्रतिशत पद उपयुक्त उप वन राजिको में से पदोन्नति द्वारा भरे जाने का प्रावधान है। इनमें ऐ 20 प्रतिशत पद अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखने वाले उम्मीदवारों से भरे जाते हैं।

(ग) कुछ कमी हैं और इसे पूरा करने के लिये प्रयत्न किए जा रहे हैं।

Bus Stand at Assamdh

150. Sh. Krishan Lal: Will the Minister of State fro Transport be pleased to state –

(a) whether the construction work of Bus stand building at Assandth, district Karnal has been completed; and

(b) if not, the reasons therefor togetherwith the time by which the aforesaid bus stand is likely to be completed?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री बलबीर पाल शाह):

(क) जी नहीं।

(ख) विभाग के पास धन राशि उपलब्ध न होने के कारण निर्माण कार्य रूका हुआ है। ज्यों ही धन राशि उपलब्ध होगी, बस अड्डे का निर्माण आरम्भ कर दिया जाएगा।

Repair of Road

151. Sh. Krishan Lal: Will the Minister for P.W.D. (B & R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Goverment to repair the road from village Bhalsi to Luhari in district Panipat during the year 1993-94?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (चौ. आनन्द सिंह डांगी): हां श्री मान जी, सड़क की मरम्मत कर दी गई है।

Construction of Bridge

152. Sh. Krishan Lal: Will the Minister for P.W.D. (B & R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bridge on drain near the village Dhyana in district Karnal during teh year 1993-94?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (चौ. आनन्द सिंह डांगी): नहीं श्री मान जी। सड़क ऋतुओं के लिये एक काम चलाऊ रास्ता ड्रेन पर हयम पाइप डाल कर बनाया गया है।

Construction of Road

153. Sh. Krishan Lal: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new road from

village Padha to village Kudlan distrct Karnal during the year 1993-94; if so, the time by which it is likely to be constructed?

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (चौ. आनन्द सिंह डांगी): हां श्री मान जी, धन की कमी के कारण, सड़क के पूरा होने का समय नहीं बताया जा सकता।

Kapil Muni Ashram

156. Sh. Bharath Singh: Will the Minister for Public Health be pleased to state –

(a) whether it is a fact that the contaminated water of the City falls in the tank of Kapilmuni Ashram, Kalayat in District Kaithal; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to check the falling of the contaminated water into the aforesaid tank?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री राम पाल सिंह कंवर):

(क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

Construction of Police Line at Panipat

155. Sh. Satbir Singh Kadian: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a building of police line in district, Panipat; if so, the time by which it is likely to be constructed?

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): जी हां। प्रस्ताव विचाराधीन है। भूमि का अर्जन किया जा रहा है, तथा सभी औपचारिकतायें वर्श 1994–95 में पूरी कर ली जायेंगी। ज्यों ही धन की व्यवस्था होगी त्यों ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जायेगा।

Evasion of Sales Tax

149. Sh. Chattar Singh Chauhan: Will the Minister for Excise & Taxation be pleased to state whether any cases of evasion of Sales Tax were detected at Karnal and Faridabad during the year 1993-94; if so, the details thereof, togetherwith the action so far taken in this regard?

आबकारी तथा कराधान मंत्री (बहिन करतार देवी): जी हां। वर्श 1993–94 के दौरान दिनांक 31.1.1994 तक जिला करनाल तथा फरीदाबाद में 2935 मामले पकड़े गये। इनमें से 2870 का निपटान कर दिया है और 14026217 रूपये कर तथा जुर्माने के रूप में वसूल किये गये हैं।

Shortage of Drinking Water in Kalayat

157. Sh. Bharath Singh: Will the Minister for Public Health be pleased to state –

(a) whether the Govt. is aware of the fact that there is a shortage of drinking water in Ward No. 11, Balmiki Basti of Kalayat; and

(b) if so, the steps so far taken to meet the above said shortage of drinking water in aforesaid area?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री राम पाल सिंह कंवर):

(क) वार्ड न. 11 में बाल्मीकि बस्ती कलायत में पीने के पानी की कोई कमी नहीं है।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

Shortage of Instructors in ITI Kalayat.

158. Sh. Bharath Singh: Will the Minister of State for Industrial Training and Vocational Education be pleased to state –

(a) whether it is a fact that there is a shortage of Instructors (Teachers) in I.T.I. Kalayat at present; and

(b) if so, the time by which the said shortage of Instructors will be removed?

औद्योगिक प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक शिक्षा राज्य मंत्री (श्री तेजेन्द्रपाल मान):

(क) कलायत में कोई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नहीं है और अनुदेशकों की कमी का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता।

(ख) प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता।

Providing the Canal Water

160. Sh. Bharath Singh: Will the Minister for Irrigation be pleased to state whether there is any scheme under consideration of the Govt. to provide canal water to

irrigate the barren land of village Kheri Sherkhan of District Kaithal; if so, the time by which the said scheme is likely to be materialized?

सिंचाई मंत्री (चौ. जगदीश नेहरा): नहीं।

Amount Spent on the Desilting of the Canals

169. Sh. Dhirpal Singh: Will the Minister for Irrigation be pleased to state the names of Canals of Badli division; if any, desilted during the period from March, 1993 to December, 1993, together with the total expenditure incurred thereon?

सिंचाई मंत्री (चौ. जगदीश नेहरा): सिंचाई विभाग, हरियाणा में कोई बादली मण्डल नहीं है। फिर भी बादली निर्वाचन क्षेत्र के उन चैनलों के नाम, जिनकी गाद मार्च, 1993 से दिसम्बर, 1993 तक की अवधि में निकाली गई, कुल खर्च सहित निम्न प्रकार से है:–

क्र.स.	चैनलों के नाम	अनुमानित खर्चा
1	रिवाड़ी खेड़ा माईनर बुर्जी 16500 से 29500 तक	रूपये 20000
2	जहांगीरपुर माईनर शुरू से अन्तिम छोर तक	कार्य विभागीय कर्मचारियों द्वारा किया गया

3	1–आर जहांगीरपुर माईनर	–यथोपरि–
4	1–एल जहांगीरपुर माईनर	–यथोपरि–
5	भूपनिया माईनर	श्रमदान/जमीदारों द्वारा
6	नई भूपनिया माईनर	–यथोपरि–
7	छुड़ानी माईनर	–यथोपरि–

Construction of a Distributory

170. Sh. Dhirpal Singh: Will the Minister for Irrigation be pleased to state –

(a) whether there is any proposal under under consideration of the Government to construct a distributory from Dulhera minor nearby Garhi Sampla to Jhangirpur via Villages Kharhar, Matan, Rewarikhera, Bhadeni and Kablana; and

(b) if so, the time by which the construction work of the aforesaid distributory is likely to be started/completed?

सिंचाई मंत्री (चौ. जगदीश नेहरा):

(क) हां।

(ख) यह योजना तकनीकी निरीक्षण के लिये विचाराधीन है तथा इसका शुरू होना निम्न बातों पर निर्भर करता है:–

(1) तकनीकी/वित्तीय दृश्टिकोण से उपयोगिता।

(2) धन की उपलब्धता।

Grain Market, Babain

168. Sathi Lehri Singh: Will the Minister for Agriculture be pleased to state –

(a) whether there is any scheme under consideration of the Government to draiin out the rain water from Babain Grain Market which accommulates there during rainly season; if so, the time by which the said scheme is likely to be implemented;

(b) whether the possession of the booths auctioned by the Babain Grain Market has been released; if not, the reasons therefor; and

(c) the total expenditure incurred on the repair of inside roads of Grain Market, Babain since its formation?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिंह):

(क) हां, यह योजना ड्रेनेज विभाग द्वारा कार्यान्वित की जानी है। फण्डज उपलब्ध होने पर यह कार्य एक वर्श में पूर्ण हो जायेगा।

(ख) 17.7.89 को 15 बूथों की नीलामी की गई। पंजाब कृशि उत्पाद मार्किट अधिनियम 1961 की धारा 18 के अन्तर्गत इन बूथों की बिक्री की स्वीकृति दिनांक 30.8.89 को दी गई। 22 बूथों

की नीलामी 7.2.94 को की गई जिसकी स्वीकृति जारी कर दी गई है। बूथों के निर्माण के लिये निशानदेही मार्किट कमेटी द्वारा खरीददारों के सम्पर्क करने पर दी जाएगी।

(ग) अनाज मण्डी बबैन के अस्तित्व में आने के पश्चात इसकी अन्दरूनी सड़कों की मुरम्मत पर कुल 36145 रूपये खर्च किया गया है।

Appointment made in Hafed

171. Ch. Azmat Khan: Will the Minister for Cooperation be pleased to state the categorywise names and addresses of the persons employed in 'Hafed' during the period from 1982 todate?

सहकारिता मंत्री (श्रीमती शकुन्तला भगवाड़िया): सूचना अनुबन्ध ''क'' पर रखी है।

ANNEXURE-I

Sr. No.	Name of the person employed alongwith the address	Category	
1	2	3	
	S/Shri		
1	Ranbir Singh S/o Gaja Singh Kalayan Agriculture	Gen.	Class-II

2	R.K. Goel S/o Barirath Mal, Shop No. 24, Adampur Mandi, Hisar	Do	Do
3	Subhash Chander Garg S/o S.N. Garg, Teh. Safidong, District Jind	Do	Do
4	G.D. Sharma S/o Sita Ram Railway Road, Rohtak	Do	Do
5	Arvind Pal Singh Bakshi S/o Inder Pal, H.No. 423, Sector 20-A, Chandigarh	Do	Do
6	Jatinder Parkash Gaur S/o R.D. Gaur VPO. Gohana, District Sonepat	Do	Do
7	Karan Kumar Jain S/o Sh. O.P. Jain, 57, Hasinpura, Amritsar	Do	Do
8	Lajpat Rai Jindal S/o B.N. Jindal Jakhal Mandi District Hisar (Haryana)	Do	Do
1	Jag Mohan S/o Sobha Ram, 738 Civil Lines, G.T. Oad, Faridabad	Gen.	Class-III
2	Ramesh Kumar S/o Karam Chand, H.No. 2090, Sector-22, Chandigarh	Do	Do
3	Ishwar Singh S/o Munshi Ram,	Do	Do

	VPO. Hassangarh, District Hisar		
4	Hoshiar Singh S/o Jai Karan Dass, VPO. Gianpur P.O. Kharak, Teh. & Distt. Hisar	Do	Do
5	Tejvir Singh S/o Hoshiar Singh, H.No. 1558, Thandi Sarak, Hisar	Do	Do
6	Charamvir Singh S/o Chattar Singh, V. Kaith P.O. Shahpur, Teh. & Distt. Panipat.	Do	Do
7	Randhir Singh S/o Sher Singh, V. Kapro Teh. & Distt. Hisar.	Do	Do
8	Satpal Singh S/o Mangat Singh, VPO. Dumerkhan Kalan, Teh. Narwana (Jind)	Do	Do
9	Ishwar Singh S/o Rattan Singh, VPO. Sinddhvi Khera Teh. & Distt. Jind	Do	Do
10	Prem Singh S/o Badlu Ram, VPO. Khanpur, Teh. Narwana (Jind)	Do	Do
11	Ved Singh S/o Manphool Singh, 125, Nain Bhawan, Jawahar Nagar, Hisar	Do	Do
12	Sohan Lal S/o Rera Ram, VPO. Dholu, Teh. Fatehabad (Hisar)	B.C.	Do

13	Devender Singh S/o Randhir Singh, 201, Defence Colony, Hisar	Gen.	Do
14	Uma Kant S/o S.N. Sharma, V. Chhadia P.O. Chulkana, Teh. Samalkha (Panipat)	E.S.M.	Do
15	Rajender Singh S/o Hari Singh, VPO. Bhagot Distt. Mohindergarh	Gen.	Do
16	Mahavir Singh S/o Jagdish Ram, VPO. Bharauri District Jind	S.C.	Do
17	Dharampal S/o Telu Ram, H.No. 2679, Ward No. 2, Meham (Rohtak)	Do	Do
18	Madan Lal S/o Sohrata Ram, VPO. Kailash Tikri Distt. Karnal	Do	Do
19	Inderjit Khurana S/o O.P. Khurana, Lohia basti Street B.No. 5, Hisar	General	Do
20	Ramesh Kumar S/o Shanti Sarup, VPO. Raipur Rani Distt. Ambala	Do	Do
21	Ashok Kumar Tayal S/o Raghbir Singh, Commission Agent, Jind	Do	Do
22	Pardeep Dhir S/o M.L. Dhir, Lal	Do	Do

	Bazar, Hisar		
23	Anita Rani D/o Sant Bhushan, Cloth Merchant, Kaithal	Do	Do
24	Narinder Kumar S/o Ramesh Chand, H.No. 968, VPO. Ajnala, Amritsar	Do	Do
25	R.K. Goel S/o S.C. Goel, Lohar Bazar, Bhiwani	Do	Do
26	Suresh Kumar S/o Mukand Lal, V. Kheri, Teh. Ratia Distt. Hisar	Gen.	Do
27	Mohan Lal S/o Muni Lal, V. Raipur Road, Distt. Ambala	B.C.	Do
28	Rishi Raj S/o Sardari Lal, Ambala Cantt. No. 1, Hill Road	E.S.M.	Do
29	Verender Chug S/o Manohar Lal, VPO. Gohana, Distt. Sonepat	General	Do
30	Rameshwar Das S/o Harphool, VPO. Bhattu Kalan, Distt. Hisar	Do	Do
31	Akhlesh Bansal S/o S.C. Bansal, 25, Jawahar Nagar, Karnal	Do	Do
32	Veena D/o Brij Bhushan, Chandigarh	Do	Do
33	Subhash Chander S/o J.R. Sharma, H.No. 3239, Sector 35,	Do	Do

	Chandigarh		
34	Bhim Sen S/o Nand Lal, Hansi Distt. Hisar	Do	Do
35	Kulbhushan Sharma S/o Ram Kumar, VPO. Ramba, Distt. Karnal	Do	Do
36	Kapil Bhardwaj S/o Prem Narain, Rai Steet, Charkhi Dadri	Do	Do
37	Satvir Singh S/o Hari Ram, VPO. Bohar, Distt. Rohtak	Do	Do
38	Joginder Pal Singh S/o Jagmal Singh, 3174, Khardina Street, Chhachrauli	Do	Do
39	Mohanjit Singh S/o Kulwant Singh, 71/3, Ram Nagar, Karnal	B.C.	Do
40	Shian Chand S/o Tara Chand, Rana Colony Safidon, Distt. Jind.	General	Do
41	Krishan Kumar S/o Moti Ram, Moh. Delhi Gate, Hansi Distt. Hisar	Do	Do
42	Sagar Lal S/o Ramji Lal, Kumaran Moh., Mohindergarh	B.C.	Do
43	Jagdish Rai S/o Chandu Singh, V. Thaka, P.O. Mohra, Gohana	General	Do

44	Pawan Kumar Sharma S/o Ravi Datt, H.No. 167/10, Kaithal	Do	Do
45	Raj Kumar Sharma S/o Krishan Sharma, H.No. 20, Randhir Colony, Karnal	Do	Do
46	Ashok Kumar Uppal S/o Rattan Lal, H.No. 147, Sector-13, Urban Eastate, Karnal	Do	Do
47	Ramesh Chander S/o Krishan Chander, VPO. Baidh, Teh. & Distt. Kurukshetra	B.C.	Do
48	Munish Mittal S/o Prem Chand, S.D. High School, Jind	Do	Do
49	Ved Parkash Punia S/o Badlu Ram, VPO. Baya Khera, Teh. & Distt. Hisar	Do	Do
50	Dilawar Singh S/o Jiya Lal, VPO. Budha P.O. Ladwa, Distt. Kurukshetra	Do	Do
51	Roshan Lal S/o Ramdhari Mal, Opp. Raj Traders Agency, Jind	Do	Do
52	Mohd. Iqbal S/o Basir Ahemed, VPO. Garhi Kotaha, Teh. N/Garh, Ambala	Do	Do

53	Ved Parkash Chawla S/o Gurditaa Mal Chawla Chawla Bhawan, Adampur (Hisar)	Do	Do
54	Kamal Kumar S/o Kanti Nandan, H.No. 396/1, Panipat	Do	Do
55	Sanjiv Chopra S/o Kulbhushan, H.No. 6274/10/1, Ambala City	Do	Do
56	Tulsi Dass S/o Bhotha Ram, VPO. Mirchpur Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
57	Ashok Sharma S/o Ram Kishan, V. Bhuddh Khala P.O. P.S. Rai, Sonipat	Do	Do
58	Hukam Chand S/o Mohar Ram, VPO. Sudlana, Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
59	Shiv Kumar S/o Karam Chand, Hisar Road, Fatehabad	Do	Do
60	Salin Kumar S/o Chhotu Ram, VPO. Dadanpur Teh. Fatehabad (Hisar)	Do	Do
61	Darshan Kumar S/o Ram Niwas, H.No. 331, Gali No. 2, Lohia Basti, Sirsa	Do	Do

62	Varun Kumar s/o Ram Chander, H.No. 331, Gali NO. 2, Model Town, Rewari	Do	Do
63	Sangeeta Mohan D/o P.P. Mohan, H.No. 2411/2, Patel Nagar, Ambala City	Do	Do
64	Sham Lal S/o Amar Nath, V. Sherpur P.O. Chhachhrouli, Teh. Jagadhari	Do	Do
65	Ravinder Kumar S/o Om Dutt, H.No. 40, Moti Tiba, Narnaul (M/Garh)	Do	Do
66	Harjinder Singh S/o Roshan Singh, V. Nanapur, P.O. Raniwali, Tohana	Do	Do
67	Jagdish Chander S/o Buta Ram, H.No. 412, Defence Colony, Hisar	Do	Do
68	Darshan Pal S/o Sant Lal, H.No. 46, Shiv Chowk, Sirsa	Do	Do
69	Ram Kishan S/o Chet Ram, VPO. Mahavati, Teh. Panipat	General	Do
70	Ram Niwas S/o Ganga Vishan, VPO. Mirchpur, Teh. Hansi (Hisar)	Do	Do

71	Balwan Singh S/o Mani Ram, V. Cindran Teh. Dabawali, Distt. Sirsa	B.C.	Do
72	Kamal Kant S/o Banwari Lal, C/o M/s Ram Kumar parmod Kumar Mandi Adampur, Distt. Hisar	General	Do
73	Jai Parkash S/o Balram, V. Dhukurau P.O. Jamal, Teh. & dist.t Hisar	B.C.	Do
74	Shiv Parkash S/o Prem Chand, V. Mori Kapal Mochan, Teh. Jagadhari	Do	Do
75	Suresh Kumar S/o Krishan Kumar, 181/1 Moh. Ramniwa, Fatehabad (Hisar)	General	Do
76	Rajbir Singh S/o Balwan Singh, V. Habatpur, P.O. Nirjan (Jind)	B.C.	Do
77	Raj Karni D/o Gain Chand, H.No. 504, Sector 20-A, Chandigarh	General	Do
78	Sukhbir Singh S/o Sher Singh, H.No. 422/5, Hanumna Colony (Hisar)	S.C.	Do
79	Joginder Singh S/o Amar Singh, VPO. Dhani Bhagat Teh. C. Dadri (Bhiwani)	E.S.M.	Do

80	Suresh Kumar S/o Jiwan Dass, H.No. 9/85, Sabzi Mandi, Barwala (Hisar)	General	Do
81	Om Parkash S/o Sohan Lal, VPO. Raipura Bisnoiya (Sirsa)	Do	Do
82	Abeh Kumar S/o Shiv Kumar, Moti Bapur Singh P.O. Jaspur, Nainital (U.P.)	Do	Do
83	Vikram Dutt Sharma S/o Tek Chand, H.No. 934/18, Moti Sainya (Hisar)	Do	Do
84	Baldev Luthra S/o Gopal Dass, H.No. 1097, Chandna Gate, Kaithal	Do	Do
85	Ram Niwas S/o Braham Swaroop, Teh. Tohana, Distt. Hisar	B.C.	Do
86	Randhir Singh S/o Karta Ram, H.No. A-41, New Press Colony, M.I.T.C., Faridabad	S.C.	Do
87	Mahabir Parshad S/o Lajja Ram, VPO. Dhani Sahna, Teh. Hansi (Hisar)	S.C.	Do
88	Surider Kumar S/o Nand Kishore, Chawla Colony, H.No. 1CA-601, Ballabgarh	S.C.	Do

89	Karam Singh S/o Ranpat, VPO. Nirjan, Distt. Jind	General	Do
90	Balraj Singh Nain S/o Nasib Singh, VPO. Hassangarh, Distt. Hisar	Do	Do
91	Bharat Bhushan S/o Ramji Lal, H.No. 965/17, Gandhi Nagar, Hansi (Hisar)	Do	Do
92	Dharamvir S/o Nihal Singh, VPO. Kakrod, Distt. Jind	Do	Do
93	Budh Ram S/o Ganesh Mehta, VPO. Purab Kalwan, Distt. Siwan (Bihar)	Do	Do
94	Vinaj Bhutani S/o Har Bhagwan, H.No. 2788, Sector 22-C, Chandigarh	Do	Do
95	Prem Chand S/o Lakhi Ram, VPO. Padhana, Distt. Karnal	Do	Do
96	Jai Singh Rathour S/o Kumar Singh, VPO. Nagla Balu, distt. Ethah (U.P.)	Do	Do
97	Dalip Singh S/o Shish Pal, VPo.Girawar, Distt. Rohtak	Do	Do
98	Gulzar Singh S/o Lachman Singh, VPO. Bhatt Majra, Distt.	Do	Do

	Kurukshetra		
99	Kulwant Singh S/o Makhan Singh, VPO. Hatt, Distt. Jind	Do	Do
100	Om Parkash S/o Maha Singh, VPO. Hatt, Distt. Jind	Do	Do
101	Ram Chander S/o Tara Chand, H.No. 845/5, Shiv Colony, Kurukshetra	Do	Do
102	Sahib Singh S/o Tej Singh, VPO. Gilour Kalan, Distt. Sonepat	Do	Do
103	Vijay Pal Singh S/o Nirajan Singh, H.No. 274, Ward No. 16, Distt. Rohtak	Do	Do
104	Ramesh Chander S/o Bharat Singh, VPO. Chulkana, Distt. Soipat	Do	Do
105	Padamjit Singh S/o Puran Chand, H.No. 66, Sector 33-A, Chandigarh	Do	Do
106	Kuldeep Rai Sharma S/o Jagdish Singh, 141, Tej Colony, Panipat	Do	Do
107	Mitar Pal Singh S/o Mehar Singh, VPO. Shahzadpur, Distt. Ambala	Do	Do

108	Om Parkash S/o Siri Narain, V. Jeetgarh P.O. Roopgarh, Distt. Jind	Do	Do
109	S.No. Sharma S/o Bhag Chand, VPO. Uchana, Distt. Jind	Do	Do
110	Sarda Nand S/o Dharam Chand, VPO. Bass, Distt. Hisar	Do	Do
111	Prem Singh S/o Mahabir Singh, VPO. Garanwati, Distt. Rohtak	Do	Do
112	Raj Kumar S/o Dev Parkash, VPO. Magoha, Amritsar (Punjab)	Do	Do
113	Prithvi Singh S/o Sadhu Ram, Munarhari, Distt. Kurukshetra	Do	Do
114	Om Parkash S/o Munshi Ram, VPO. Nirjan, Dsitt. Jind	Do	Do
115	Hewa Singh S/o Nathu Ram, VPO. Takahana, Distt. Karnal	Do	Do
116	Ganga Singh S/o Babu Ram, VPO. Nagla Jhabwa P.O. Kharipatti, Distt. Ettah (U.P.)	Do	Do
117	Bal Kishan S/o Ved Parkash, VPO. Ladwa, Distt. Kurukshetra	Do	Do
118	R.K. Sachdeva S/o M.P. Sachdeva	Do	Do

119	Surinder Kumar S/o Satya Narain Moh. Guru Nanakpura, Narnaul, Distt. Mohindergarh	Do	Do
120	Dharam Singh S/o Fateh Singh, V&PO. Burlana, Jind	Do	Do
121	Subhash Chander S/o Monphool Singh, Shanti Bhawan, Near GHS, Rohtak	Do	Do
122	Inder Singh S/o Siri Chand, VPO. Kulassi, Rohtak	Do	Do
123	Suresh Jawa S/o Prem Chand, VPO. Barwala, Distt. Hisar	Do	Do
124	Rajinder Singh S/o Khem Chand, VPO. Nahra, Sonipat	Do	Do
125	Surjeet Singh S/o Polu Ram, VPO. Dhabi Kalan, Hisar	Do	Do
126	Rajbir Singh S/o Amar Singh, D-10, Prem Nagar, Model Town, Sonepat	Do	Do
127	Dhoop Singh S/o Lakhi Ram, VPO. Ram Bas, Bhiwani	Do	Do
128	Raj Singh S/o Bhim Singh, VPO. Assan, Rahtak	Do	Do
129	Suresh Kumar S/o Hoshiar	Do	Do

	Singh, H.No. 273/19, Prem Nagar, Rohtak		
130	Rajnish Sharma S/o Shadi Ram, H.No. E-60, Adarsh Nagar, B/Garh (Faridabad)	Do	Do
131	D.K. Vashista S/o B.D. Sharma, H.No. 452, Lorance Road, Timarpur, Delhi	Do	Do
132	Rambir Singh S/o Chet Ram, VPO. Selan Pur, Distt. Buland Shahar (U.P.)	Do	Do
133	Chander Sain S/o Krishan Gopal, VPO. Kharkhoda, Distt. Sonepat	Do	Do
134	Dharamvir Singh S/o Prithvi Singh, H.No. 468, Janta Colony, Rohtak	Do	Do
135	Paras Ram S/o Manohar Lal, V. Chandpur P.O. Dalanpur, Distt. Rohtak	E.S.M.	Do
136	Harphool Singh S/o Jai Ram Singh, VPO. Jhook, Distt. M/Garh	General	Do
137	Bal Krishan S/o Ami Chand, VPO. Shamgarh, Distt. Karnal	Do	Do

138	Kashmiri Lal S/o Mulkh Raj, H.No. 82/16, Ram Nagar, Karnal	B.C.	Do
139	Prithvi Raj S/o Tara Chand, H.No. 2274/1, Sector-37, Chadigarh	B.C.	Do
140	Hira Singh S/o Mangal Singh, VPO. Shamgarh, Distt. Karnal	General	Do
141	Bhopal Singh S/o Khem Singh, VPO. Jondal Kurjan, Dist.t Chamoli (U.P.)	S.C.	Do
142	Bhir Bhan S/o Chandgi Ram, VPO. Uchana Kalan, Distt. Jind	B.C.	Do
143	Raghbir Singh S/o Badlu Ram, Village Bhani, Mehrajpur P.O. Meham, Rohtak	E.S.M.	Do
144	Puran Chand Vill. Kheri Bura, Bhiwani	E.S.M.	Do
145	Hans Raj Malik S/o Mange Ram Malik, VPO. Jasrana, Distt. Sonipat	Do	Do
146	Ishwar Chand S/o Nihla Ram, VPO. Khokrood, Distt. Jind	General	Do
147	Ram Kishan S/o Ram Saroop, Vill, Khodpura, Karnal	Do	Do

148	Malkit Singh S/o Surinder Singh, V. Des Raj Dhani, P.O. Ratia (Hisar)	Do	Do
149	Rameshwar S/o Antu Ram, Nehru Garden Colony, Near Jat School, Kaithal	B.C.	Do
150	Om Parkash S/o Har Chand, V. Rohar, Teh. Matenhel, Rohtak	S.C.	Do
151	Rakesh Kumar S/o Amar Lal, X-164, Basno Gate, Karnal	Do	Do
152	Mewa Ram S/o Narjan Lal, VPO. Dadhu Pur, Teh. Jagadhari, Ambala	Do	Do
153	Shiv Ram S/o Nanu Ram, Vill. Kullarpur, Teh. Naraingarh, Amabala	Do	Do
154	Ram Lal S/o Bhartu Ram, V. Rajpura, P.O. Khera, Distt. Karnal	Do	Do
155	Surinder Singh S/o Siri Chand, VPO. Chara, Distt. Rohtak	S.C./E.S.M.	Do
156	Kalash Chander S/o Raghbir Singh, VPO. Rajpura, Distt. Karnal	B.C.	Do

157	Amarjit Singh S/o Charat Ram, V. Bassi Shekha, P.O. Karala, Distt. Patiala	General	Do
158	Satbir Singh S/o Jagda Ram, VPO. Kakrood, Teh. Jarwana (Jind)	Do	Do
159	Mahabir Singh S/o Gulab Singh, VPO. Manawali, Teh. Fatehadbad (Hisar)	Do	Do
160	Baljit Singh S/o Daya Chand, VPO. Kavi, Teh. & Distt. Panipat	Do	Do
161	Darshan Lal S/o Amir Chand, V. Naza Dela Kalan, Distt. Sirsa	B.C.	Do
162	Jai Dayal S/o Ram Kumar, V. Kunjpura, Distt. Karnal	E.S.M.	Do
163	Laxmi Chand S/o Budh Ram, Vill. Barara (Ambala)	General	Do
164	Ram Karan S/o Nirjan Lal, Village Dadupura, Teh. Jagadhari (Ambala)	S.C.	Do
165	Ram Parkash S/o Jai Kishan, Vill. Nunna Majra, Distt. Rohtak	Do	Do
166	Lakhmi Chand S/o Chander Singh, VPO. Panchi Jattan, Teh.	General	Do

	Ganaur (Sonepat)		
167	Jaipal S/o Chatter Singh, Vill. Balmba, Teh. & Distt. Rohtak	Do	Do
168	Ram Singh S/o Bachan Singh, Vill. Sayal Kotia (Pehowa) Distt. Kurukshetara	Do	Do
169	Jasmer Singh S/o Ram Chander, Vill. Mundari, Distt. Kaithal	Do	Do
170	Chandi Ram S/o Hari Lash, VPO. Kamalpur, Teh. Kalayat (Jind)	Do	Do
171	Bhagwat Singh S/o Kirpal Singh, VPO. Taraori, Distt. Karnal	Do	Do
172	Roshan Lal Dogra S/o Bali Ram, H.No. 1151/1, Sec. 40, Chandigarh	Do	Do
173	Mahabir Singh S/o Chand Ram, VPO. Kunda, Distt. Sonepat	Do	Do
174	Sajjan Singh S/o Chandan Singh, VPO. Dodh, Distt. Rohtak	E.S.M.	Do
175	Chander Parkash S/o Brij Mohan, H.No. 231/34, Sugar Mill Colony, Y/Nagar.	General	Do
176	Mulakh Raj S/o Gurbax Dass, H.No. 151, B. Block, Sirsa	Do	Do

177	Vipin Kumar Mahajan S/o S.N. Mahajan, 1674, Phase-IV, SAS Nagar, Ropar	Do	Do
178	Sajid Ali S/o Zahid Ali, 19, Ghoshi Colony, Jamalpur Aligarh	Do	Do
179	Jaipal Singh S/o Ram Bhagat, VPO. Siwana Mal, Teh. Gohana (Sonipat)	Do	Do
180	Sunder Lal S/o Deegh Ram, Vill. Mohallwas P.O. Sangwari (M.Garh)	Do	Do
181	Anil Kumar Jain S/o Prem Sagar, H.NO. 3534, Timber Market Ambala Cantt.	Do	Do
182	Mahesh Kumar Bhatia S/o Jai Dayal Bhatia, VPO. Parbhuwala Distt. Hisar	Do	Do
183	Prem Singh S/o Mange Ram, VPO. Malikpur, Teh. Sonipat	Do	Do
184	Sushil Kumar S/o Gobind Chauhan, VPO. Jakholi, Distt. Sonipat	Do	Do
185	Ram Pal S/o Man Raj, V. Sandhir, Teh. & Distt. Karnal	Do	Do

186	Satpat S/o Bhagat Ram, G-12, Poultry Area, Nilokheri	Do	Do
187	Rajinder Arora S/o R.P. Arora, Chandigarh	Do	Do
188	Sushil Kumar S/o Late Sh. Yashpal, C/o Ram Rattan Cycle Works, Barara	B.C.	Do
189	Inder Pal Singh S/o Rawal Singh, 346, Sec. 20-A, Chadigarh	Gen.	Do
190	Har Mahal Singh S/o Fauja Ram, H.No. 590, R-Model Towan, Panipat	Do	Do
191	Krishan Kumar S/o Ram Singh, Vill. Babrouri, Teh. Kosli, Distt. Rewari	Do	Do
192	Ajmer Singh S/o Dilla Ram, VPO. Khera Man Singh, Karnal	Do	Do
193	Om Parkash S/o Mandhu Ram, VPO. Pardana, Distt. Karnal	S.C.	Do
194	Laxmi Chand S/o Nathi Ram, VPO. Khera Man Singh, Karnal	Gen.	Do
195	Sat Pal S/o Gobinda Ram, Vill. & P.O., Padhana, Distt. Karnal	Do	Do
196	Om Parkash S/o Devi Chand,	Do	Do

	Village & Post Office, Padhana, Distt. Karnal		
197	Jagdish Mittal S/o Manohar Lal, Village & Post Office Padhana, Distt. Karnal	S.C.	Do
198	Shanti Devi W/o Punna Ram, VPO. Sidhpur, Distt. Karnal	Do	Do
199	Vinod Kumar S/o Hazari Lal, Vijay Nagar, Conswas Road, Rewari	General	Do
200	Ram Kumar S/o Attar Singh, VPO. Malikpur, Distt. Sonipat	Do	Do
201	Vijay Kumar S/o Ved Parkash, H.No. 2193, Sector 19, Chandigarh	Do	Do
202	Ram Niwas S/o Narain Singh, VPO. Bajan Kalan, Teh. Ganaru, Distt. Sonipat	Do	Do
203	Vinod Kumar S/o Dev Raj, H.No. 773, Punjabi Mohalla, Ambala Cantt.	Do	Do
204	Pawan Kumar S/o Phool Chand, Village Khurdi, Post Office Nagal, Khajuri, Distt. Yamuna Nagar	Do	Do

205	Dilbag Singh S/o Bhim Singh, H.No. 236/29, Kamal Nagar, Near Mai Ka Mandir, Rohtak	Do	Do
206	Smt. Prem Kumari D/o Late Sh. Vijay Kumar, H.No. 52-E, School Area, Nilikheri, Distt. Karnal	Do	Do
207	Dharamvir S/o Sh. Siri Niwas, VPO. Ram Rai, Distt. Jind	Do	Do
208	Ram Phal S/o Mange Ram, VPO. Kalwas, Teh. & Distt. Bhiwani	Do	Do
209	Satbir Saini S/o Partap Singh, H.No. 676, Ward No. 199, Sainipura, Distt. Rohtak	Do	Do
210	R.P.S. Kajla S/o Rai Singh, VPO. Hathuwala, Distt. Jind	Do	Do
211	Bal Kishan S/o Chhattar Singh, Village Maruthi P.O. Baniyani Distt. Rohtak	Do	Do
212	Bhim Singh S/o Ram Singh, Village Rasina, Teh. Kaithal, Distt. Kaithal	Do	Do
213	Ishwar Singh S/o Tek Ram, VPO. Gangoli, Distt. Jind	General	Class-III
214	Des Taj S/o Kishori Lal, VPO.	Do	Do

	Jonawas, Distt. Mohindergarh		
215	Santosh Kumari D/o Atam Parkash, H.No. 513, Ward No. 4, Gurgaon	Do	Do
216	Ashok Kumar S/o Baru Ram, Distt. Hisar	Do	Do
217	Amarjit Singh S/o Bahadur Chand, Village Fatehabad, Distt. Hisar	S.C.	Do
218	Bina Thakur D/o Vikram Jit, H.No. 933, Phase-III, Mohali	General	Do
219	V.K. Gupta S/o Ved Parkash, H.No. C/155, Moh. Lohian, Hissar	Do	Do
220	Satvir Gautam S/o Bal Kishan, VPO. Jasawar Kheri, Distt. Rohtak	Do	Do
221	Smt. Sunita Sharma D/o S.No. Mehta, H.No. 2052, Sector 21-C, Chandigarh	Do	Do
222	Ram Avadh S/o Ram Asra, H.No. 238, Sector 29-A, Chandigarh	Do	Do
223	B.N. Bajwa S/o Baiju Ram C/o Central State Farm, Hissar	Do	Do

224	Rashmi Arora D/o Chander Arora, H.No. 318, Sector 22, Chandigarh	Do	Do
225	Sube Singh S/o Hardial Singh, VPO. Kumarodha, Distt. Mohindergarh	Do	Do
226	Rajinder Gupta S/o Laxman Dass, VPO. Siswana, Distt. Kurukshetra	Do	Do
227	M.S. Chauhan S/o Mehar Dass Chauhan, VPO. Kalanaur, Distt. Rohtak	Do	Do
228	Smt. Raj Bala W/o Faquir Chand, Village Assandh, Post Office Sampla, Distt. Rohtak	S.C.	Do
229	Ram Kumar S/o Gulab Singh VPO. Mandauth, Teh. Bahadurgarh, Distt. Rohtak	General	Do
230	Amarjit Singh S/o Bal Mukhand, Moh. Dakaut, Near Court, Narnaul, Distt. Mohindergarh	Do	Do
231	Karan Singh S/o Inder Singh, VPO. Dhakla, Teh. Jhajjar, Distt. Rohtak	Do	Do
232	Dilbag Singh S/o Diwan Singh,	Do	Do

	7/260, Moh. Jatwara, Distt. Karnal		
233	Tirlok Chand S/o Ram Sarup, VPO. Markanda, Teh. Hansi, Distt. Hissar	Do	Do
234	Anil Bhagat S/o Bal Mukhand, Bhagat Niwas, Mategali, Kaithal	Do	Do
235	Raj Singh S/o Baru Ram, VPO. Kheri Jatal, Teh. Hasni, Hissar	Do	Do
236	Jagdish Kumar S/o Chunni Lal, VPO. Odhan, Teh. & Distt. Sirsa	Do	Do
237	Anil Walia S/o Om Parkash VPO. Ratehpur, Distt. Kurukshetra	Do	Do
238	Sat Narain S/o Ram Chander, V. Bheri Akbarpur, Teh. and Distt. Hisar	Do	Do
239	Ramesh Chander S/o Bhagwan Dass, VPO. Bhutan Kalan, Teh. Fatehabad, Distt. Hissar	Do	Do
240	Suresh Kumar S/o Devi Dayal, Prachin Shiv Mandir, Lakhuwala Talab, Ambala City	Do	Do
241	Hardial Singh S/o Risal Singh, V. Todarpur, P.O. Sadhaura, Distt.	Do	Do

	Yamuna Nagar		
242	Smt. Sheela Dhiman W/o Jai Dev, VPO. Kalayat, Teh. Narwana, Distt. Jind	Do	Do
243	Narinder Kumar S/o Paras Ram, Moh. Moti Gate, Kaithal	Do	Do
244	Pawan Kumar S/o Mukhand Lal, H.No. 258, Sector 7-A, Chandigarh	Do	Do
245	Daljit Singh S/o Hardwari Lal, V. Dumarkalan, Teh. Narwana, Distt. Jind	Do	Do
246	Kanwar Pal S/o Kanwal Singh, VPO. Charadpur, Teh. Ballabgarh, Distt. F/Bad	Do	Do
247	Maha Singh S/o Chander Singh, VPO. Dighal Distt. Rohtak	Do	Do
248	Santosh Kumari D/o Hari Chand, VPO. Chaknaur, Distt. Rohtak	Do	Do
249	Siri Krishan S/o Moji Ram, VPO. Ridhana, Teh. Gohana, Sonipat	Do	Do
250	Ram Kumar S/o Zile Singh Village Nidana, Teh. & Distt. Rohtak	Do	Do

251	Pritpal Singh S/o Didar Singh, Village Dumarkha, Teh. Narwana, Distt. Jind	Do	Do
252	Balbir Singh S/o Pritam Singh, VPO. Hajrawan Kalan, Distt. Karnal	B.C.	Do
253	Jangir Singh S/o Hari Singh, VPO. Mohamal, Distt. Karnal	Gen.	Do
254	Kanshi Ram S/o Dhuni Ram, VPO. Sultanpuria, Distt. Sirsa	S.C.	Do
255	Telu Ram S/o Munsi Ram, VPO. Mirajpur, Distt. Kurukshetra	Gen.	Do
256	J.D. Kaushik S/o Mann Singh, VPo. Mirachpur, Teh. Narnaud, Distt. Hisar	Do	Do
257	Rajinder Kumar S/o Har Narain, VPo. Nara, Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
258	Jagmal Singh S/o Ajmet Singh, V. Golpura, P.O. Mauli, Teh. Naraingarh, Ambala	Do	Do
259	R.K. Bhardwaj S/o Ram Chander, VPO. Beri Akbarpur, Teh. Uklana, Hisar	Do	Do

260	Satyavan S/o Nafe Singh, VPO. Dumarkha, Teh. Narwana, Distt. Jind	Do	Do
261	Vikram Singh S/o Phelail Singh, VPO. Muwana, Distt. Jind	Do	Do
262	Jagdish Chander S/o Badan Singh, V. Balarkahn, Teh. Narwalan, Distt. Jind	Do	Do
263	Sanjiv Kumar S/o Ram Kumar, H.No. 734/11-D, Chandigarh	Do	Do
264	Ishwar Dayal S/o Birbal Ram, VPO. Dhanouda, Distt. Mohindergarh	Do	Do
265	C.S. Nain S/o Jeet Singh, 359/16-A, Fariadbad	Do	Do
266	Smt. Saroj Rana Widow of Late Satvir Singh, H.No. 235/8, Rajinder Nagar, Kurukshetra	Do	Do
267	Smt. Jaiwanti Devi W/o Late Sh. Ram Phal, VPO. Hathwala, Distt. Jind	Do	Do
268	Vijay Singh S/o Baldev Singh, V. Sisaya Bhola, Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do

269	Parveen Kumar S/o Nathi ram, B-130, Jyoti Colony, Gali No. 2, Shahdra, Delhi	E.S.M.	Do
270	Atam Ram S/o Dhanna Ram, VPO. Madanpur, P.O. Daklana, Distt. Hisar	Gen.	Do
271	Smt. Bimla Devik W/o Jai Narain, VPO. Nehra, Distt. Sonepat	Do	Do
272	Sareef Hussian S/o Barkat, VPO. Julana, Distt. Jind	B.C.	Do
273	Sushil Kumar S/o Gain Chand, V. Ladwa, Teh. Thaneshar, Kurukshetra	Gen.	Do
274	Anchla Rani D/o Surinder Kumar Main Bazar, Taraori, Distt. Karnal	P.H.	Do
275	Dalip Kumar S/o Ram Sarup, VPO. Adampur, Distt. Hisar	Gen.	Do
276	S.K. Kohli S/o T.R. Kohli, 1240/21-B, Chandigarh	Do	Do
277	Krishan Devi W/o Ram Avtar, VPO. Kharak Kalan, Distt. Rohtak	Do	Do

278	Miss Preeti D/o Jagdish Chander, C/o M/s Hindustan Teli House, Bhagat Singh Chowk, Hisar	P.H.	Do
279	Kamla Rani W/o Sh. Rameshwas, H.No. 1442, Sector 6, Karnal	S.C.	Do
280	Jai Dutt Sharma S/o Dharampal, V. Boriya Kamalpur, Teh. Rewari, Mohindergarh	Gen.	Do
281	Rakesh Kumar S/o Ram Chander, VPO. Kailram, Distt. Kaithal	S.C.	Do
282	Balraj Singh S/o Chhatar Singh, V. Habatpur, P.O. Nirjan, Teh. Jind, Distt. Jind	Do	Do
283	Krishana Devi D/o Ram Sarup, H.No. 897, Sector 13, New Housing Board Colony, Karnal	Do	Do
284	Baldev Ram S/o Charan Dass, H.No. 76/16, Roop Nagar Colony, Hansi, Distt. Hisar	Gen.	Do
285	Surinder Kaur D/o Sant Singh, H.No. 51/804, Baldev Nagar, Ambala City	Do	Do
286	Harbans Lal s/o Bhushan Dass,	Do	Do

	H.No. 708, Sector 22A, Chandigarh		
287	Rajinder Kumar S/o Mohan Lal, H.No. 83, Ward No. 9, Near 7th Patshahi, Gurudwara, Kurukshetra	Do	Do
288	Saroj Rani D/o Roshan Lal, H.nO. 16/667, Geeta Colony, Rohtak	Do	Do
289	Aminta Sagar D/o K.R. Awasthy, H.No. 1364, Sector 34-C, Chandigarh	Do	Do
290	Rakesh Kumar S/o Satpal, H.No. 481, Moh. Dhobain, VPO. Naraingarh, Distt. Ambala	Do	Do
291	Suraj Bhan S/o Man Singh, V. Hussaini, P.O. Nariangarh, Distt. Ambala	Do	Do
292	L.K. Nagpal S/o Diwan Chand, H.No. 21-A, Behind Libas Tailor, Sonipat	Do	Do
293	Ashok Kumar S/o Nebh Ram, Near Amar Lal Mandir, Bali Nagar, Palwal	Do	Do
294	Subhash Chand S/o Kamla Nand,	Do	Do

	H.No. 5327, Moh. Rajputana, Sirsa		
295	Ujjal Singh S/o Chandgi ram, Vill. Barauli, Distt. Karnal	Do	Do
296	Maman Ram S/o Amar Singh, Village Rampura, Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
297	Kusum Katyal D/o Gian Chand, Raipur Rani, Teh. Naraingarh, Distt. Ambala	Do	Do
298	Vijay Laxmi D/o Gokal Chand, H.No. 739, Sector 22-A, Chandigarh	Do	Do
299	Mohan Lal S/o Ram Chander, H.No. 748, Ward No. 21, Colony, Rohtak	Do	Do
300	Asha Rani D/o Prema Nand, H.No. 1475, Sector 22-B, Chandigarh	Do	Do
301	Ramesh Bansal S/o Sham Lal, Delhi Gate, Omet Wali Gali, Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
302	Poonam Sharma D/o Rishi Ram Vats, H.No. 1255, Sector 4, Panchkula	Do	Do

303	Indu Bala D/o Hukam Singh, 2017/8, Sector 32-D, Chandigarh	Do	Do
304	Anita Gupta D/o S.P. Gupta, H.No. 1146, Sector 23-B, Chandigarh	Do	Do
305	Joginder Kumar S/o Lachman Dass, H.No. 592/19, Durga Colony, Hansi, Hisar	Do	Do
306	Ved Parkash S/o Kanhiya Lal, H.No. 726, Bhumi Nagar, Gurgaon	Do	Do
307	Usha Rani D/o Nand Lal, H.No. 921, Patel Nagar Camp Ghandhi Nagar, Hisar	B.C.	Do
308	Ram Kiram S/o Rati Ram, VPO. Lown, Teh. Narwana, Distt. Jind	Do	Do
309	Ramesh Chander Narwal S/o Hukam Singh, Vill. Bhagwanpur, Distt. Karnal	Do	Do
310	Attar Singh S/o Hukam Singh, VPO. Harsana Kalan, Distt. Sonepat	P.H.	Do
311	Santosh Kumari D/o Balak Ram, H.No. 3513, Sector 46-C, Chandigarh	S.C.	Do

312	Sukhbir Singh S/o Darshan Singh, H.No. 3091/1, Sector 44-C, Chandigarh	ESM	Do
313	Reeta Rani D/o Chunni Lal, H.No. 708, Sector 2, Panchkula	ESM	Do
314	Kamal Lal S/o Hari Ram Village Dadu Majra, P.O. Maloya, U.T. Chandigarh	S.C.	Do
315	Harmesh Lal S/o Amar Singh, VPO. Saudar, Teh. Balachaur Distt. Hoshiarpur	S.C.	Do
316	Kiran Bala D/o Tirath Ram, V. Bargaon, Teh. Naraingarh Distt. Ambala	ESM	Do
317	Balwinder Kaur D/o Dian Singh, Near Railway Station, Hansi (Hisar)	B.C.	Do
318	Miss. Bindu D/o Shyam Sunder, H.No. 114, Krishan Nagar, Tehsil Panipat	ESM	Do
319	Akbar Kathak S/o Jhunga Ram, Village Jhuk Bariandi Via Masuda, Distt. Ajmer (Rajasthan)	Do	Do
320	Joginder Pal S/o Deputy Lal, VPO. Panjlara, Teh. Naraingarh,	Do	Do

	Distt. Ambala		
321	Miss. Rajwinder Kaur D/o Suraj Singh, Village Basantpura, P.O. Barara, Distt. Ambala	Do	Do
322	Mahipal Singh S/o Sandu Ram, VPO. Sagga, Distt. Karnal	ESM	Do
323	Krishan Kumar S/o Jagir Singh, Vilage Rajouli, P.O. Badhouli, Teh. Naraingarh, Distt. Ambala	Do	Do
324	Mange Ram S/o Manohar Lal, H.No. 328/3, Sector 44-D, Chandigarh	S.C.	Do
325	Balwan Singh S/o Chandgi Ram, VPO. Nara, Teh. and Distt. Hisar	Gen.	Do
326	Ashok Kumar Saini s/o Chattar Saini, Anandpura Near C.B. Collage, Rohtak	Do	Do
327	Ishwar Dass Sayal S/o Dev Ram, Vill. Jhatour, P.O. Bir Neghara Via, Sujanpura	Do	Do
328	Partap Singh S/o Dharam Dev., VPO. Kheri, Dsitt. Sirsa	Do	Do
329	Naresh Kumar S/o Kundan Lal, VPo Ding Distt. Sirsa	Do	Do

330	M.L. Verma S/o Ram Kishan Verma, VPO. Ding Mandi Teh. and Distt. Sirsa	BC	Do
331	Kartar Singh S/o Richpal Singh, Vill. Randrop, P.O. Chanderi Teh. Dadri	General	Do
332	Roshan Lal S/o Suraj Bhan, Vill. Mamria, Thakkar, PO. Kheri, Teh. Rewari, Distt. M/Garh (Hr.)	Do	Do
333	Yashpal S/o O.P. Sharma, 1515, Babu Purbam Kidwal Nagar, Kanpur (UP)	Do	Do
334	Prabhu Dayal S/o Bishan Dass, H.Noi. 590/16, Nai Basti, Gurgaon	Do	Do
335	Subhash Chand Goel S/o Rameshwar Dass, VPO. Kot, Teh. Kalka	Do	Do
336	Satya Pal S/o Inder Singh, VPO. Kapro, Teh. & Distt. Hisar	Do	Do
337	Narinder Kumar Sidhana S/o Tek Chand, H.No. 5677, Punjabi Wala Mohalla, Bhatinda	Do	Do
338	Dilbag Singh S/o Banwari, Vill. Rakhi Khas, P.O. Rakhi Shahpur,	S.C.	Do

	Teh. Hansi, Distt. Hisar		
339	Ved Singh S/o Bhola Ram, H.No. 182, Friends Colony, Jawahar Nagar, Hisar	Gen.	Do
340	Om Parkash S/o Sheo Chand, Vill. Sarsana, Hisar	Do	Do
341	Surjit Singh S/o Ram Kishan, VPO. Hanzira, Distt. Sirsa	Do	Do
342	Ram Kishan S/o Sheo Chand, VPO. Sarhera Via Barwala, Distt. Hisar	Do	Do
343	Bharat Singh Lamba S/o Arjun Singh, VPo. Khariri, Via. Pabra Distt. Hisar	Do	Do
344	Rajinder Singh S/o Ramji Lal, VPO. Bangaan, Teh. Fatehabad (Hisar)	Do	Do
345	Dinesh Kumar S/o Virender Singh, VPO. Brahmanwala, Teh. Nagaina, Distt. Bijnore	Do	Do
346	Mohan Singh S/o Johar Singh, Vill. & P.O. Besrari, P.O. Baracote. (Lohaghat)	Do	Do
347	Ram Kumar Ahlawat S/o Hari	Do	Do

	Ram, VPO. Chilowal, Distt. Jind		
348	Shankar Lal S/o Mani Ram, VPO. Tudesar, Distt. Sirsa	Do	Do
349	Dharamvir Singh S/o Ram Sarup, VPO. Mehanda, Teh. and Dist. Hisar	Do	Do
350	Balwan Singh S/o Ran Singh, Vill. Bianpura, P.O. Kharakpunia, Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
351	Ram Kumar Sihag S/o Dal Singh, VPO. Siwani Bohan, Teh. and Distt. Hisar	Do	Do
352	Harbans Lal S/o Suraj Bhan, Hanakpur Road, Gidarbaha, Distt. Faridkot	Do	Do
353	Suresh Kumar S/o Kishan Lal, VPO. Petwar, Distt. Hisar	Do	Do
354	Punjab Singh S/o Ran Singh, Vill. Gianpura, P.O. Kharakpura (Hisar)	Do	Do
355	Mahabir Singh S/o Ram Kishan, VPO. Hassangarh, Teh. Hisar	Do	Do
356	Sukhbir Singh S/o Khem Chand,	Do	Do

	Kirshan Garh Meham, Rohtak		
357	Atama Ram S/o Prithivi Singh, VPO. Sukhpura, Gohana Road, Rohtak	Do	Do
358	Kitab Singh S/o Rangi Ram, VPO. Girwar, Distt. Rohtak	Do	Do
359	Raj Singh S/o Kour Singh, VPO. Nangal, Teh. Ratia (Hisar)	Do	Do
360	Randhir Singh S/o Nana Singh, Distt. Ambala	Do	Do
361	Ved Parkash S/o Om Parkash Sharma, Street No. 7, Nai Abadi, Abohar (Pb)	General	Class II
362	Jai Parkash S/o Piara Lal, VPO. Gandhara, Teh. rohtak, Distt. Rohtak	Do	Do
363	Sidaramappa Uppin S/o Basappa Uppin, Vill. Hanumanhal, Kustagi Raichar (Raithaur)	Do	Do
364	Om Parkash S/o Kali Ram, Kharak Punia, Hisar	Do	Do
365	Dalel Singh S/o Dalip Singh, Vill. Dehman, Teh. Fatehabad (Hisar)	Do	Do
366	Sohan Singh S/o Chamail Singh,	Do	Do

	VPO. Shamgarh, Distt. Karnal		
367	Satish Kumar S/o Bharam Singh, VPO. Seenak, Distt. Panipat	Do	Do
368	Ashwani Kumar S/o Jai Kishan, Koth No. 663, Sector 4, Panchuka	Do	Do
369	Paras Lal Singh S/o Kamla Prashad Singh, V. Bhabhangawa P.O. Marat Paras, D. Chappara (Bihar)	Do	Do
370	Lakhan Dev Parshad S/o Durga Parshad, PO. Birla Colony, Bijwani	Do	Do
371	Chet Ram S/o Shadi Ram, VPO. Dhingsara, Teh. Fatehabad, Distt. Hisar	Do	Do
372	Bhagwan Dass S/o Nathu Lal, Line No. 8, Q. No. 11, Birla Nagar, Gwalior	Do	Do
373	R. Cheelam S/o M. Ramabungem. Poottattery P.O. Via Karintal, Vilavari Code, Taluk Kanyakumari	Do	Do
374	Bhagwan Dass Malhotra S/o Chiman Lal, H.No. 2459, Sector	Do	Do

	19-C, Chandigarh		
375	Karamvir Singh S/o Randhir Singh, VPO. Mokhra, Distt. Rohtak	Do	Do
376	Satyavir Singh S/o Attar Singh, VPO. Kungar, Teh. Bawani Khera (Bhiwani)	Do	Do
377	Satya Pal S/o Hamir Singh, VPO. Kapro, Distt. Hisar	Do	Do
378	Raghbir Singh Chahal S/o Baljeet Singh, Vill. Sotha, P.O. Kapro, Teh. Hansi (Hisar)	Do	Do
379	Birbhan Sharma S/o Shiv Lal Sharma, VPO. Dobuwa, Distt. Hisar	Do	Do
380	Narinder Kumar S/o Sukh Lal, VPO. Ding, Teh. & Distt. Sirsa	Do	Do
381	Pala ram Sachdeva S/o Milkhi Ram VPO. Bajekan Distt. & Teh. Sirsa	General	Class III
382	Mahavir Singh S/o Satyavarat Singh, Vill. Paintawas Khurd, P.O. Kitlana, Teh. Charkhi Dadri, Distt. Bhiwani	Do	Do

383	Ram Partap S/o Neki Ram, Dhingsara, Distt. Hisar	Do	Do
384	M.L. Channana S/o Mool Chand Chanana, SPM Model Township, Sisar	Do	Do
385	Satvir Singh S/o Ram Singh Chopra, Mohalla Chopra Patti Ward No. 5, H. No. 38, Narwana, Distt. Jind	E.S.M.	Do
386	Sehdev Singh S/o Badlu Ram, VPO. Siwani Bollan, Distt. Hisar	General	Do
387	Lakshmi Chand S/o Ratti Ram, Village Randoli, Distt. Karnal	Do	Do
388	Jai Bhagwan S/o Atma Ram, Behind Durga Rice Mill, New Basti, Kaithal	Do	Do
389	Yad Ram S/o Harbans Lal, Village Seembla, Distt. Hisar	Do	Do
390	Pyare Lal S/o Harphool Singh, Vill. Sandlana, Distt. Hisar	Do	Do
391	Rajpal Singh S/o Tek Chand, Vill. Lithani, Distt. Hisar	Do	Do
392	Rajpal Singh S/o Tek Chand, Vill. Lithani, Distt. Hisar	Do	Do

393	Kuldip Singh S/o Ram Sarup, Vill. Tandwal, Distt. Ambala	Do	Do
394	Kumund Kishore S/o Devki Nandan, VPO. Pali, Distt. Hardoi (UP)	Do	Do
395	Munish Chander Tyagi S/o Ramesh Chader, Shop No. 105, Anaj Mandi, Sirsa	Do	Do
396	Prithvi S/o Ram Kishan, VPO. Madlauda, Distt. Hisar	Do	Do
397	Krishan Chander S/o Punjab Singh, Vill. & PO. Mirchpur, Distt. Hisar	Do	Do
398	Gulshan Kumar S/o Dharam Chand, H.No. 285/1, Jiwan Gate, Kaithal	Do	Do
399	Ram Phool Singh S/o Tek Chand, H.No. 836/2, Dairy Mohalla, Rohtak	S.C.	Do
400	Dhan Singh S/o Munshi Ram, Distt. Bhiwani	General	Do
401	Sukhbir Singh S/o Harphool Singh, VPO. Bandhari, Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do

402	Dilbag Singh S/o Badan Singh, Lajanwala, Distt. Jind	Do	Do
403	Dalbir Singh S/o Chandan Singh, VPO. Bhatout, Distt. Rohtak	Do	Do
404	Raina Ram S/o Zile Singh, VPO. Karsola, Distt. Jind	Do	Do
405	Darshan Singh S/o Ran Singh, Vill & P.O. Kohla, Distt. Sonepat	Do	Do
1	Dhir Singh S/o Sh. Prem Singh, Hodel Distt. Faridabad	General	Class IV
2	Subhash Kumar S/o Sh. Ratti Ram Vill. Padkana, Distt. Karnal	S.C.	Do
3	Ram Rattan S/o Sh. Hazari Lal, V. Balwana Teh. Palwal, Distt Faridabad	General	Do
4	Satish Kumar S/o Sh. Hari Singh, V. Virbadalwa, Distt. Karnal	Do	Do
5	Jaipal Singh S/o Ram Chander, V. Baproda Distt. Rohtak	S.C.	Do
6	Nandan Singh S/o Bache Singh, V. Bhanar P.O. Shama Teh. Bageshwar Distt. Almora (UP)	General	Do
7	Ram Kumar S/o Sher Singh,	Do	Do

	H.No. 135, Sector 10, Chandigarh		
8	Madan Singh S/o Munshi Ram, V. Shyamtoo, P.O. Ratteswali Distt. Ambala	Do	Do
9	Kirpal Singh S/o Budhi Singh V. Mattiyal P.O. Balli Distt. Garhwal	Do	Do
10	Jogi Ram S/o Ram Diya, V. Dumarkhan Kalan, Teh. Narwana (Jind)	Do	Do
11	Daya Ram S/o Puran Chand, V. Virbadalwa, Distt. Karnal	Do	Do
12	Ram Kumar S/o Budh Ram, Vill. Kheriman Singh, Distt. Karnal	B.C.	Do
13	Raj Singh S/o Sh. Mangal Singh, V. Bhaini Amirpur Teh. Hansi Distt. Hisar	Do	Do
14	Sukhdev Singh S/oSh. Ram Kishan, H.No. 2040/2, Ka-Jiwala Mohalla Ambala	Do	Do
15	Pala Ram S/o Ram Diya, Vill. Haat Teh. Saffidon, Distt. Jind	Do	Do
16	Maha Singh S/o Lilu Ram, Vill. Kapro, Teh. Narnaund, Distt.	Do	Do

	Hisar		
17	Mohan Lal S/o Ram lal, Maru Colony, Near Tohana Road, Ward No. 8, Ratia	S.C.	Do
18	Vijay Bahadur S/o Ram Payara, Distt. Faizabad	Do	Do
19	Prem Narayan S/o Ram Payara, VPo. Ding, Distt. Sirsa	Do	Do
20	Krishan W/o Balbir Singh, H.No. 778, Sector 7-B, Chandigarh	S.C.	Do
21	Nanu Ram S/o Sh. Bhagwan Dass, H.No. 147, Chargan Street, Jain Chowk, Bhiwani	B.C.	Do
22	Sube Singh S/o Hukam Singh, V. Bhatrath, Distt. Jind	General	Do
23	Ramphal S/o Banwari Lal, V. Dumerkhan Kalan, Distt. Jind	Do	Do
24	Jiwan Ram S/o Sadu Ram, Ding Mandi Distt. Sirsa	Do	Do
25	Prem Chand S/o Duli Chand, Gharaunda Distt. Karnal	Do	Do
26	Dalip Singh S/o Chander Singh, Tohana Distt. Hisar	Do	Do

27	Jagan Nath S/o Badlu ram, Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
28	Smt. Birmati W/o Late Sh. Lal Ram, V. Kelsara Teh. Palwal, Distt. Faridabad	Do	Do
29	Maha Singh S/o Lachhi Ram, V. Dhanana Teh. Hansi Distt. Hisar	Do	Do
30	Subhash Chander S/o Ram Kishan, V. Rindan, Distt. Sonipat	Do	Do
31	Beer Bahadur S/o Bal Bahadur, Q.No. 10, ITI, Sirsa	Do	Do
32	Rajinder Parkash S/o Mangat Ram, VPO. Jaffarpur Barara Distt. Ambala	Do	Do
33	Surjit Singh S/o Balbir Singh, V. Hamjapur, Teh. Ratia, Distt. Hisar	S.C.	Do
34	Gandhi Ram S/o Khushial V. Kakrod Teh. Hansi, Distt. Hisar	B.C.	Do
35	Bal Krishan S/o Ganpat, V. Badshahpura, Distt. Hisar	General	Do
36	Mani Ram S/o Biru Ram, V. Ugala Teh. & Distt. Ambala	E.S.M.	Do
37	Wazir Chand S/o Lal Chand,	General	Do

	Ward No. 5, Samalkha Distt. Panipat		
38	Om Parkash S/o Banarsi Dass, VPO. Sakra, Teh. Pundri Distt. Kaithal	S.C.	Do
39	Suresh Kumar S/o Puran Chand V. Ishwarpur Kheri Teh. Gohana, Sonipat	General	Do
40	Faquir Chand S/o Mangal Singh, V. Baini Amirpur, Teh. Hansi, Hisar	B.C.	Do
41	Lalan Parshad S/o Ram Naresh V. Lad Pandey Kapura, (Faizabad) (U.P)	General	Do
42	Satbir Singh S/ol Karam Singh, V. Shaman Distt. Rohtak	Do	Do
43	Prem Singh S/o Sh. Hari Ram, VPO. Ladhot, Distt. Rohtak	Do	Do
44	Raghbir Singh S/o Biska Ram, VPO. Nangal Teh. & Distt. Rohtak	B.C.	Do
45	Satbir Singh S/o Chandu Ram, V. Kakroad Teh. Narwana Distt. Jind	S.C.	Do
46	Prem Singh S/o Bahadur Singh,	General	Do

	V. Khairai Masania, Distt. Jind		
47	Balwan Singh S/o Surta Ram, VPO. Bhattukalan, Hisar	Do	Do
48	Hari Ram S/o Gayadin, V. Gusaria, Distt. Sultanpur	Do	Do
49	Ram Kumar S/o Manphool Singh, V. Kapura, Teh. Hansi Distt. Hisar	Do	Do
50	Om Parkash S/o Diwan Chand, v. Saadlana Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
51	Krishan Kumar S/o Rishal Singh, V. Sisni Teh. & Distt. Hisar	B.C.	Do
52	Gian Chand S/o Ishwar Singh, V.Bochti Teh. Jhajjar (Rohtak)	Genera	Do
53	Dharam Pal S/o Siri Chand, V. Panhara Khurd, Teh. Ballabgarh, Distt. Faridabad	Do	Do
54	Balwan Singh S/o Dhoop Singh, V. Rajli Distt. Hisar	Do	Do
55	Hardev Singh S/o Jeet Ram, V. Dablan Teh. Narwana (Jind)	Do	Do
56	Tika Ram S/o Mangal Ram, VPO. Dhand Distt. Kaithal	Do	Do

57	Jarnail Singh S/o Birkha Ram, V. Bakhtuha P.O. Kurali Teh. Naraingarh, Distt. Ambala	S.C.	Do
58	Banarsi Dass S/o Parshad Ram, V. Salarkheri Khundan Kalan (Ambala)	Do	Do
59	Kamal Lal S/o Lal Chand, v. Kalalpur, P.O. Tauru, Teh. Nuh (Gurgaon)	B.C.	Do
60	Jasmer Singh S/o Ram Chander VPO. Ratgal, Distt. Kurukshetra	General	Do
61	Rohtash Kumar S/oTulsi Ram, V. Jagan, Teh. Adampur, Hisar	Do	Do
62	Krishan Kumar S/o Maru Ram, V. Jagan, Teh. Adampur, Hisar	Do	Do
63	Subh Ram S/o Jage Ram, V.Banjara Khurd (Mohindergarh)	Do	Do
64	Ram Avtar S/o Balbir Singh, V. Kalwan (Mohindergarh)	Do	Do
65	Roshan Lal S/o Ganpat Ram V. Janjariwas (Mohindergarh)	Do	Do
66	Sajjan Singh S/o Bhagwan Ram, V. Daryawala, Distt Jind	Do	Do
67	Ganga Parshad S/o Partap Singh,	Do	Do

	V. Likhi Teh. Palwal, Distt. Faridabad		
68	Krishan Lal S/o Dayal Chand, Ram Darbar Colony, Chandigarh	S.C.	Do
69	Prem Singh S/o Ram Singh, V. Bhatoi, Teh. Hansi (Hisar)	General	Do
70	Kapoor Singh S/o Jogi Ram, V.Singhpura Khurd (Rohtak)	Do	Do
71	Harbir Singh S/o Inder Singh, Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
72	Rajinder Singh S/o Chandgi Ram, V.Bahbra Distt. Rohtak	Do	Do
73	Randhir Singh S/o Bal Kishan Singh, V.Balwana Teh. Palwal (Faridabad)	Do	Do
74	Raj Kishore S/o Budh Ram, V. Bhambhori Teh. Sardana Distt. Meerut U.P.	Do	Do
75	Ram Avadh S/o Bhandari, Vill. Didal, Teh. Vansi (U.P.)	Do	Do
76	Parshotam Ram S/oi Hari Ram, V.Bhustala, Teh. Thanesar (Kurukshetra)	Do	Do
77	Telu Ram S/o Sajjan Ram, VPO.	Do	Do

	Jakhal, Distt. Hisar		
78	Sinderpal Singh S/o Jhota Ram, V. Kotli, Distt. Sirsa	B.C.	Do
79	Jhanda Ram S/o Sona Ram, V. Gidrabad P.O. Majdin (Sirsa)	Do	Do
80	Rattan Kumar S/o Partap Singh, V. Kheri Locheb, Distt. Hisar	Do	Do
81	Brij Lal S/o Ulphat, V. Sahar, Teh. Karai (Manipur UP)	Do	Do
82	Paramijit Singh S/o Jhetha Ram, V. Kotli, Distt. Sirsa	Do	Do
83	Ramphal S/o Sh. Sita Ram, Vill. Joshi Panipat	Do	Do
84	Gian Singh S/o Kali Ram, V. Mudri, Distt. Kaithal	Do	Do
85	Rajinder Kumar S/o Ram Kumar, V. Sisaibolan, Teh. Hansi (Hisar)	Do	Do
86	Inder Singh S/o Amar Singh, V. Mangalpur, Teh. Narwana (Jind)	Do	Do
87	Tara Chand S/o Krishan Chand, V. Mujjfabad (Yamuna Nagar)	Do	Do
88	Tilak Parkash S/o Karori Mal, VPO. Seoh, Teh. Sarkaghat	Do	Do

	(Mandi)		
89	Lachhman Dass S/o Sh. Bachna Ram, V. Mujjfabad, Teh. Jagadhri Yamuna Nagar	Do	Do
90	Dharampal Singh S/o Surja Ram, H.No. 6/329, Ashok Nagar, Fatehabad	Do	Do
91	Inder Singh S/o Tokh Ram, V. Dhani Bhojraj, Teh. Tohana (Hisar)	Do	Do
92	Vashudev S/o Tamyash, V. Ismailpur Big. Teh. Amethi (Sultanpur) U.P.	Do	Do
93	Prem Chand S/o Mukenda Lal, V. Dessora, Teh. Chhachhroli, Yamuna Nagar.	Do	Do
94	Varinder Singh S/o Hukam Singh, V. Jattola, Distt. Sonipat	Do	Do
95	Ramesh Chand S/o Matu Ram, VPO. Dhor, Distt. Rohtak	Do	Do
96	Nirmal Singh S/o Jheta Singh, V. Kotli Distt. Sirsa	Do	Do
97	Gurmukh Singh S/o Bir Singh, V. Kheri Man Singh (Karnal)	Do	Do

98	Krishan Kumar S/o Sh. Ram Chander, V. Dhani Khurd, Teh. Hansi (Hisar)	Do	Do
99	Ramesh Singh S/o Hari Krishan, V. Shamgarh, Distt. Karnal	Do	Do
100	Prem Singh S/o Ram Singh, Mandi Adampur, Distt. Hisar	Do	Do
101	Multan Singh S/o Ram Singh, V. Gangatheri Teh. Saffidon (Jind)	Do	Do
102	Davinder Singh S/o Umed Singh, Garhi Balab, Teh. & Distt. Rohtak	Do	Do
103	Nandan Singh S/o Bache Singh, V. Kunhil, Teh. Ranikhet, Almora UP	Do	Do
104	Bhajan Singh S/o Chandi ram, VPO. Sainipur, Rohtak	P.H.	Do
105	Bal Kishan S/o Chandi Ram, VPO. Sainipura, Rohtak	General	Do
106	Mange Ram S/o Munsi Ram, VPO. Musudpur, Teh. Hansi, Distt. Hisar	B.C.	Do
107	Din Dayal S/o Telu Ram, VPO. Shamgarh, Distt. Karnal	General	Do

108	Ram Chand S/o Rishal Singh, V. Shamgarh, Dsitt. Karnal	Do	Do
109	Ramesh Kumar S/o Rai Singh, VPO. Badala, Teh. Hansi, Distt. Hisar	Do	Do
110	Romesh Kumar S/o Sehaj Ram, V. Matouli, Distt. Rohtak	Do	Do
111	Swami Sewak S/o Late Sh. Ram Asra, V. Sonarikalan, Teh. Amethi Distt. Sultanpur UP	Do	Do
112	Shakuntla W/o Late Sh. Dharampat, Teh. & Distt. Rohtak	Do	Do
113	Ramesh Kumar S/o Late Sh. Hukam Chand, V. Sukhpura, Teh. & Distt. Hisar	Do	Do
114	Sukhbir S/o Late Sh. Jogi Ram, V. Dhamaka, Teh. Palwal (Faridabad)	Do	Do
115	Kamla Devi W/o late Sh. Ram Kumar, H.No. 747/15, Street No. 6, Amargarh, Kaithal	Do	Do
116	Kersri Devi W/o Late Sh. Ram Sarup, V. Chandrawal, P.O. Jadoli, Hisar	Do	Do

117	Ram Sarup S/o Late Jee Raj, V. Budh Khera, Teh. Uklana (Hisar)	Do	Do
118	Satyawati w/o Late Sh. Raj pal Kundu, VPO. Titoli, Teh. & Distt. Rohtak	Do	Do
119	Betal Singh S/o Mutar Singh, H.No. 271/6, Panchkula	Do	Do
120	Narain Singh S/o Nate Singh, V. Lath, Teh. Gohana (Rohtak)	Do	Do
121	Rai Rani W/o Late Sh. Sumer Chand, VPO. Kurali, Teh. Naraingarh, Ambala	Do	Do
122	Gurdeep Singh S/o Late Sh. Sarda Ram, H.No. 8511/5, Ravidas Basti, Ambala	Do	Do
123	Ishwar Chander S/o Late Sh. Bhagwana Ram, Ward No. 8, Narwana, Distt. Jind	Do	Do
124	Krishana Kanta W/o Late Sh. Kundan Lal, H.No. 16, Ashok Nagar, (Panipat)	Do	Do
125	Phool Devi W/o Late Sh. O.P. Sangwan, V. Jhora Khurd, Teh. Ch. Dadri (Bhiwani)	Do	Do

126	Krishan Devi W/o Late Sh. Balwan Singh, VPO. Dhanana, Teh. Gohana (Sonipat)	Do	Do
127	Shamsher Singh S/o Late Sh. Sunder Singh, V. Dhalwas, Teh Ch. Dabri, (Bhiwani)	Do	Do
128	Vinod Kumar S/o Late Sh. Raj Kumar, VPO. Thana Chappar (Yamuna Nagar)	Do	Do
129	Surinder Kumar S/o Late Sh. Ram Sarup, V. Matta Garh, P.O. Chilkana, Bus Adda, Distt. Saharanpur (UP)	Do	Do
130	Rajesh Kumar S/o Late Sh. Manohar Lal, 41/3, Molhergang, Indore (UP)	Do	Do
131	Bariesh Kumar S/o Late Sh. Babu Ram, V. Kehna Teh. Dadalpur, (UP)	Do	Do
132	Rajesh Kumar S/o Late Sh. Shiv Kumar, V. Tandwal Distt. Ambala	Do	Do
133	Smt. Kirpa Devi W/o Late Sh. Ramesh Chand, V. Ghilawas P.O. Kahalilpur, Teh. Palwal, Gurgaon	Do	Do
134	Partap Chand s/o Lohari Ram, V.	Do	Do

	Ghorab P.O. Nagrota Distt. Kangra		
135	Brij Kishore S/o Banwari Lal, Vill. Rundhi, Teh. Palwal (Faridabad)	Do	Do
136	Chander Singh S/o Khem Singh, Vill. Chamkola Distt. Almora	Do	Do
137	Heera Lal S/o Baru Ram, VPO. Tikarpur Masani, Teh. Rewari Distt. Mohindergarh	S.C.	Do
138	Ramdhari S/o Chandan, VPO. Bithmara, Teh. Tohana, Distt. Hisar	General	Do
139	Darya Singh S/o Giani Ram, VPO. Asalwas, Distt. Bhiwani	E.S.M.	Do
140	Jagmal Singh S/o Sher Singh, Kheliyas, Teh. Pataudi, Gurgaon	Do	Do
141	Mahabir S/o Asha Ram, VPO. Nanehera, Teh. Panipat	Do	Do
142	Banwari Lal S/o Kunda Ram, Jhuma Kalan, Teh. Siwani (Bhiwani)	ESM	Do
143	Kanta Devi W/o Late Jagdish Singh, VPO. Larsoli Distt.	General	Do

	Sonipat		
144	Guman Singh S/o Kidar Singh, Vill. Deolao P.O. Jaspur Patti, Dhandiyalsyon, Distt. Pouri (Garhwal)	Do	Do
145	Jagat Singh S/o Mandan Singh, H.No. 15, Sector 7-A, Chandigarh	Do	Do
146	Nanda Ballab S/o Amar Singh, VPO. Morni Hill, Teh. Kalka (Ambala)	Do	Do
147	Jamer Singh S/o Gubachan Singh, Sanyal Bhawan, Kalyat (Jind)	Do	Do
148	Ramesh Chand S/o Banarsi Dass, V. Lage Raipur P.O. Badi, Yamunagar	Do	Do
149	Sakal Singh S/o Fateh Singh, 1925/22-B, Chandigarh	Do	Do
150	Mohd. Idirish S/o Yasuf, V. Akera Teh. Nuh (Gurgaon)	Do	Do
151	Ghanshayam S/o Kanshi Ram, VPO. Gulabad (Faridabad)	Gen.	Do
152	Bala Parshad S/o Budha Yadav, Shahabad Markanda Distt.	Do	Do

	Kurukshetra		
153	Amar Singh S/o Mange Ram, VPO. Kohanar Teh. Gohana Distt. Sonipat	ESM	Do
154	Khem Chand S/o Diwan, VPO. Karan, Distt. Kurukshetra	Do	Do
155	Surta Singh S/o Bhai Ram, V. Avali Teh. Gohana (Sonipat)	General	Do
156	Chokaha Ram S/o Mukh Ram, VPO. Ludsar Distt. Sirsa	Do	Do
157	Ranbir Singh S/o Mukhtiar Singh, V. Saffipur, Teh. Jhajjar (Rohtak)	Do	Do

Appointment made in Haryana State Agriculture Marketing Board.

172. Ch. Azmat Khan: Will the Minister for Agriculutre be pleased to state –

(a) whether any recruitment has been made by Haryana State Agricultural Marketing Board during teh period from 1982 to date;

(b) if so, the number thereof together with names and addresses of the persons so recruited?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिंह):

(क) हां।

(ख) इस प्रश्न का उत्तर देने में लगने वाला समय व श्रम उत्तर से मिलने वाले लाभ की तुलना में उतना उपयोगी सिद्ध नहीं होगा।

Payment of the Labourers

161. Sh. Ram Bhajan Aggarwal: Will the Minister for Irrigation be pleased to state –

(a) whether it is fact that the labourers have not been paid the wages for desilting the Sanjarwas Minor, Baund Distributory Sunder Distributory and Kharak Kalan minor in Distt. Bhiwani during the year 1989-90; and

(b) if so the reasons therefor and the time by which the wages to the labourers as referred to in part (a) above are likely to be paid?

सिंचाई मंत्री (चौ. जगदीश नेहरा):

(क) हां जी, यह तथ्य है कि वश 1989.90 के दौरान जिला भिवानी में सांजरवास माईनर, बौंद रजबाहा, सुन्दर रजबाहा तथा खरक कलां माईनर से गाद निकालने के लिए श्रमिकों की मजदूरी नहीं दी गई।

(ख) इन कार्यो पर विवाद है तथा राशि की अदायगी विवाद के निपटान के उपरान्त की जायेगी, जिस पर कार्यवाही की जा रही है।

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

कमेटियों के सदस्यों को नामजद करने के लिए अध्यक्ष महोदय को प्राधिकार देने सम्बन्धी

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affairs Minister (Irrigation Minister) may move the Motion under Rule 121, regarding nomination of various Committees.

Irrigation Minister (Ch. Jagdish Nehra): Sir, I beg to move –

That the provisions of Rules 228, 230, 230B and 260-A, of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so far as they relate to the constitution of the –

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates

(iii) Committee of Public Undertakings; and

(iv) Commttee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

for the year 1994-95 be suspended.

Sir, I also move –

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha; to nomiate the Members of the aforesaid Committees fot eh year 1994-95, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker: Motion moved –

That the provisions of Rules 228, 230, 230B and 260-A, of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so far as they relate to the constitution of the –

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates

(iii) Committee of Public Undertakings; and

(iv) Commttee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

for the year 1994-95 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha; to nomiate the Members of the aforesaid Committees fot eh year 1994-95, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

Mr. Speaker: Question is –

That the provisions of Rules 228, 230, 230B and 260-A, of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in so far as they relate to the constitution of the –

(i) Committee on Public Accounts;

(ii) Committee on Estimates

(iii) Committee of Public Undertakings; and

(iv) Commttee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

for the year 1994-95 be suspended.

That this House authorises the Speaker, Haryana Vidhan Sabha; to nomiate the Members of the aforesaid Committees fot eh year 1994-95, keeping in view the proportionate strength of various parties/groups in the House.

The motion was carried.

स्थगन प्रस्ताव

प्रो. सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी के सीी तेरह एम.एल.एज. ने और मैंने एक एडजर्नमैंट मोशन दी हैं जो इस संबंध में है कि हरियणा का बजट 7 तारीख को पेश होना है लेकिन वह उससे पहे ही लीक–आउट हो गया है। अध्यक्ष महोदय, पहले जो चीफ सैक्रेटरी थे और आजकल बिजली बोर्ड के चेयरमैन हैं, ने प्रैस को स्टेटमैंट दी है कि बिजली बोर्ड ने जो बिल कारपोरेशन/डिपार्टमैंट की तरह बकाया है, उनकी रिकवरी के लिए बजट में 425 करोड़ रूपए के प्रावधान के लिए सरकार को कहा था और सरकार ने उनकी बात मान ली है और उसको बजट में रख लिया है। अध्यक्ष महोदय, चाहे खर्च हो या कुछ और हो, अगर वह बजट पेश होने से पहले ही लीक हो जाता है तो वह बजट मीनिंग–लैस हो जाता है। मैं तो यह कहता हूं कि इस बजट को पास करवाने की क्या जरूरत है जो पहले ही लीक हो जाए? अध्यक्ष महोदय, इस बात को मददे नजर रखते हुए बाकी सब काम छोड़ कर इस पर डिस्कशन होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इससे सारे लोगों में यह बात चली जाएगी कि गवर्नमैंट हर बात की

लीक कर रही है। उनके ब्यान देने का मतलब तो यह है कि बजट की जो और भी बातें है, वे दूसरे लोगों को, जो इनके थिक एंड थिन हैं, को जा चुकी होंगी। स्पीकर सर, इससे सीरियस और क्या बात हो सकती है? हरियाणा प्रदेश के लोगों के साथ मांगे राम गुप्ता जी के साथ और सभी लोगौं के साथ यह कितनी गलत बात होगी। इसलिए मेरा यह कहना है कि आज हाऊस की सारी कार्यवाही को रोककर इस पर डिसकशन करायी जाए। सरकार बताए कि बात क्या है? आदरवाईज लोग अपने पदों का अनुचित फायदा उठाते रहेंगे। स्पीकर सर, जो कुछ हुआ है यह अनट्रैडीशनल है और उनऐथीकल है यह बहुत सीरियस बात है। इसलिए मैं कहता हूं कि सरकार को इस पर डिसकशन करवानी चाहिए।

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बहुत काबिल समझता था। मैं समझता था कि यह समझदारी की बात करेंगे। इसको आप बजट की लीक कहते हैं तो फिर आपको प्रोफसर कौन कहेगा? अध्यक्ष महोदय, वार्शिक योजना बनती है। वार्शिक योजना में हर डिपार्टमैंट को पता होता है कि हमारा बजट कितना है। अगर बिजली बोर्ड यह कह दे कि उसका इस साल का बजट इतना है तो क्या वह बजट लीकेज की बात होगी? अध्यक्ष महोदय, बजट लीकेज तो उसको कहते हैं कि कोई टैक्स लगाने की बात हो, कोइ राहत देने की बात हो जिससे किसी इंडीविजुअल आदमी को फायदा होता हो। अगर ऐसा कुछ लीकेज

होता, तब तो यह प्रिविलेज मोशन ला सकते थे। इसमें क्या लीकेज है, इससे सिी को क्या लाभ मिलने वाला है? अध्यक्ष महोदय, बात कुछ भी नहीं है। इन्होंने तो बेमतलब में हाऊस का टाईम खराब करने के लिए यह स्थगन मोशन आपको लिखकर दिया है। इसमें कुछ नहीं है इसलिए आप इसको रिजैक्ट कर दें।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर सर, केवल टैक्स की ही बात नहीं है। बजट में केवल टैक्सिज के ही पेजिज नहीं होते। बजट तो कई पेजिज को होगा। जब मांगे राम गुप्ता जी बजट पेश करेंगे तब आप देखना कि बजट काफी पेजिज का होगा। अगर उसका एक सेटैन्स भी लीक होता है तो यह बहुत सीरियस बात होती है। स्पीकर सर, हर महकमे का अपना बजट होता है। कैटेगरीकली उन्होंने यह कहा है – ''मैंने सरकार को कहा कि आप बजट में इतना प्रावधान करें और उन्होंने बजट में प्रावधान कर दिया'', तो स्पीकर सर, फिर बजट कया होगा? केवल टैक्स की बात नहीं है। चाहे कोई भी चीज हो। स्पीकर सर, केवल टैक्स का पैरा ही क्या बजट में होता है और बाकी पैरे वैसे ही बजट में होते हैं। इसलिए जो मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि आपको प्रोफेसर कौन कहेगा तो मैं इनसे कहना चाहता हूं मैंने इनसे डिग्री नहीं ली है। आपकी डिग्रीयां मेरी डिग्री से ऊंची होगी। मेरी कोई लम्बी–चौड़ी डिग्री नहीं है। मैं छोटा सा वर्कर हूं। लेकिन यह बात सही है कि जो बजट वाले लीकेज की बात उन्होंने कही है, वह अवश्य बजट लीकेज है। आप इस पर डिसकशन करा दें। सब

लोग अपने अपने व्यूज इस पर देंगे कि यह लीकेज है या नहीं। स्पीकर सर, अखबारों में छपा है तो क्या यह गलत छपा है? अगर यह गलत छपा है तो ये अखबार वालों के खिलाफ प्रिविलेज मोशन लेकर आएं। स्पीकर सर, या तो आपको इस पर डिसकशन करानी चाहिए या फिर इनको अखबार वालों के खिलाफ प्रिविलेज मोशन लेकर आना चाहिए। सर, यह तो लीकेज है इसलिए हाऊस को इस पर डिसकशन करनी चाहिए।

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): स्पीकर साहब, आपकी इजाजत से मैं इस बात को कलीयर कर देता हूं। प्रो. सम्पत सिंह ने आब्जैक्शन कर दिया कि बजट लीकेज हो गया। मैं आदरणीय विधायक को यह बताना चाहता हूं कि लीकेज बजट तब होता है यदि बजट सील कर दिया जाए। अभी तो हमने बजट को फाईनल टन भी नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, जो हमारा प्लानिंग बजट है, जितने रिसोर्सिज हमारे पास हैं, उनको हर डिपार्टमैंट से डिसकस करते हैं, डिस्ट्रीब्यूशन के लिए डिसकस करते हैं। हर डिपार्टमैंट से डिसकस किया है कि आपकी जरूरत के मुताबिक कितना पैसा दे सकते हैं। अभी बजट को हमने फाईनल टच नहीं दिया है। डिसकस हो गया है, उस बिहाफ पर मैनशन कर दिया है।

चौ. ओम प्रकाश चौटाला: स्पीकर सर, सवाल इस बात का है कि हरियाणा सरकार का एक उच्च पद पर आसीन अधिकारी, जो चीफ सैक्रेटरी के पद पर रहा हो और दुर्भाग्य से

आज जो इलैक्ट्रीसिटी बोर्ड का चेयरमैन है, उससे अपने अधिकार की या यूं मानकर चलिए कि अनाधिकार की चेश्टा की है और इस बात को लेकर के अपने उस मौजूदा विभाग के अधिकारियों को आश्वासन देकर बिजली के इस संकट को दूर करने के लिए कोई और योजना बनाने की बजाए झांसा देने का प्रयास किया है। कया यह सरकारी काम का, जो सरकार तक सीमित रहना चाहिए, जो सरकारी पदों से बाहर न जाना चाहिए ..... (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, क्या हम आपसे यह उम्मीद करेंगे कि हरियाणा सरकार के अधिकारी इस प्रकार की सरकारी लीकेज लोगों तक पहुंचाएं?

प्रो. राम बिलास शर्मा: स्पीकर सर, मैंने आपकी सेवा में एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: सम्पत सिंह जी, आप बैठिए।

सिंचाई मंत्री (चौ. जगदीश नेहरा): स्पीकर सर, यह तो इन्होंने एडजर्नमैंट मोशन दिया है और कहा है कि सारी कार्यवाही रोककर, क्योंकि यह पब्लिक इम्पोर्टेंस की बात है, इस पर डिसकस की जाए। स्पीकर सर, अखबारों के माध्यम से यह बात कही गई है जिसका बजट से कोई संबंध नहीं है। स्पीकर सर, इस ढंग से न्यूज पेपर की खबर की अथोरटीकेशन नहीं हो सकती। इस बारे में 'प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर आफ दि पार्लियामैंट' में कलीयर हैल्ड किया हुआ है कि न्यूज पेपर की बिना पर एडजर्नमैंट मोशन नहीं हो सकती। मैं आपको पढ़कर सुना देता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: नेहरा साहब, आप बैठ जाइए।

प्रो. सम्पत सिंह: स्टेटमैंट की कापी दे दूं I have documentary proof (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: सम्पत सिंह जी, आप बैठ जाइए। नेहरा साहब, आप भी बैठिए।

चौ. ओम प्रकाश चौटाला: स्पीकर सर, इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड की ओर से प्रैस नोट जारी किया गया है, यह केवल अखबार पर आधारित खबर नहीं है, महकमें की तरफ से प्रैस नोट इश्यू हुआ है।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received an adjournment motion from Sarvshri Om Parkash Chautala, Sampat Singh, Dhir Pal Singh, Satbir Singh Kadian, Bharath Singh, Krishan Lal, Mohan Lal Pippal, Mani Ram Rupawas, Ramesh Kumar, Jaswinder Singh, Balwant Singh, Daiyao Singh, Zile Singh and Amar Singh Dhanday, M.L.As regarding the leakage of Budget Estimates for the year 1994-95.

Hon'be Members, I disallow the above adjourment motion on the folloiwing grounds:-

(i) The press report unless admitted by the Government, cannot be accepted as authoritative for the purpose of an adjournment motion. The Government in this respect has clarified the factual position.

(ii) It has been held that an adjournment motion on a matter which can be raised during the debate on the motion of thanks on the Governor's Address, Budget Discussion etc. etc. to be held in teh same Session is not in order.

प्रो. सम्पत सिंह: सर हम आपसे रिक्वैस्ट करते हैं कि आप अपने फैसले को रिव्यू कर लें।

चौ. भजन लाल: आपने तो वाक–आउट करना है। (व्यवधान)

प्रो. सम्पत सिंह: वह तो हमारा डैमोक्रेटिक राईट है, हम आपसे पूछ कर नहीं करेंगे। इस बारे में अखबारों में स्टेटमैंट आयी है और उन्होंने नाम लिया है।

चौ. भजन लाल: जब स्पीकर साहब की रूलिंग आ गयी, उसके बाद तो आप इस पर न बोलें।

प्रो. सम्पत सिंह: हम तो स्पीकर साहब से रिक्वैस्ट कर रहे हैं कि उन्होंने जो फैसला किया है, उसको रिव्यू कर लें।

चौ. जगदीश नेहरा: स्पीकर साहब, रिव्यू करने का तो कोई सिस्टम ही नहीं है।

श्री धीरपाल सिंह: नेहरा जी, आप किस अधिकारी से बोल रहे हैं? (व्यवधान)

श्री सतबीर सिंह कादयान: स्पीकर साहब, आप इस फैसले को रिव्यू कर लीजिये।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, क्या आप इस फैसले को रिव्यू कर रहे हो?

चौ. जगदीश नेहरा: रिव्यू का क्या मतलब है। (विघ्न व शोर) ....

श्री धीरपाल सिंह: स्पीकर साहब, यह तो चेयर को भी चैलेज कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: नेहरा जी, हमने कौन सा इनकी बात को मान लिया है।

Prof. Sampat Singh: Sir, he is nobody to dictate you.

Mr. Speaker: Neither he nor you.

Prof. Sampat Singh: Sir, We are making a humble submission to you to review your decision. (Noise & Interruptions)

Mr. Speaker: I am not going to oblige you.

Prof. Sampat Singh: Sir, as a protest, we walk out.

(At this stage al the Janata Party members present in the House staged a walk out.)

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

प्रो. राम बिलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैंने एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव आपकी सेवा में दिया है। पिछले 6 महीने से हरियाणा में बिजली की हालत काफी खराब रही है। किसानों के दो–दो सौ रूपये का बढ़ा कर बिल आ गया है। यह चौथी बार बिजली के दाम बढ़ाये गये हैं। मैंने आपको नोटिस दिया है ताकि इस बारे में सरकार जवाब दे।

श्री अध्यक्ष: आपका नोटिस आज 10 बजकर 27 मिनट पर आया है। यह अभी अंडर कंसीड्रेशन है।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मेरे दो ध्यानाकर्शण प्रस्ताव है। मेरे पास अभी तक उनकी कापी नहीं आयी है जो आनी चाहिये थी। एक प्रस्ताव तो नैशनल हाई–वे के ऊपर था और दूसरा जोहड़ों के बारे में था।

श्री अध्यक्ष: आपके नोटिस 8.55 पर आज आये हैं। ये अभी अंडर कंसीड्रेशन हैं।

डा. राम प्रकाश: स्पीकर सर, मैंने भी एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिया है। शिडयूल्ड कास्टस, शिडयूल्ड ट्राईब्ज और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को नौकरियों में, नियुक्तियों में और सीनयोरिटी के लिये एक रोस्टर बना हुआ है। रोस्टर प्वायंट पर वरीयता देने के मामले में हाई–कोर्ट ने एक आर्डर दिया है .....

श्री अध्यक्ष: यह अंडर कंसीड्रेशन है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discussion on Governor's Address will take place. Sh. Hari Singh Nalwa, M.L.A. may move his motion.

Sh. Hari Singh Nalwa (Sambhalkha): Sir, I beg to move –

That an Address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 28th February, 1994".

अध्यक्ष महोदय, आदरणीय राज्यपाल महोदय ने जो कल हाउस में अपना अभिभाशण देकर सरकार की नीति, जो इस प्रान्त के लोगों की बहबूदी के लिए, विकास के प्रति और हर शोबे में और हर सैक्टर में, का वर्णन यिका है उसके लिए मैं गवर्नन साहब का स्वागत करता हूं और सरकार की पुरजोर शब्दों में प्रशंसा करता हूं। स्पीकर साहब, मैंने पहली बार देखा है कि हरियाणा प्रान्त की सरकार की नीयत और नीति, दोनों को इतने सुन्दर शब्दों में ऐड्रैस में दर्शाया गया है और मुझे पूरी आशा है कि इस साल के दौरान सरकार इस नीति को इस प्रान्त के विकास से संबंधित कार्यों के लिए पूरी तरह से लागू करेगी और जब ये सारी नीतियां पूरी हो जाएंगी तो हरियाणा प्रान्त के अन्दर एक

खुशहाली आ जाएगी। चाहे वह ऐग्रीकलचर सैक्टर हो, चाहे वह इंडस्ट्रियल सैक्टर हो, चाहे वह बेरोजगारी की समस्या हो, और इसको खत्म करने का मसला हो और चाहे वह बैकवर्ड क्लासिज और हरिजन भाइयों को गरीबी की रेखा से ऊपर उठाने का सवाल हो, ये सब समस्याएं हल हो जाएंगी। हरियाणा सरकार की नीतियों से जब ये मसले हल हो जाएंगे तो हरियाणा की इज्जत को चार चांद लग जाएंगे और हरियाणा की जनता बड़ी खुशहल हो जाएगी। सरकार की सारी नीति गवर्नर ऐड्रैस में दर्शाई गई है। स्पीकर साहब, सरकार की जो नीतियां इस गवर्नर ऐड्रेस में दर्शाई गई हैं उनमें से मैं सबसे पहले पेज बीस को लेता हूं। इस पर एक ऐसी स्कीम का जिक्र किया गया है जिससे कि हरियाणा का चहुंमुखी विकास होगा। वह स्कीम है यमुनानगर और दिल्ली के बीच एक नया ''एक्सप्रेस हाईवे''। यह एक्सप्रेस हाईवे दिल्ली से लेकर यमुनानगर तक बनेगा और इस पर तीन अरब और तीस करोड़ रूपया लागत आएगी। स्पीकर साहब, इस स्कीम के पूरा होने से, इस विकास के कार्य के पूरा होने से हरियाणा प्रान्त की जनता ही नहीं, बल्कि सारे देश की जनता इस स्कीम को ऐप्रीशिएट करेगी। इस स्कीम से केवल हरियाणा की जनता प्रसन्न नहीं होगी बल्कि दिल्ली से यमुनानगर तक की इस स्कीम से जिसका नाम ऐक्सप्रेस नेशनल हाई वे है, सारे देश की जनता प्रसन्न होगी। स्पीकर साहब, शेर शाह रोड से लेकर ऐक्सप्रेस नेशनल हाईवे को जो यह टोटा है यह हिन्दुस्तान का मानचेस्टर के नाम से जाना जाएगा। स्पीकर साहब, हिन्दुस्तान में हरियाणा

ही एक ऐसी स्टेट है जहां पर ला एंड आर्डर सबसे अच्छा है। अगर हम हिन्दुस्तान की सारी स्टेटस पर नजर दौडाएं तो पता लगा है कि हरियाणा के लोगों में सबसे ज्यादा शान्ति और सन्तुश्टि है। यही एक ऐसी स्टेट है जहां सब से ज्यादा अमन है। जहां पर अमन होता है वहां पर उन्नति अपने आप होती है। क्योंकि जिस स्टेट में अमन नहीं होगा वहां की सरकार उस प्रदेश में अमन और शान्ति कायम करने में ही लगी रहेगी और दूसरी चीजों की तरह उसका ध्यान नहीं जाएगा और उस प्रदेश की जनता अपनी जान और माल को बचाने में लगी रहेगी। स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार इस प्रदेश में अमन कायम करने में कामयाब रही है और यहीं कारण है कि सरकार अपनी प्रगतिशील नीतियों पर अमल करने में सफल रही है। स्पीकर साहब, इसी जी. टी. रोड पर जान और माल का बहुत ही नुक्सान होता रहा है। यहां पर बहुत अधिक ऐक्सीडेंटस होते रहे हैं। इस नैशनल हाई–वे बनने से लोगों की जान और माल की सेफ्टी होगी। ऐक्सीडैन्ट कम होंगे और लोगों की पहले इस नैशनल हाई वे पर भीड़ होने के आने जाने में जो समय लगता था, उसमें काफी बचत होगी। आज साइंटीफिक जमाना है, दुनिया बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही है, तरक्की कर रही है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अपने कर्त्तव्य को निभाते हुए यह जो कदम उठाया है, वह बड़ा ही प्रशंसनीय है। इसके लिये मैं अपनी सरकार को बधाई देता हूं। इसके साथ–साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि सरकार ने और बहुत से जो विकास के कार्य किये हैं और

आगे करने जा रही है, उससे किसानों को काफी राहत मिली है। पहले जब किसान अपने फसलें बोता था तो फ्लड अपने के कारण उनकी फसलें नश्ट हो जाती थीं लेकिन अपनी इस सरकार की सही नीतियों के कारण, सरकार की बढ़िया नीतियां बनने के कारण, किसान आज अपनी उपज बड़ी खुशी से, बिना किसी डर भय के पैदा कर रहा है और उसी कारण से पूरी तरह से खुशहाल है। पहले फ्लड आने के कारण जो किसानों की हजारों एकड़ भूमि नश्ट हो जाती थी, उससे किसनों को आज राहत मिल रही है। सरकार की ऐसी नीतियों के कारण आज किसान की अपनी मेहनत का पूरा पैसा मिल रहा है। मेहनतकश इंसान जो भूमि पर काम करता है, उसको अपने पूरे वेजिज मिल रहे हैं, वह बहुत खुश है। सरकार ने गरीबी की रेखा के नीचे रहने वाले हर मजदूर को, किसान को पूरी सहूलियतें प्रदान की हैं। सरकार की इन नीतियों के कारण आज बैकवर्ड क्लास के लोगों को, गरीब लोगों को काम भी मिलेगा। इससे हरियाणा प्रानत की आमदनी में इजाफा होगा।

अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा की तरक्की की तरह सारी दुनिया की आखें लगी हुई हैं। दूसरे प्रान्त भी हरियाणा की ओर देख रहे हैं कि हरियाणा हर क्षेत्र में कैसे तरक्की कर रहा है? सरकार ही की इन सफल नीतियों के कारण अपज हरियाणा चहुंमुखी तरक्की कर रहा है।

11.00 बजे

अध्यक्ष महोदय, सारी दुनिया के लोग आज भारत के अन्दर अपनी इंडस्ट्रीज लगाने के इच्छुक हैं जिसमें हमारा हरियाणा प्रान्त भी है। हमारी हरियाणा सरकार ने बाहर के लोगौं को अपने प्रान्त में इंडस्ट्रीज स्थापित करने के लिये बहुत सारी सहूलियातें देने के लिए प्रावधान किया है और लोग फटाफट इंडस्ट्रीज लगा भी रहे हैं। इससे हमारे हरियाणा प्रदेश में बेरोजगारी समाप्त होगी, लोग खुशहाल होंगे। इसके लिये तो मैं अपनी सरकार का धन्यवाद करता हूं। खास तौर से अपने मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करता हूं और उसके दिमाग को दाद देता हूं कि इन्होंने अपने दिमाग से इस तरह की बहुत सारी स्कीमें बनाई हैं जिसके कारण आज सारे हरियाणा प्रदेश का विकास हो रहा है। यह सब कुछ अच्छे नेात की नीयत पर निर्भर करता है। नेता की नीयत को और नीति को ही लेकर चहुंमुखी विकास होता है जिसका प्रमाण आज हमारे हरियाणा के अन्दर है। यह सब कुछ आज लोगों द्वारा हरियाणा के अन्दर एक टिकाऊ कांग्रेस सरकार बनाने का ही फल है। गवर्नर एड्रैस में देखने को केवल एक दो शब्द ही इस बारे में कहे गये हैं लेकिन उन एक दो शब्दों का बहुत महत्व है। अगर उन शब्दों के महत्व को समझा जाए तो पता चलेगा जिसका अनुसरण आज हमारी सरकार ने किया है जिसके कारण से हरियाणा में चहुंमुखी तरक्की हो रही है। खेतीहार को खेती करने के लिए जमीन पैदा करेंगे। इस प्रकार से कितनी चहुंमुखी चीजें उपलब्ध होगी, एक ही प्रोग्राम करने से। इसके लिए मैं सरकार की पूरी प्रशंसा करते हूं खास तौर पर चौ. भजन लाल जी की,

जिनके दिमाग ने यह स्कीम बनाई। मैं तो यह भी सुझाव दूंगा कि जैसे हमारे नेशनल हाई वे नं. 1 का नाम शेर शाह सूरी मार्ग है, उसी तरह से इसका नाम भजन लाल हाई वे रखा जाए क्योंकि हरियाणा की प्रगति के ये प्रतीक हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैं इनसे जानना चाहता हूं कि इनके राज में क्या काम हुए। अभी सवालों के समय में प्रोफैसर साहब पूछ रहे थे कि टयूबवैल के कितने कनैक्शन दिए गए। इस गवर्नर एड्रैस के अन्दर किसानों को बिजली और पानी देने के लिए सरकार की नीति के बारे में बताया गया है और मैं उसकी प्रशंसा किए बगैर नहीं रह सकता। इनके राज में चार सालों में बिजली जनरेट करने का कोई प्रोग्राम नहीं हुआ। इन्होंने कोई भी पावर हाऊस नहीं लगाया लेकिन इस सरकार ने इस एड्रैस के जरिए बताया है कि कितने सब स्टेशन बना दिए हैं और कितने सरकार बिजली पैदा करने के लिए और बनाने जा रही है। हरियाणा की इकोनोमी को बूस्ट करने के लिए ओर बेरोजगारी को खत्म करने के लिए बिजली पैदा करना अति आवश्यक है। हमारी सरकार और हमाने नेता इस विशय में बहुत जागरूक हैं।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आर्डर है कि वह स्टेशन बिजली जनरेट नहीं करते बल्कि बिजली को डिस्ट्रीब्यूट करते हैं। (विघ्न)

श्री हरि सिंह नलवा: स्पीकर साहब, इतना तो मैं भी समझता हूं कि सब स्टेशन बिजली डिस्ट्रीब्यूट करने के लिए होते

हैं। अभी जैसे मंत्री जी बता रहे थे कि लाइने पुरानी हो गई और उनको रिन्यू करना पड़ेगा तो इसलिए सब स्टेशन बनाना भी बहुत जरूरी है। अगर सब स्टेशन बनेंगे तभी किसानों को बिजली बंटेगी। अगर सब स्टेशन नहीं होंगे तो बिजली कहां से जाएगी। मैं पहली बार देख रहा हूं कि चार पावर हाउस बिजली पैदा करने के लिए बनाने का प्रावधान है। इनमें से किसी पर काम चल रहा है और किसी पर काम शुरू होने वाला है। (विघ्न) आप जानते हैं कि हिसार के अन्दर एक हजार मैगावाट का जनरेटिंग प्लांट लगने जा रहा है। इसी प्रकार से फरीदाबाद के अन्दर चार सौ मैगावाट का जनरेटिंग प्लांट लगने जा रहा है। पानीपत के अन्दर 210 मैगावाट के छठे यूनिट का निर्माण चल रहा है। इसी प्रकार से यमुना नगर के अन्दर 840 मैगावाट का पावर हाउस बनने जा रहा है। इसलिए यह सरकार हर प्रकार से प्रशंसा ही हकदार है। हमने इस एड्रैस में पहली बार देखा है कि बिजली की डिमांड को ध्यान में रखते हुए और किसानों की डिमांड को ध्यान में रखते हुए चार पावर हाउस बनने जा रहे हैं। (विघ्न) जब ये चालू हो जाएंगे तो हरियाणा के अन्दर इधर से एप्लीकेशन आएगी और उधर से कनैक्शन मिल जाएगा। जब बिजली की जनरेशन ही नहीं होगी तो कनैक्शन कैसे मिलेगा।

श्री अध्यक्ष: सम्पत सिंह जी अभी आप पावर हाउस की बात कह रहे थे, वह शब्द भी ठीक है इसमें क्या गलती है?

श्री हरि सिंह नलवा: स्पीकर साहब, मैं अपने भाई सम्पत सिंह जी और धीरपाल जी से जानना चाहता हूं कि क्या पावर हाउस में कबड्डी खेली जाती है? पावर हाउस में तो बिजली ही होगी। आपने तो किसानों की बिजली ही नहीं दी। आप सभी जानते हैं कि आप की सरकार हरियाणा प्रान्त की जनता को रोजगार देने के लिए और उनकी तकलीफों को दूर करने के लिए कितनी लग्नशील है। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मेरे सामने बैठे विरोधी पक्ष के भाईयों से जानना चाहता हूं कि आपने अपने चार साल के समय में क्या कहीं र कोई टैक्नीकल कालेज बनाया, क्या कहीं पर कोई पोलिटैक्नीक कालेज खोला और क्या कहीं पर कोई मैडीकल कालेज खोला? अगर आप लोगों ने हरियाणा प्रान्त में कोई विकास का कार्य किया हो तो मुझे बताएं। आपने अपने समय में यह काम जरूर किया था कि जो बसें चल रही थीं, उनको जला दिया और इसके अलावा मण्डल–वण्डल को ले करके सारे देश को आग के खड्डे में झोंक दिया। स्पीकर साहब, आज सभी लोग देख रहे हैं, कि आज की सरकार ने बैकवर्ड क्लास के लिए नौकरियों में लोगों को 27 परसैंट रिजर्वेशन लागू कर दी है। इसके अलावा ऊंची जातियों में जो लोग गरीब हैं जो गरीबी रेखा के नीचे रहते हैं उनको नौकरियों में 10 परसैंट रिजर्वेशन देने का प्रावधान है। वह भी सरकार जल्दी ही करने जा रही है। स्पीकर साहब, अच्छी पार्टी के अच्छे नेता जिनकी देश के प्रति अच्छी सदभावना होती है, ऐसे विकास के कार्य करना उनका काम है। मैं मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों से कहना चाहूंगा कि आप तो एक

प्रान्तीय पार्टी लेकर सारे देश को कंट्रोल करना चाहते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए सम्भव नहीं हो सकता इसलिए आपको सोच समझ कर चलना चाहिए। आप पढ़े लिखे लोग हैं। आपको सोच समझकर काम करना चाहिए। आप लोग सत्ता की तरफ भागते हैं। हरियाणा प्रान्त की जनता ने आपको दो बार सत्ता दी है। एक बात आप को 1981 में सत्ता दी और उस समय आपको जनता ने 77 सीटें दी लेकिन आप अढ़ाई साल भी राज नहीं कर सके। दूसरी बार आपको 90 में से 85 सीटें दी और आपने लड़ झगड़ कर चाल साल बड़ी मुश्किल से निकाले। आपको जनता ने देश के विकास के लिए सत्ता दी थी लेकिन आप राज नहीं चला सके। राज चलाने की बजाये आपने जनता के सामने एक बहुत बड़ा खतरा खड़ा कर दिया।

इसलिए मेरा आपसे एक सुझाव है कि आप एक अच्छे नेता होने के नाते यदि अच्छा बनना चाहते हैं तो जनता के लिए अच्छे–अच्छे काम करें, लोगों को बहका करके इस देश को खड्डे में ले जाने की कोशिश न करें। आपसे यही मेरा निवेदन है ओर मुझे पूरी आशा है कि आप इस पर जरूर अमल करेंगे। स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने इस साल के अन्दर 800 करोड़ रूपए की लागत से इरीगेशन का जो प्रोग्राम बनाया है वह एक बहुत ही अच्छा काम है। इस वक्त नहरों के अन्दर खेती–बाड़ी के लिए जो पानी आता है उसके अन्दर वृद्धि हुई है। हमने देखा है कि हरियाणा के अन्दर पानी काफी है अगर वह पानी सुचारू रूप से

किसानों के खेतों तक पहुंचा दिया जाए तो उससे पैदावार बढ़ सकती है। कच्ची नहरें होने के कारण काफी सीपेज होती है अगर नहरों को पक्का कर दिया जाए, चैनल्ज को ठीक कर दिया जाए और स्प्रिंक्लर सिस्टम से सिंचाई की सुविधाएं किसानों को ज्यादा दे दी जाएं तो सारे देश में हरियाणा प्रान्त एक ऐसा प्रान्त होगा जो अकेला अनाज की ज्यादा से ज्यादा पैदावार करके सारे देश का गुजारा कर सकता है। इसके लिए 800 करोड़ रूपये की लागत से हरियाणा प्रान्त ने वर्ल्ड बैंक की सहायता से यह प्रोग्राम बनाया है। इससे नहरें पक्की की जाएंगी और खेतों तक पानी पहुंचाने का पूरा प्रबन्ध किया जाएगां सबको पता है कि आज वाटर लेवल काफी नीचे चला गया है। पीने के पानी की भी काफी समस्या हो गई है। पानी नीचे जाने की वजह से किसानों को अपने टयूबवैल्ज लगाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। अब ये 800 करोड़ रूपये वर्ल्ड बैंक से मिलने शुरू हो जाएंगे तो यह पानी की समस्या मैं समझता हूं कि हरियाणा प्रान्त में फिर नहीं रहेगी। यहां पर पानी नीचे चला गया है वहां पर सरकार कोशिश कर रही है कि कच्ची नहरें बनाकर पीन को री–चार्ज किया जाये ताकि वाटर लेवल ऊपर आ सके। इससे किसानों को खेती के लिए पानी मिल सकेगां यह सरकार की बहुत अच्छी प्रोग्रेसिव स्कीम है। इसके लिए सरकार हर तरह से मुबारकबाद की हकदार है।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से सरकार ने और भी कई नई–नई स्कीमें विभागों के लिए बनाई हैं। सरकार की योजना है कि आठवीं योजना समाप्त होने तक एक परिवार से एक व्यक्ति को रोजगार दिया जाएगा और इस प्रकार तकरीबन 5 लाख लोगों को रोजगार मिल सकेगा। यह कोई छोटी–मोटी स्कीम नहीं है। इस प्रकार की स्कीमें बनाकर सरकार लोगों के दुःखदर्द को समझती है और उनकी सुविधा के लिए अधिक से अधिक प्रयत्नशील है। इसके लिए भी मैं सरकार की मुबारकबाद देता हूं।

अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय के इस अभिभाशण में साफ लिखा है कि यह सरकार शिक्षा की तरह विशेश ध्यान दे रही है। आज की सरकार ने शिक्षा का एक बहुत बड़ा ढांचा खड़ा कर दिया है। आज से 6 साल पहले यानी जब आपकी सरकार थी तो उस समय बच्चों को नकल करवाने की प्रथा डलवा दी। यहां तक कि बच्चों को पेपरो के दौरान चाकू चलाना सिखा दिया। यह कोई अच्छी बात नहीं होती। हमारी मौजूदा सरकार ने इस तरफ विशेश ध्यान देकर सख्ती के कदम उठा कर रकल करने की प्रथा को खत्म किया है। हमारी सरकार ने शिक्षा के मामले में बहुत अधिक काम किया है। इस अभिभाशण में बताया गया है कि सरकार अगले साल 500 नए प्राईमरी स्कूल लड़कियों के लिए खोलने जा रही है। यह कोई छोटी–मोटी बात नहीं है। आपके सम में मेरे हल्के में कोई स्कूल अपग्रेड नहीं हुए जबकि अब इस सरकार के आने से इस साल मेरे हल्के में तीन स्कूल अपग्रेड हुए

हैं। (विघ्न) आप लोग जात–पात की राजनीति करते हैं। लोगों को भड़काते हैं। जात–पात का नारा देकर और लोगों को भड़काकर देश नहीं चलता। देश चलता है लोगों को साथ लेकर। यदि आप ने सत्ता में आना है तो लोंगों को भड़काना बन्द करके उनको साथ लेकर चलना सीखों तब कही जाकर आप लोग सत्ता में आ सकोगे। देश नारों से नहीं चलता बल्कि नीतियों से चलात है। लोगों को जोड़ना सीखो, तोड़ना नहीं। हिस्ट्री इस बात की गवाह है कि जिसने भी लोगों को मजहब के आधार पर या धर्म के आधर पर तोड़ा वह ज्यादा दिन तक कामयाब नहीं हो पाया। लोगों को एक साथ लेकर इस भारत को आजाद करवाया गया है। इसको आप तोड़ने का काम न करें तो अच्छा है, लोगों को साथ लेकर चलना सीखो। इस आजाद भारत में सब तरह के धर्म के मानने वाले लोग हैं ओर इस प्रान्त में भी हर धर्म में विश्वात व्यक्ति करने वलो लोग रहते हैं। यहां पर हरेक व्यक्ति को बराबर का हक है। इसलिए आप लोगों से प्रार्थना है कि आप जात–पात का नारा लगाकर लोगों को मत भड़काओं। जात–पात का ढांचा तो इंसान का खड़ा किया हुआ है। आप चौधराहट का खेल न खेलें। आप लोगों को सेवा करना सीखें। यदि इसी प्रकार से आप जात–पात का नारा देते रहेंगे तो यह देश बर्बाद हो जाएगा। यह नारा आपका कुछ समय के लिए तो चल सकता है लेकिन हमेशा के लिए नहीं चल सकता। यदि आपने सत्ता हासिल करनी है तो लोगों के दिल जीत कर सत्ता ग्रहण करो, न कि भड़का कर।

स्पीकर साहब, इसलिए मैं अर्ज करना चाहता हूं कि शिक्षा के अन्दर इस सरकार ने मौरल तथा ऐथिक शिक्षा बच्चों को देने का जो कार्यक्रम इण्ट्रोडयूज करने का फैसला किया है, वह बहुत ही अच्छा काम है। देश की एकता और अखण्डता को मजबूत करने के लिए यह बहुत ही सही कदम है। देश की उन्नति के लिए इस किस्म की नीति अपनानी चाहिए जिससे स्कूलों के अन्दर बच्चों को मौरल ओर ऐथिक एजुकेशन दी जाए ताकि बच्चे देशभक्त बनें और वे लूटमार और लैण्ड गरबिंग न करें, चाकू मार कर किसी को जान से न मारें, किसी को लूटें नहीं और इस देश की इज्जत, माताएं और बहनें सुरक्षित रह सकें और उनको बेइज्जत न करें। (विघ्न) सरकार की ऐजुकेशन की यह नीति देश के हर हिस्से को मजबूत करेगी। समाज के अन्दर जो बुराईयों फैली हुई हैं, उनको दूर करके देश की एकता और अखण्डता को कायम रखने के लिए यही एक हक है कि बच्चों को स्कूलों के अन्दर ही मौरल और ऐथिक शिक्षा दी जाए जिससे वे अच्छे करैक्टर के लोग बनें, जुबान के पक्के बनें, काम करके और कमा कर खाएं देश में लुटखसोट को बढ़ावा न दें। अच्छी शिक्षा ही समाज में अच्छे काम करवा सकती है और गलत शिक्षा डाकू और लुटेरे पैदा करेगी। पोलिटिक्स में केवल नारे लगाने से ही काम नहीं चलता अगर राज करना है तो लोगों की सेवा करें। सेवा करने से ही मेवा मिलता है, सरकार को गालियां देने से कोई सरकार ने नहीं आ सकता है। (विघ्न) इस सरकार ने शिक्षा के विकास के लिए जो कदम उठाए है मैं उनके लिए सरकार की बड़ी भारी प्रशंसा करता हूं।

इस सरकार ने तीन कालेज और मन्जूर कर दिए हैं। (विघ्न) आपनके ध्यान के लिए बताना चाहूंता हूं कि आपके लीडर को इसराना के लोगों ने 7 लाख रूपये इकट्ठे करके कालेज बनाने के लिए दिए थे लेकिन वहां पर कालेज नहीं बना जबकि इस कालेज ने तीन कालेज, अम्बाला, पानीपत और हिसार में एप्रूव किए हैं।

श्री सतबीर सिंह कादयान: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जो इन्होंने इसराना में कालेज खोलने के लिए राशि का जिक्र किया है, वह वास्तव में 6 लाख रूपये इकट्ठे करके दिए गए थे और 27.3.1991 को वह मैचिंग ग्रान्ट के लिए भरे थे। (विघ्न) * * * *

श्री अध्यक्ष: इनकी यह बात रिकार्ड न की जाए। (विघ्न) काययान साहब, कोई क्वैश्चन न करें और आप अपनी जगह पर बैठें। (विघ्न) नलवा साहब, आप अपनी स्पीच जारी रखिए।

श्री हरि सिंह नलवा: अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने ऐजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय पग उठाए हैं। टैक्नीकल एजुकेशन की तरफ सरकारी ने विशेश रूप से ध्यान दिया है जिसकी वजह से इण्डस्ट्रियलाईजेशन में बड़ी भारी तरक्की हुई है। बड़े–बड़े इण्डस्ट्रियलिस्ट आज सारी दुनियां से हरियाणा प्रान्त की ओर आकर्शित हुए हैं। उन बड़े बड़े इण्डस्ट्रियलिस्ट को वर्कर्ज और इंजीनियर्ज देने के लिए इस

सरकार ने बड़े बढ़िया प्रोग्रामर्ज और स्कीमें बनाई हैं और कई पोलिटैक्नीक और इंजीनियरिंग कालेज खोले हैं। इसके साथ ही स्पीकर साहब, इस सरकार ने मैडिकल शिक्षा की तरफ भी ध्यानर दिया है और मैडीकल कालेज खोलने का फैसला लिया है। इसलिए मैं सरकार की बार–बार मुबारिकबाद देना चाहता हूं। जब तब प्रान्त में टैक्नीकल और मैडिकल शिक्षा का विस्तार नहीं होगा, तब तक लोग गरीबी की रेखा से ऊपर नहीं उठ सकेंगे। अगर किसी व्यक्ति को नौकरी न मिले तो टैक्नीकली एजूकेटिड होने की वजह से कोई भी व्यक्ति अपना रोजगार खोल सकता है और अपना काम–धन्धा शुरू करके बेरोजगारी से बच सकता है। आज साईस के जमाने में टैक्नीकल शिक्षा के बिना तरक्की करना बहुत मुश्किल है। इस स्कीम से हरियाणा को बहुत शक्ति मिलेगी और लोगों को रोजगार देने में काफी सहायता मिलेगी।

इसी प्रकार हमारी सरकार ''2000 ए.डी. तक सभी के लिए ''स्वास्थ्य'' के उदेश्य को प्राप्त करने के लिए चिकित्सा सेवाओं के विस्तर, विकास और उनमें सुधार लाने का प्रयास कर रही है और इसके लिए काफी पैसा लगाने का प्रावधान है। इस परियोजना के अन्दर 250 सब–सैन्टर्ज का निर्माण हो चुका है और 200 सब–सैन्टर्ज के भवनों को निर्माण पूरा हो जाने की संभावना है। पहले जहां पर कोई मैडीकल फैसिलिटी नहीं थी और लोगों को शहरों में जाकर मंहगी दवाईयां लेनी पड़ती थीं और कई

मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। यह सरकार के बहुत ही सराहनीय कदम हैं। इनके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से स्पोर्टस के लिए सरकार ने बहुत अच्छे कदम उठाए हैं। खेलों में अधिक लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार स्कूलों तथा कालेजों में शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य विशय के रूप में रखने के लिए विचार कर रही है। इससे एक तो स्कूलों में बच्चों की सेहत ठीक रहेगी और दूसरे बच्चों में मिल–जुल कर रहने की भावना पैदा होगी जिससे देश की एकता बढ़ेगी।

इसी प्रकार हमारे हरियणा की महिला संतोश यादव दो बार हिमायल पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं। इससे हरियाणा का और हमारे भारतवर्श का नाम सारे संसार में सबसे ऊंचा हुआ है और हरियाणा के श्री कपिल देव ने 432 टैस्ट विकेट लेकर सर रिचर्ड हैडली के विश्व कीर्तिमान को तोड़ा है जिस पर हरियाणा को गर्व है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने हरियाणा में क्रिकेट अकेडमी बनाने का विचार किया है। सरकार ने लड़कियों के स्कूलों में कई प्रकार की फिजीकल ट्रेनिंग देने का विचार किया है ताकि जब लड़की अकेली सड़क पर जाती है तो वह अपने आप को बचा सके। यह सरकार ने बहुत ही बढ़िया कदम उठाया है। मैं समझता हूं कि इससे बढ़िया और कोई काम नहीं हो सकता है।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार हरियाणा में पानी की बहुत ही दिक्कत थी। कई जगह पर पानी का लेवल बहुत ही नीचे था। जिस कारण से लोगों को पानी निकालने में बहुत ही दिक्कत आती थी। इन बातों को ध्यान में रखते हुए हमीर सरकार ने 6457 गांवों में पेयजल की सुविधा उपलब्ध करवाने का लक्ष्य प्राप्त किया है। 1992–93 में 334 गांवों में पीने के पानी की सप्लाई में सुधार हुआ हैं। आशा है कि चालू वित्त वर्श और वर्श 1994–95 में 800–800 गांवों की जब वितरण की स्थिति में सुधार कर दिया जाएगां बड़े–बड़े गांवों में 110 लिटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन जल मुहैया करवाने के लिए उठाए जा रहे हैं यह बहुत ही बड़ा कदम है। जिसके लिए मैं सरकार की सराहना करता हूं। पीने का पानी मुहैया हो जाने से इस प्रान्त के लोगों का जीवन बड़ा सुखमय बन जाएगा। इसी तरह से सरकार ने छोटे–छोटे गांव में और छोटी–मोटी ढानियों में भी पानी देने का प्रावधान किया है। लोग इस अपौरचुनिटी का फायदा उठा सकेंगे। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से टूरिज्म में हरियाणा ने दुनिया के अन्दर और सरेर देश के अन्दर बहुत अच्छा काम किया है। 1972 में जब मैं पहली बार एम.एल.ए. बनकर आया था तब मैंने देखा था कि हरियाणा में कहीं पर भी चाय पीने तक के लिए जगह नहीं मिलती थी लेकिन आज हरियाणा में बढ़िया से बढ़िया खाना बड़े बड़े फाईव स्टार होटलों की तरह मिलता है। जैसा खाना आज आपको बड़े शहरों में मिलता है वैसा ही खाना आज हरियाणा में मिलता है। साथ ही यहां पर खाने का दाम बड़े श्राहें के खाने के मुकाबले में दस

गुना कम है। इतना अच्छा टूरिज्म सिस्टम हरियाणा सरकार ने बनाया है। जिससे हरियाणा में बेरोजगारी तो दूर होगी ही साथ ही, जो साधन सम्पन्न लोग हैं और जो लोग सफर करते हैं उनकी जब कभी भी खाने की जरूरत पड़ती है तो अच्छे से अच्छा खना यहां पर मिल जाता है। इस तरह से हरियाणा प्रान्त का नाम बहुत बड़ा होता है। अध्यक्ष महोदय, पौश्टिक खाने से दिमाग सुन्दर बनता है और जब लोगों का दिमाग सुन्दर होगा तभी लोग सुन्दर कार्य कर सकेंगे। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मकानों को प्राब्लम है। हरियाणा सरकार ने हाउसिंग बोर्ड तथा हुड्डा बनाकर लोगों की मकानों की प्राब्लम दूर की है। इससे गरीबों, हरिजनों व अन्य बैकवर्ड लोगों को सस्ते मकान मिल सकेंगे। जो लोग मंहगे प्लाट नहीं खरीद सकते सरकार ने ऐसे लोगों के लिए यह सिस्टम बनाया है। सरकार की जो नो प्रोफिट–नो लौस बेसिज पर मकान देने की नीति है वह एक बहुत अच्छी स्कीम है। इस स्कीम से हरियाणा प्रान्त के अन्दर रहने वाले गरीब व बैकवर्ड भाईयों की रहने की समस्या दूर करने में बडी भारी सहायता मिलेगी। इसी प्रकार से फोरैस्ट और पोल्यूशन का जो जिक्र आज क्वैश्चन आवर में हो रहा था कि इंसानी जिन्दगी के लिए प्रान्त में अच्छा वातावरण पैदा करने की जरूरत है। इण्डस्ट्रियलिस्ट और बिजनैस मैन को अपने प्रान्त में अटरक्ट करने के लिए यह जरूरी है कि यहां का वातावरण पौल्यूशन फ्री हो। अगर यहां पर पोल्यूशन होगा तो लोग यहां आना पसन्द नहीं करेंगे। स्पीकर साहब, पोल्यूशन खत्म करने के लिए सरकार ने जो स्कीम बनायी है और

बजट के अन्दर इसके लिए जितना पैसा रखा है इससे हरियाणा की उन्नति में चार चांद लगेंगे। इसी प्रकार से सरकार की हरियाणा में दरख्त लगाने की स्कीम है। दरख्त लगाने से प्रान्त मैं हरियाली ही हरियाली नजर आएगी। गर्मियों में इनसे ठंडी हवा आएगी और सर्दियों में ठंडी हवा रूकेगी। इसके अलवा अगर औले पड़ेगे तो भी वह दरख्तों पर ही पड़ेंगे। नेताओं के सिर पर औले नहीं पड़ेगे (हंसी) स्पीकर सर, इस तरह ये यह सरकार हर सैक्टर में जो उन्नति के कार्य कर रही है वह बहुत सराहनीय है। कोई भी सैक्टर ऐसा नहीं छोड़ा है जहां पर सरकार ने काम न किया हो तथा इस प्रान्त के लोगों की गरीबी व बेरोजगारी दूर करने में लग्नशील न हो। इस तरह से स्पीकर सर, सरकार ने जो हर सैक्टर में पैसे लगाने का इरादा किया है वह बहुत ही नेक काम है और प्रान्त के लोगों की बड़ी भारी सेवा का काम है। ट्रांसपोर्टेशन के बारे में मैं कहना चाहूंगा कि जिस प्रान्त में ट्रांसपोर्टेशन अच्छा नहीं होगा, वहां इंडस्ट्रियलिस्ट नहीं आएगा इसलिए ट्रांसपोर्ट की फैसिलिटी देना बड़ा जरूरी है क्योंकि गांव में रहने वाले लोगों को शहर और दूसरी जगहों पर जाना होता है। पैसे की कमी की वजह से सरकार इतनी बसें तो खरीद नहीं सकती इसलिए सरकार ने प्राइवेट लोगों को परमिट देने का सिस्टम बनाकर बहुत अच्छा काम किया है इससे जो नौजवान बेरोजगार हैं उनको रोजगार तो मिलेगा ही, साथ ही साथ प्रान्त के गांव के अन्दर बसे हुए लोगों को, जिनकी ओर पिछली सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया उनको ट्रांसपोर्टेशन की फैसिलिटी भी मिलेगी। सरकार ने को–आपरेटिव

सोसायटी बनाकर प्राइवेट लोगों को परमिट देने का जो फैसला लिया है, यह बहुत बड़ा कदम है। इससे गांधी जी का गांव के अन्दर छोटे–छोटे उद्योग लगाने का जो सपना था वह भी साकार हो सकेगा। इससे लोगों को बड़ी भारी सहूलियत मिलेगी इसके लिए मैं अपनी सरकार को मुबारकबाद देता हूं।

इसी प्रकार से सरकार ने को–आपरेटिव बैंक बना दिए हैं। इसमें बैकवर्ड क्लासिज, शिडयूल्ड कास्ट के लोगों के लिए एंव औरतों के उत्थान एवं उनको रोजगार देने के लिए 123 करोड़ रूपया रखा गया है। हरियाणा में जो भाई गरीबी की रेखा से नीचे निर्वाह कर रहे हैं, उनको गरीबी की रेखा से ऊपर लाने के लिए यह एक बहुत बड़ा कदम है। अब कोर्ठ भी लैन्डलैस, कोई भी भाई लोन ले सकता है। खेती करने वाले किसानों को यदि बीज और खाद सही समय पर मिल जाए तो उनकी उपज में काफी बढ़ौतरी होती है और जब पैदावार बढ़ती है तो न सिर्फ किसानों को बल्कि पूरी प्रान्त के लोगों को फायदा होता है और सरकारी खजाने में भी अधिक पैसा आता है। सरकारी खजनों में अधिक पैसा आएगा तो और अधिक उन्नति के कामों पर लगेगा। दूसरे, देश के किसी हिस्से में यदि अनाज कम पैदा होता है वहां अनाज पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा, सरकार ने जो सबसे बड़ा काम किया है वह है फूड एंड सप्लाई का डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम 1 हरियाणा प्रान्त के अन्दर कई लोग गरीबी की रेखा से नीचे रहते हैं। हरियाणा में 6745 गांवा हैं और फेयर प्राइस शाप

7354 हैं। वहां बसने वाला गरीब आदमी अगर सस्ते दाम पर अच्छा माल खरीदता चाहे तो वह फेयर प्राइस शाप से ले सकता है और अपने जो मेहनत की कमाई है, उसको ध्यान में रखते हुए आराम से गुजारा कर सकता है। अगर ये फेयर प्राइस शाप न हों तो गरीब आदमी के लिए अपनी आमदनी के अन्दर निर्वाह करना कठिन हो जाता है।

इसी प्रकार से सरकार ने सेल्ज टैक्स बैरियर और औक्ट्रोय इन सबको खत्म कर दिया है। कर दिया है। माल प्रैक्टिस होती थी इसको सरकार ने देखा कि पब्लिक को बड़ी तकलीफ हो रही है बैरियर समाप्त होने से ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में भी काफी मदद मिलेगी। यह एक बहुत ही क्रान्तिकारी कदम है ओर इस कदम के लिये मैं हरियाणा की सरकार को तेहदिल से मुबारिकबाद देता हूं। इसी प्रकार से चाहे गरीब लोगों की बात हो। जो बच्चे इंजीनियरिंग कालेज में नहीं पढ़ सकते, उनके लिए 140 आई.टी.आईज. सारे प्रान्त में खोल दिये गय हैं ताकि गरीब आदमी का बच्चा भी वहां पर जाकर आराम से टैक्नीकल शिक्षा लेकर किसी कारखाने वगैरह में नौकरी प्राप्त कर सकता है या अगर वह नौकरी प्राप्त नहीं कर सकता है तो किसी कोआप्रेटिव बैंक से कर्जा लेकर अपना काम–धन्धा शुरू कर सकता है क्योंकि उसके पास आई.टी.आई. होने के नाते बेसिक टैक्नीकल नोहाऊ तो है। इस तरह से वह अपना जीवन निर्वाह कर सकता है। तो इस तरह से यह सरकार चारों तरफ से

हर सैक्टर में जागरूक है कि किस प्रकार से लोगों के लिये काम किया जाये। मुझे पूरा विश्वास है कि हरियाणा की जनता भी इस सरकार को मजबूत करना चाहती है। वह इसे इतनी मजबूत कर देगी कि जितने भी लोग यहां बैठे हैं, वह इसे महसूस करेंगे। इस साल की नीतियों की वजह से विकास की गति तेज होगी और इसके लिये हरियाणा की जनता इस सरकार के हाथ मजबूत करेगी। हरियाणा सरकार के हाथ मजबूत होने से भारतवर्श की एकता और अंखडता मजबूत होगी। इन्हीं शब्दों के साथ अन्त में मैं गवर्नर महोदय ने यह जो इतना अच्छा अभिभाशण दिया है, जिसमें सरकार की उन्नति और विकास की नीतियां दर्शायी गयी हैं, उसके लिये धन्यवाद प्रस्ताव करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला (बल्लभगढ़): अध्यक्ष महोदय, सदन में राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर हमारे वरिश्ठ सदस्य श्री हरि सिंह नलवा जी ने जो धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया है, मैं उसका अनुमोदन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। राज्यपाल महोदय ने हमारे सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देकर हरियाणा प्रदेश को समस्त जनता के उज्जवल भविश्य की कामना की है। अध्यक्ष महोदय, पाकिस्तान और अन्य भारत विरोधी ताकतों ने राश्ट्रीय एकता और अखंडता को एक गम्भीर चुनौती दी है। इस चुनौती का सामना करने के लिये हमारे देश की जो आर्म्ड फोर्सिज हैं, वह पूर्ण रूप से सक्षम हैं। देश की

और राश्ट्र की एकता और अंखडता और गौरव की रक्षा करने के लिए प्रान्त के लोग ही नहीं बल्कि देश की आर्म्ड फोर्सिज इतने सक्षम हैं कि सारी दुनिया के देश उसको एक सक्षम आर्म्ड फोर्स मानते हैं। आज जहां राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में देश की आर्म्ड फोर्सिज के बारे में विचार रखे हैं, वहां अध्यक्ष महोदय, हम सभी हरियाणावासियों के लिये भी यह बड़े ही फख्र और गौरव की बात है। हरियाणा एक कृशि प्रधान प्रदेश है। कृशि के उत्पादन में हरियाणा का सारे देश में नाम है। कृशि के बारे में देश में हरियाणा को रीढ़ की हड्डी माना जाता है। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है। लेकिन जहां तक देश की आर्म्ड फोर्सिज की बात है, जहां तक देश में लड़ने की शक्ति की बात है, यह हमारी गौरवशाली परम्परा रही है। इस बारे में यदि मैं कहूं कि हरियाणा देश की एक रीढ़ की हड्डी रहा है तो हमवें भी कोई अतिशयोक्ति नहीं है यह हमारे लिए बड़े ही गौरव की बात है। आजादी के बाद चाहे 1962 में चायना ऐग्रैशन हो और पाकिस्तान के तीन हमले हों, राश्ट्रीय स्तर पर जहां सेवा की लड़ने की ऊंची परम्परा रही है और जहां सेना में सिख हैं, मराठा हैं, राजपूत हैं और गोरखा हैं जिनको कि बहुत अच्छा फाइटर माना जाता है वहां दूसरी तरफ युद्ध के इतिहास में हरियाणा के जाट की, अहीर की, गूजर की, रोड़ की और बिश्नोई की बहुत अच्छी भूमिका रही है। इन्होंने साबित किया है कि they are one of the best fighters against the enemies. यह बहुत ही फख्र की बात है। हरियाण के हमारे बहुत से नौजवान इन युद्धों में प्रिजनर आफ वार रहे हैं और

बहुत लोग जख्मी हुए हैं। हमारे परिवार के बहुत लोग इन युद्धों में शहीद हुए हैं। हमारे यहां के एक ब्रिगेडियर होशियार सिंह 1962 की लड़ाई में शहीद हुए थे। वे सारवोल गांव के थे। स्पीकर साहब, हमारी सेना का इतिहास बताता है कि हरियाणा का नौजवान चाहे वह किसी भी परिवार का हो वह युद्ध से कभी नहीं भागा और उसने कभी भी युद्ध में पीठ नहीं दिखाई। हमारा इतिहास रहा है कि हरियाणा का नौजवाना युद्ध में पीठ दिखाकर नहीं भागता। उन्होंने हमेशा राश्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अपना खून बहाया है और अनेकों परिवारों के बच्चे शहीद हुए है। 1962 की लड़ाई में हमारे क्षेत्र के ही जो एक आफिसर थे और जिनका नाम छत्रपति था, शहीद हुए थे। वे गूजर परिवार से थे। स्पीकर साहब, जहां तक राश्ट्रकी अखंडता और एकता को बचाने की बात है वहां हम कोई भी कुर्बानी देने से पीछे नहीं रहेंगे। आज पाकिस्तान विदेशियों से मिलकर हमारे देश को तोड़ना चाहता है ओर अपने स्वार्थों को पूरा करने के लिए अस्थिरता पैदा करना चाहता है, इस बात को मददेनजर रखते हुए सेना के प्रति हमारे प्रदेश को जो योगदान है उसका हरियाणा के लोगों को बड़ा भारी गर्व है। स्पीकर साहब, हर हरियाणवी को इस बात का फख्र है कि देश की रक्षा करने में हरियाणवी लोग हमेशा आगे रहते हैं और तन मन धन से देश के लिए न्यौछावर करने में कभी पीछे नहीं रहते। हमारी संसद ने पाकिस्तान की गतिविधियों के विरूद्ध सर्वसम्मति से जो प्रस्ताव पारित किया है हरियाणा की जनता उसका समर्थन करती है। स्पीकर साहब, आज चाहे हम

किसी भी पार्टी से ताल्लुक रखते हों और किसी भी पार्टी की सरकार हो उसको जानने के लिये कि वह कितनी अच्छी सरकार है और क्या उसकी प्राथमिकताएं हैं उसको मानने का जो मापदण्ड है, उसको जानने का जो तरीका है और जो मेयरमैंट है वह यह है कि उस प्रदेश के अन्दर कितना भाई–चारा है, कितनी आपस में सदभावना है और कितना ला एण्ड आर्डर उस प्रदेश के अन्दर है। अध्यक्ष महोदय, बहुत ही फख्र की बात है कि आज काश्मीर से लेकर कन्या कुमार तक हिन्दुस्तान में सारे प्रदेशों में सबसे बढ़िया ला एंड आर्डर अगर किसी प्रदेश के अन्दर है और बढ़िया ला एंड आर्डर माना जाता है तो वह हरियाणा प्रदेश का है और इसका श्रेय चौ. भजन लाल को जाता है, इसका श्रेय चौ. भजन लाल के नेतृत्व को जाता है। अध्यक्ष महोदय, चाहे हम अपने प्रदेश के इर्द गिर्द देखें और चाहे हम केरल को देखें सबसे अच्छा ला एंड आर्डर हमारे यहां पर है। अभी कुछ दिन पहले हमारी पी.ए.सी. कमेटी आपकी इजाजत से बाहर के प्रदेशों में गई थी जिसमें सभी पार्टीज के यानि एस.जे.पी. के और बी.जे.पी. के तथा कांग्रेस के सदस्य थे ओर जब हम सभी लोग राजनीति से हटकर बैठते है और बात करते हैं तो पता लगता है कि काश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जितना भाई चारा, जितना कुशल प्रशासन और अमन चैन तथा शान्ति हमारे प्रदेश के अन्दर है उतनी किसी भी प्रदेश के अन्दर नहीं है। इस बात को दूसरे प्रदेशों के लोग भी मानते हैं। वे यह मानते हैं कि हरियाणा ने सभी क्षेत्रों में तरक्की की है। हमारा आपका भाई चारा दूसरे प्रदेशों से सबसे अच्छा है।

यह हमारे लिए बहुत ही फख्र की बात है। स्पीकर साहब, इस सबका श्रेय चौ. भजन लाल को जाता है।

अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी प्रकार से जानते हैं कि जब हमारे हरियाणा का इस बार चुनाव हुआ था तो सारा हरियाणा जात–बिरादरी, धर्म शहर और देहात और अगल अलग गोत्रों में बंटा हुआ था, बिखरा हुआ था और आज बहुत ही खुशी की बात है कि हरिजन, बैकवर्ड क्लासिज हो चाहे कोई स्वर्ण जाति का हो, चाहे किसी भी दूसरी जाति का हो, सबको एक समान समझा जा रहा है। यह एक बहुत अच्छा लक्षण हमारी सरकार का है। किसी भी प्रकार का कोई जात पात का भेजभाव नहीं है। (शोर) अध्यक्ष महोदय, इन लोगों को इस तरह से बीच में उठकर नहीं बोलना चाहिये लेकिन मैं आदरणीय चौटाला साहब को इस बात के लिये धन्यवाद देता हूं कि जब से वे सदन के सदस्रू बने हैं, उन्होंने सदा ही यह कोशिश की है कि इन सभी साथियों को यह बताया जाए कि इस सदन में चुने हुए प्रतिनिधियों का क्या रोल होता है और इस महान सदन में हमारी सब की क्या–क्या डयूटीज हैं, क्या–क्या कर्तव्य हैं लेकिन फिर भी भाई राम कुमार कटवाल जैसे माननीय सदस्य को अभी और ट्रेनिंग की आवश्यकता है, हालांकि सुना है कि चौटाला साहब रोजाना कई कई घंटों इन भाईयों को समझाने बुझाने के लिये क्लास लेते हैं। उनको इन सभी बातों के बारे में बताते हैं। पर मेरे ख्याल में भाई कटवाल जी शायद इनके काबू से बाहर प्रतीत होते है। (शोर) इनको यह बताने की अभी

आवश्यकता है कि इस हाउस में बैठने के बाद यह देखना अत्यन्त जरूरी है कि इस महान सदन की कोई मान मर्यादाएं हैं कि किस तरीके से इस हाउस में बोलना चाहिये। (शोर)

अध्यक्ष महोदय, इससे आगे मैं यह बताना चाहता हूं कि आपको पता है कि अच्छे एडमिनिस्ट्रेशन के लिये, ला एंड आर्डर को मेनटेन करने के लिये सिविल प्रशासन को चलाने के लिये पुलिस फोर्स का बड़ा भारी रोल होता है। यह फख्र की बात है कि हमारे हरियाणा के पुलिस के प्रमुख श्री रूद्रा जी, डी.जी.पी. हैं। वे एक ईमानदार व श्रेश्ठ आई.पी.एस.अधिकारी हैं और सारे देश के एक डिसटिंगविशड आई.पी.एस. अधिकारियों में से एक हैं जिन्होंने अपनी मेहनत, ईमानदारी और कर्मठता ने हरियाणा की फोर्स को इस तरह से तैयार किया है ताकि हरियाणा की फोर्स अपने प्रदेश का नाम ऊंचा करे। अपनी फोर्स को पूरी तरह से सक्षम करने का पूरा प्रयास किया है। इसके लिये हरियाणा के डायनामिक मुख्यमंत्री महोदय, चौ. भजन लाल और पुलिस चीफ श्री रूद्रा जी सचमुच में बधाई के पात्र हैं।

अध्यक्ष महोदय, अभी नलवा साहब ने अपने प्रस्ताव पर बोलते हुए कई एक बातों का यहां पर जिक्र किया है। उन्होंने बोलते हुए नेशनल हाई वे व स्टेट हाईवेज पर वैरियर्ज पर आने वाली दिक्कतों को भी जिक्र किया है और हमारा यह बैटर ऐक्सपीरिऐन्स रहा है कि लोगों को सेल्ज टैक्स वे आक्ट्राय बैरियर्ज पर काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ता था, लोगों

को उन बैरियर्ज के कारण काफी परेशानी थी। हमने यह देखा है कि बैरियर्ज पर कई कई घंटों तक ट्रकों की दूसरे वाहनों की, व वी.आई.पीज. जिनमें किसान लोग भी शामिल हैं, की लम्बी कतारें लगी रहती थीं, जिससे लोगों को काफी परेशानियों को सामना करना पड़ता था और लोग काफी परेशान थे, समय बरबाद होता था। जो ट्रक वहां पर खड़े होते थे, वे स्टार्ट रहते थे, उनका तेल जलता था जिससे प्रदूशण फैसला था और बड़ा भारी नेशनल लौस होता था और इस तरह के बैरियर्ज के छोटे छोटे कर्मचारियों को करप्शन करने का भी मौका मिलता था। यह सरकार बधाई की पात्र है कि इससे सभी फिजूल के बैरियर्ज को हटाने का प्रावधान किया है। ऐसा करने से ट्रैफिक की फ्रीली मूवमैंट होगी। जो लोग टैक्स या आक्ट्राय की चोरी करते हैं, उनको एक जगह न रोक कर, उनकी कही पर भी चैंकिग की जा सकती है। इन बैरियर्ज की हटाने के लिए लोगों की बहुत समय से डिमांड चली आज सकती है। अब यह बड़ी खुशी की बात हे कि ये बैरियर्ज हटा दिए जाएंगे। इससे हरियणा के लोगों को सुख मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, बिजली और सिंचाई के बारे में हमारे सभी माननयी सदस्य चिन्तित हैं चाहे वे किसी भी पार्टी के हों। चाहे गवर्नर एडसैस पर बहस हो रही हो या बजट पर आम चर्चा हो रही हो, उस समय सभी सदस्य बिजली और सिंचाई के बारे में अपने अपने विचार रखते हैं और हरियाणा के लोगों की चिन्ता को व्यक्त करते हैं। हरियाणा सरकार ने इस बारे में एक बहुत ही अच्छा कदम उठाया है। हमारे बजट में 23 प्रतिशत से ज्यादा

बिजली के लिए और 18 प्रतिशत से ज्यादा सिंचाई पर खर्च होगा। बिजली के 220 के.वी., 66 के.वी. और 33 के.वी. के स्टेशन बनेंगे। यमुनानगर में 840 मैगावाट का पावर हाउ बनने जा रहा है और इसी तरह से 400 मैगावाट का गैस बेस्ड थर्मल प्लांट फरीदाबाद में बनने जा रहा है और 210 मैगावाट के छठे यूनिट का निर्माण पानीपत में चल रहा है। इसी तरह से एक हजार मैगावाट का ताप बिजली घर हिसार में बनेगा। अध्यक्ष महोदय, बिजली का जो संकट है वह बात से या भाशण से समाप्त नहीं हो सकता बल्कि इसका समाधान तो तभी हो सकता है जब हम पावर जनरेट करेंगे। हमारे विपक्ष के लोग भाशण देते हैं कि बिजली के बिल मत दो। ये लोगों को भड़काते हैं कि बिल न देते की वजह से अगर आपकी बिजली कट जाती है तो आप अपने घरों में लम्बी तारे रखें और सीधी पोल के साथ जोड़ लें। आज की सरकार बिजली की सभी स्कीमों को प्राथमिकता दे रही है। चौ. भजन लाल ने इस समस्या को न केवल एक जाति, बिरादरी या एक वर्ग को मानते हुए लिया है बल्कि सारे हरियाणा को एक मानकर लिया है। जिस तरह से खून के बगेर आदमी का शरीद नहीं चल सकता उसी तरह से बिजली के बगैर हरियाणा नहीं चल सकता। हरियाणा की जो स्टैबिलिटी है या जो हमारा स्तर है, उसको मान कर ये बड़ी भारी स्कीमें बनाई गई हैं। इन सब स्कीमों पर वर्ल्ड बैंक से या दूसरे फाइनैंशियल एजेंसीज से धन उपलब्ध करवा कर शीघ्र काम चालू किया जा रहा है। मैं तो यह कहूंगा कि राजनीति में हमेशा एक ही आदमी पावर में नहीं रहता लेकिन कफछ नेता ऐसे

है जो अपनी जनता के लिए कुछ ऐसे निर्णय कर जाते हैं जिन्हें आने वाली जनरेशन याद रखती है। मैं इस बारे मैं चौ. भजन लाल जी की जितनी प्रशंसा करूं उतनी थोड़ी है। इन कामों में थोड़ा समय लगेगा क्योंकि कोई पावर हाउस एक दिन में तो बन नहीं सकता। ये सारे टैक्नीकल काम हैं बड़े प्रोजैक्टस है इन सबको यह सरकार चौ. भजन लाल जी के नेतृत्व में पूरा करवाएगी। मैं कहता हूं कि आगे आने वाले 20 साल तक हरियाणा के अन्दर बिजली की कोई समस्या नहीं होगी। इसके लिए सरकार बहुत सिसियर एफर्टस कर रही है। सरकार ने बिजली की समस्या का जो समाधान किया है उसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं। इसके अलावा स्पीकर साहब, मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि हमारे प्रदेश में शिक्षा के अन्दर भी विशेश उन्नति हुई है। अध्यक्ष महोदय, मेरे कई साथियों ने कौपिग के बारे में बड़ी भारी चिन्ता व्यक्त की है। हमारे प्रदेश के अन्दर एग्जामिनेशन के दौरान नकल करने की बहुत बीमारी है। उसमें विशेश कर बड़े दुर्भाग्य की बात है कि हमारे गांवों के अन्दर जितने भी एग्जामिनेशन सैंटर्ज हैं उनमें जाने अनजाने में उन बच्चों के पेररेन्टस या उनके बड़े भाई बच्चों को नक्ल कराने के लिए जाते हैं। वहां पर ऐसा लगात है जैसे कोई लड़ाई लड़ी जा रही हौ। वे लोग सैटर्ज पर लाठियां लेकर जाते हैं। लेकिन हमारे माननीय मुख्यमंत्री चौ. भजन लाल जी और हमारे शिक्षा मंत्री मुलाना साहब ने हमारे एजुकेशन बोर्ड का एक बहुत ही अच्छे आदमी श्री गक्खड़ साहब को चेयरमैन लगाया है। वे बहुत ही बड़े और उच्चकोटि के

एजुकेशनिश्ट हैं। उन्हौंने कहा है कि हम सरकार के हर विभाग से और हरि हरियाणवी से सीधा सहयोग ले करके जो नक्त करने की बीमारी है, जो हरियाणा प्रदेश के माथे पर एक कलंक है इसको मिटाएंगे और शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाएंगे। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के बारे में हमारे प्रदेश में एक बहुत अच्छी योजना है जो हमारी सरकार ने चालू की हुई है। सारे देश में हरियाणा प्रदेश एक ऐसा प्रदेश है जहां पर महिलाओं को ज्यादा शिक्षित करने के लिए विशेश कार्यक्रम और विशेश नीति बनाई गई है। हमें इस बात का फख्र है कि हमारी सरकार ने बी.ए. और एम.ए. तक लड़कियों की शिक्षा फ्री की है। सारे देश में हरियणा प्रदेश एक ऐसा प्रदेश है जहां पर लड़कियों को बी.ए. और एम.ए. तक की शिक्षा फ्री दी जाती है। इस बात के लिए हमारी सरकार की जितनी प्रशंसा दूसरे प्रदेशों में की जाती है वह हमारे लिए बड़े फख्र की बात है। अध्यक्ष महोदय, आप स्वयं भी बहुत बड़े एजुकेशनिस्ट हैं और हरियाणा प्रदेश की जितनी भी आर्य समाज की व अन्य शिक्षा संस्थाएं है उन सबके साथ आप जुड़े हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, जब तक बच्चों को शारीरिक और नैतिक शिक्षा नहीं देंगे तो नौजवानों को कोई लाभ नहीं होगा। जहां तक पहली कलास का संबंध है उसके लिए नये सिरे से बच्चों के लिए पाठयक्रम तैयार किया जा रहा है। उन पाठयक्रमों में राश्ट्र की, महापुरूशों की और जो हमारा पहले का इतिहास है उन सबको उसमें जोड़ा जा रहा है। उससे हरियाणा प्रदेश की ओर सारे देश की युवा पीढ़ी को काफी फायदा होगा। आज सारे देश की युवा

पीढ़ी जिस तरीके से अपराधीकरण की तरफ बढ़ रही है उसको तभी रोका जा सकता है जब उनका अच्छा चरित्र ओर सही राश्ट्रीय दुश्टिकोण होगा तथा वे जात–बिरादरी और संकुचित दुश्टिकोण से ऊपर उठेंगे। यदि ऐसा हो जाएगा तो हरियाणा प्रदेश निश्चित रूप से एक बहुत ही विकास का कार्य करेगा। अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ साथ मैं कृशि के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। कृशि के बारे में हमारे लिए यह एक बहुत फख्र की बात है कि आज पंजाब के बाद सारे देश में हरियाणा प्रदेश सबसे ज्यादा खाद्यान्न उत्पन्न करता है। हरियाणा प्रदेश एक कृशि प्रधान प्रदेश है। हरियाणा प्रदेश ने कृशि के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। खेती को उन्नत और आधुनिक बनाने के लिए हमारी सरकार ने अनकों प्राथमिकताएं तय की है। हमारा कृशि विभाग बहुत अच्छी नीतियां और प्रोजक्टस तैयार कर रहा है जिनेसे सारे के साथ किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ हो। जैसे प्रमाणित बीज है खाद है, कीट नाशक दवाईयां हैं। ऐसी सांईटीफिक स्कीमों के तहत किसानों को जरूरी चीजें उपलब्ध करवाई जाती हैं।

12.00 बजे

इस तरीके का बढ़िया सिस्टम सिवाय हरियाणा प्रदेश के, किसी और प्रदेश में नहीं है। इसके लिए जितनी बधाई सरकार को दी जाये, कम है। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के साथी जो किसानों के बारे में, देहात के बारे में बोलते हैं और

भाशण देते हैं, इनके भाशणों में कोई ठोस नीति लोगों की भलाई के लिए नजर नहीं आती। अध्यक्ष महोदय, सरकार बधाई की पात्र है कि डाइवर्सिफिकेशन आफ एग्रीकल्चर जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है, आप स्वयं भी जानते हैं कि क्योंकि आप भी किसान हैं। आज किसान एक एक या दो दो एकड़ जमनी का मालिक रह गया है। इतनी कम जमीन में गेहूं या गन्ने की फसल पैदा करके वह अपना गुजारा नहीं कर सकता। इस फसल से उसको बहुत कम बचता है और इस आदमनी से गुजारा नहीं हो सकता। हमारी सरकार ने बड़ी अच्छी नीति बनाई है। इस बारे में मैं आपकी एक व्यवहारिक बात जो प्रैक्टिकल रूप में मेरे जिले में हो रही है, बताना चाहता हूं। हार्टिकल्चर विभाग ने बागवानी और फूलों की स्कीम बनायी है उसमें लोगों को बहुत अधिक फायदा हो रहा है। मिसाल के तौर पर दिल्ली के आसपास के जिलों, जैसे फरीदाबाद, गुडगांव, सोनीपत के जिले हैं, उनके किसानों के बच्चे फूलों को इकट्ठा करके उनकी गठड़ी बांध कर, रेल में बैठ कर, दिल्ली जाते हैं। मेरे हल्के में ऐसे 25–30 कार्यक्रम चल रहे हैं। मैंने उन बच्चों से पूछा कि आप इन फूलों आदि को बेच कर दिन में कितना कमा लेते हो। उन्होंने बताया कि इन फूलों को वे 400–500 रूपये में, एक दिन में बेच जाते हैं। इतनी अच्छी स्कीम जो सरकार ने चलाई हुई हैं, इसके लिए हमारी यह सरकार बधाई की पात्र है। अध्यक्ष महोदय, आज सारे देश में ही नहीं, बल्कि विश्व में हमारे प्रान्त ने मशरूम की फसल में नाम कमाया है। यह खुम्बी की जो फसल है, इससे भी किसानों को काफी फायदा हो

रहा है। इतनी अधिक यह फसल सिवाय हरियाणा के, और कहीं पर नहीं होती। इस फसल की देख रेख के लिए हरियाणा सरकार ने मूरथल के पास एक लैबोरेटरी भी स्थापित की है ताकि किसानों को अच्छे बीज आदि मिल सकें। इसी प्रकार से हरियाणा एग्रोइण्डस्ट्रीज कार्पोरेशन, इस फसल के लिए एक्सपोर्ट ओरियएन्टिड प्रोजैक्ट, तकरीबन 11–12 करोड़ रूपये का बनाने जा रही है। यह भी अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलन्धि होगी। हरियाणा ने यह फसल न केवल दिल्ली में भेजी है बल्कि बम्बई, कलकत्ता और दूसरे दूर–दूर के प्रदेशों में भेज रहा है। हमारे हयां पर बहुत ही अच्छी क्वालिटी की मशरूम पैदा होती है और दूसरे प्रदेशों में भेजी जा रही है। हरियाणा सरकार ने जो ऐसी ऐसी स्कीमें बनाई हैं, उससे किसानों को काफी फायदा पहुंच रहा है। मैं फिर कहना चाहात हूं कि बागवानी और फूल वगैरह का जो व्यापार है यह छोटे छोटे किसानों के लिए बहुत ही लाभदायक है क्योंकि नौकरी तो हम हरेक को दे नहीं सकते लेकिन छोटे छोटे किसानों को जो दिल्ली के आस पास के जिले हैं, उनको ऐसी–ऐसी स्कीमें बना कर दे रहे हैं ताकि उनको अधिक से अधिक फायदा हो सके। यह एक बहुत अच्छी बात है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने किसानों और मजदूरों का ध्यान रखते हुए पशु धन की तरफ भी विशेश ध्यान दिया है। यह बड़ी खुशी की बात है है कि हमारी सरकार ने पशु धन के सुधार के लिए बहुत अच्छे अच्छे निर्णय लिए हैं। स्पीकर साहब, हर पटवार सर्कल में पशु डिस्पैंसरियां खोली जा रही है, यह बहुत ही अच्छा निर्णय

सरकार ने किया है। यहां पर बताया गया है कि जिला स्तर पर पोली–क्लीनिक खोले जा रहे हैं, यह बहुत ही जरूरी चीज हैं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि आज बहुत ज्यादा महंगाई है और अच्छी गाया या भैंस 25–30 हजार रूपये से कम नहीं आती। जब पशु बीमार होता है और उस समय अगर मैडिकल ऐड पशु को उपलब्धान हो सके तो पशु मर सकता है जिसकी वजह से गरीब किसान को बड़ा भारी नुक्सान होता है। 25–30 हजार रूपये का पशु एक किसान के लिए दोबारा खरीद पाना बहुत ही मुश्किल है। यह बहुत ही खुशी की बात है कि हर जिला स्तर पर पोलीक्लीनिक खोले जाएंगे। जिस प्रकार इन्सान की बीमारी के लिए हर प्रकार के उपकरण हैं, उसी प्रकार पशुओं की बीमारी के लिए भी उपकरण हैं और बीमारी में उनका एक्स–रे वगैरा लिया जा सकेगा। (घंटी) इस प्रकार पशुओं को चिकित्या सुविधा दिए जाने की योजना बहुत ही अच्छी है। अध्यक्ष महोदय, यह बड़े ही फख्र की बात है कि हरियाणा प्रदेश स्वर्गीय राजीव गांधी जी के स्वप्न को साकार करने जा रहा है। श्री राजीव गांधी जी का यह स्टैंड था कि पावर को डि–सैंट्रेलाईज किया जाए। श्री राजीव गांधी जी ने आजीवन संघर्श किया। गरीब हरिजन, किसान, चाहे कोई पहाड़ पर रहने वाला हो, चाहे कोई गरीब समुद्र के किनो पर रहता हो, मछली पकड़ने वाला है। उनको कठिनाईयों के बारे में उन्हें बड़ा भारी ज्ञान था। अपने जीवन के अन्त में वे इस निर्णय पर पहुंचे कि जब तक हम सत्ता का का डि–सैट्रेलाईजेशन नहीं करेंगे तब तक देश का उद्धार नहीं हो सकता। 85 करोड़ का

यह देश जब सारे का सारा सत्ता के साथ जुडेगा, तभी सब का कल्याण हो सकेगा। केवल एम.पीज., एम.एल.एज. और औफिसर्ज ही देश के सभी वर्गों का भला नहीं कर सकते हैं, इस पावर को जब तक नीचे के स्तर के आदमी तक डि–सैट्रेलाईज नहीं करेंगे, चुने हुए प्रतिनिधियों को पावर नहीं देंगे तक तक देश के अन्दर प्रजातन्त्र मजबूत नहीं होगा और प्रजातन्त्र का भविश्य उज्जवल नहीं होगा। स्वर्गीय राजीव गांधी जी का स्पप्न संविधान का 73वां संशोधन था, जिसको लागू करने के लिए हरियाणा सरकार ने मन बना लिया है। इसी ऐक्ट के मुताबिक चुनाव वगैरा होंगे, यह श्री राजीव गांधी जी को बहुत ही अच्छी श्रद्धांजति है और इससे प्रजातन्त्र मजबूत होगा। इससे महिलाओं, अनुसूचित जातियों और पिछड़ी जातियों के लोगौं को प्रतिनिधित्व मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही फख्र की बात है कि इसकी शुरूआत हरियाणा प्रदेश से होने जा रही है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक प्रदेश में उद्योग लगाने की बात है, आज हरियाणा में देश का सर्वोत्तम औद्योगिक ढांचा है। अध्यक्ष महोदय, आप जब फरीदाबाद या गुड़गांव जाएंगे तो आप हय महसूस करेंगे कि आप जापान, जर्मन या यूरोप में जा रहे हैं। जब आप गुड़गांव हाईवे पर जाते हैं तो जापान के सहयोग से उद्योग लगाया गया है और फरीदाबाद में जर्मन के सहयोग से उद्योग लगाए गए हैं। इतनी बढ़िया और शानदार स्कीमें और प्रोजैक्ट हामरे प्रदेश में आए हैं, उसके लिए हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। उनके सफल प्रयासों से ही यह सब सम्भव हो सका है। उनका यह प्रयास है कि हरियाणा

वासी, चाहे वह शहर का रहने वलाा है, चाहे देहात का रहने वला है, कैसे उसकी याय को बढ़ाया जाए और किस तरह से हर हरियाणवी के लिविंग स्टैंडर्ड को ऊपर उठाया जाए? गुड़गांव आज इलैक्ट्रानिक सिटी बनता जा रहा है। कितना बड़ा कन्सैप्ट जापान के लोगों ने दिया है। जापान के लोगों की जो सोच है, वहीं सोच हमारे हरियाणवी नौजवान की भी होगी। जब हमारा हरियाणा का नौजवान जापान और जर्मन की इलैक्ट्रानिक सोच का बनेगा तो स्पीकर साहब, आप स्वयं अनुभव कर सकते हैं कि हमारे प्रदेश का कितना विकास होगा। हरियाणा प्रदेश के नौजवानों को रोजगार मिलेगा और भयंकर बेरोजगारी से प्रदेश को छुटकारा मिलेगा। स्पीकर साहब, एक परिवार एक रोजगार स्कीम के तहत, 5 लाख व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाने की स्कीम है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार का यह बहुत ही अच्छा निर्णय है। हर परिवार में कोई न कोई एक आदमी ऐसा होना चाहिए जिसकी इन्कम अच्छी हो।

अध्यक्ष महोदय, खेलकूद के क्षेत्र में हमारी सरकार ने बहुत अच्छी स्कीमें बनाई है और प्रदेश ने बहुत तरक्की की है। हमारे लिए बहुत ही गर्व की बात है कि हमारे प्रदेश की सन्तोश यादव विश्व में सबसे कम उम्र की लड़की है जो हिमालय की चोटी पर दो बार चढ़ गई है और श्री कपिल देव बहुत ही बढ़िया अन्तर्राश्ट्रीय खिलाड़ी है, जिन्होंने विश्व रिकार्ड तोड़ा है और नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह हमारे लिए बहुत ही फख्र की बात

है। आज हमारी सरकार कपित देव की सम्मानित करने जा रही है। यह बहुत ही सराहनीय बात है।

अध्यक्ष महोदय, नेशनल और स्टेट हाई–वे जो हैं और दिल्ली को जितने भी रास्ते जाते हैं, वे ज्यादातर हमारी स्टेट में से होकर गुजरते हैं। हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और पंजाब का जितना भी ट्रैफिक है, वह हमारी स्टेट से होकर निकलता है, जिसके कारण हमारे प्रदेश में बहुत पोल्यूशन है और बहुत ही ज्यादा दुर्घटनाएं होती है जिसके कारण लोगों की मृत्यु होती है। बल्लबगढ़ में कंक्रीट की जो सड़क है, यह सारे देश में सबसे बढ़िया किस्म की है। अध्यक्ष महोदय, जो रूके हुए कार्यक्रम थे, मुख्यमंत्री ने उनको चालू करवाया है। आज फोर लेनिंग का काम चालू है। यह हमारी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। जैसा कि भाई हरि सिंह नलवा ने एक्प्रैस सर्विस की बात की है, इस पर लाखों रूपया खर्च होगा। लेकिन इससे हमारे यहां के लाखों को रोजगार मिलेगा। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं दो मिनट में खत्म करता हूं। अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में जो चहुमुंखी विकास हुआ है, वह इस सरकार ने चौ. भजन लाल जी के नेतृत्व में किया है।

महर्शि दयानन्द एक बहुत बड़े आर्य समाजी थे। उन्होंने अपनी पुस्तक ''सत्यार्थ प्रकाश'' में लिखा है कि मनुश्य के पूर्ण विकास के लिए मनुश्य का, समाज का सर्वागीण विकास तभी माना जाता है जब मनुश्य का सामाजिक, शारीरिक और आत्मिक विकास हो। इसमें से अगर एक भी कम हो तो मनुश्य का पूरा विकास

नहीं माना जाता। आज हमारी सरकार ने जो बहुत से निर्णय लिये हैं, उसकी जो नीतियों हैं, वे महर्शि दयानन्द की बातों से प्रेरणा लेकर बनाई हुई हैं। हमारी सरकार ने विशेश रूप से चौ. भजन लाल जी ने हरियाणा के अन्दर ऐसी अनेकों नीतियां चलाई हैं, जिनसे हर हरियाणवी का सामाजिक और आर्थिक विकास हो। विकास के जो भी कार्यक्रम हैं, वह हर सतर पर चलाए गए हैं। महर्शि दयानन्द जी की बातों से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने जो प्रदेश के अन्दर लोकप्रिय कार्य किए हैं या कर रही है, इन सबके लिए मैं सरकार को और चौ. भजन लाल जी को धन्यवाद देता हूं, और यह जो धन्यवाद प्रस्ताव नलवा जी ने रखा है, मैं उसका अनुमोदन करता हूं।

Mr. Speaker: Motion moved –

That an Address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 28th February, 1994."

Hon'ble Members, I have received a notice of amendment from Sarvshri Bansi Lal, Om Parkash Jindal, Chhattar Singh Chauhan, Attar Singh, Ram Bhajan Aggarwal, Karan Singh Dalal And Smt. Janki Devi Mann, M.L.As. This notice of amendment will be deemed to have been read and moved.

“That int he motion, the following be added at the end, namtely:-

“but regret that no mention has been made of:

1. Concrete steps which the Government proposes to take to arrest pricerise and bring back the price-line to January 1993-level.

2. Concerete steps proposed to be taken by the Goverment to streamline the deteriorating Public Distribution system.

3. To facilitate the formation of Co-Operative Soccieties of the unemployed educated youth in the State which would be preferred for the allotment of Bus-route permit, Agencies like Gas, Petrol Pump,m Tractors, Four Wheelers, Motor Cycles, Scooters, Cars, Trucks, Cement Kerosin Oil etc. and contracts for developmental works like digging/Desilting canals, construction work of Govt. and all the corporationtions and autonomous bodies only be allotted to the Cooperative Societies of the educated youth of the State.

4. Declaration of Government intention to nationalise all the mines in the State to prevent looting of precious resources of the State by the vested interests.

5. Intention of the Goverment to allow police personal to form Association.

6. Declaration of the intention of the Government to ban colonization by private parties and to have it done only through HUDA, Cooperative Societies of unemployed educated

youth, Housing Board to put a step to exploitation of the public by the private colonisers.

7. Scheme for giving employemnt to the members of each family in the State even though he or she may be unfortunate to he remained uneducated by a definite date.

8. Concrete steps which the Government proposes to take to complete SYL canal to facilitate the farmers to irrigate their fields in the State.

9. Eradication of un-cleanliness in villages by a definite date."

प्रो. सम्पत सिंह (भट्टूकलां): स्पीकर सर, मैं गवर्नर ऐड्रेस पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर कुछ कहने से पहले एक बात कहना चाहता हूं कि जिन दो खिलाडियों का जिक्र गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस में किया है, उनके बारे में पार्लियामैंट की तरह ही एक प्रस्ताव इस हाउस को भी पास करना चाहिए। संतोश यादव और कपिल देव को उनकी उपलब्धियों के लिए इस हाउस को भी उनको मुबारिकबाद देने के लिए एक रैजोल्यूशन लाना चाहिए। इनकी जो उपलब्धि रही है, यह सराहनीय है। इससे हरियाणा का नाम ऊंचा हुआ है क्योंकि ये दोनों ही खिलाड़ी हरियाणा से बिलौंग करते हैं। जिस तरह से पार्लियामैंट के प्रस्ताव में कहा गया है कि इन्होंने देश का नाम ऊंचा किया है, उसी तरह से इस हाउस को भी उनके बारे में एक रैजोल्यूशन लाना चाहिए।

स्पीकर सर, अब मैं गवर्नर ऐड्रस पर कहना चाहता हूं कि कल गवर्नर साहब यहां पर आए थे और हमने जो गवर्नर ऐड्रैस का बायकाट किया था, उसके कई कारण थे। गवर्नर ऐड्रैस जो तैयार किया गया था वह ऐसी सरकार के द्वारा तैयार किया गया था जो हरियाणा में ऐग्जिसटैंस में नहीं है। आज हरियाणा में कानून नाम की कोई चीज नहीं है, आज सारे हरियाणा में जंगल राज है। आज हरियाणा प्रदेश में रोजाना हत्या, अपहरण, बलात्कार, चोरी, डकैती और इस तरह के अन्य कार्यों की झड़ी सी लगी हुई है। स्पीकर सर, आज चोरी का माल भी थानों में बरामद हो रहा है। थाने तो माल की बरामदगी किया करते हैं लेकिन हरियाणा में थानों में चोरी का माल बरामद हो रहा है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हांसी में थाने में चोरी का माल बरामद किया गया है। किसी भी आदमी के जानमाल की सुरक्षा नहीं है। पता नहीं आज हरियाणा मैं किसका राज है। एक सी.एम. विद–इन हाउस अरैस्ट है, एक सी.एम. विद इन ब्रैकिट (सी.एम.) में है। अगर टैलीफोन जाता है तो दोनों यह कहते हैं कि सी.एम. साहब बात करेंगे। अधिकारी बड़े अचम्भे में रहते हैं कि किसकी बात को माने और किसकी बात को न माने। एक डिज्यूरो 'सी.एम.' है, एक डी–फैक्टो 'सी.एम.' है।

श्री अध्यक्ष: सम्पत सिंह जी, आप ही बात दें कि आपमें से डिज्यूरो कौन है और डिफैक्टो कौन है?

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर सर, मैं तो डिज्यूरो हूं और डिफैक्टो चौ. ओम प्रकाश चौटाला जी हैं। मैं इसको ऐडमिट करता हूं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि वह हमारे लीडर हैं। तो स्पीकर सर, मैं कह रहा था कि हरियाणा में किस तरह के हालात हैं। फाईनैंशियल क्राइसिज है। आज कोई डिवलैपमैंट के काम नहीं हो रहे हैं। सरकार के पास कर्मचारियों को तनख्वाह देने के लिए पैसा नहीं है। इसी तरह से दस परसैन्ट की कटौती प्लानिंग में की गई। (विघ्न)

चौ. वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं (विघ्न) –

श्री अध्यक्ष: बीरेन्द्र सिंह जी, इस तरह से इन्ट्रप्ट न करें।

Ch. Birender Singh: I want your ruling, Sir. The Leader of the opposition has himself said, "I am not the Leader of the Opposition, I am the leader". This is what he has said.

Prof. Sampat Singh: I have not said that, I am not the Leader of Opposition. I am the Leader of Opposition. I have said that Ch. Om Parkash Chautala is my leader outside the House. आपकी तरह से नहीं कि जिलों में कुछ कहेंगे और चंडीगढ़ में कुछ कहेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंह: स्पीकर सर, मेरी आपसे गुजारिश है कि बीच में दखलंदाजी न हो। (शोर)

Ch. Birender Singh: To straighten the record, I want to know whether the Leader of Opposition has said that I am not the Leader of Opposition. I am the leader only on the papers and my leader is Ch. Om Parkash Chautala.

श्री अध्यक्ष: बीरेन्द्र सिंह जी, आप बैठ जाइए।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर सर, इसी तरह से फाईनैंशियल क्राइसिज आई है। प्लान न. 10 परसैट कट करना पड़ा है। न बिजली है, न पानी है महीने में एक सप्ताह भी पीने का और नहरों का पानी नहीं मिल रहा है, उत्पादन प्रभावित हो रहा है। खाद, बीज और कीटनाशक दवाइयां गायब हो चुकी है। लैन्ड ग्रैबिंग मूवमैंट की तरह चल रही है। हर जगह से सस्ते अनाज के डिपो गायब हो चुके हैं, उनके जो दरों के बोर्ड लगे थे, उन पर आज कल लिखा होता है – Jobs are for sale on such and such prices. इस तरह के हालात हो रहे हैं, साथ में मिनिस्टर क्या कहते हैं? आज बैठे हैं, चेहरे बुझे हुए हैं, सारे के सारे कहते हैं कि हमारी कोई चलती नहीं है, हमें कोई चपरासी पूछता नहीं है, हमारा कोई जिक्र नहीं है, सबके ऐसे हालात हैं, इस तरह की इनकी पोजीशन हो रही है।

दर्जन * * * * एस हालात आज आपके सामने हैं, इम्पलौयीज के हालत आपने देखे ..... (विघ्न)

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सम्पत सिंह जी ने जो क्रिमिनल केसिज वाली बात

कही है, यह रिकार्ड परनहीं आनी चाहिए। यह बिल्कुल बेसलैस और बे–बुनियाद बात है।

श्री अध्यक्षः क्रिमिनल केसिज वाली बात रिकार्ड पर न लाई जाए।

प्रो. सम्पत सिंहः स्पीकर सर, हमने तो यह सोचा था कि गवर्नर साहब कोई लम्बा भाशण करने के बजाए 2–3 लाइन का भाशण करके कहेंगे कि इस सरकार की संविधानिक मशीनरी फेल हो चुकी है, इसलिए मैं इस सरकार को डिसमिस करता हूं, असैम्बली डिजौल्व करता हूं for fresh elections लेकिन स्पीकर सर, 23 पेज का जो गवर्नर ऐड्रैस हो गया, इसलिए हमें उस पर बोलना पड़ रहा है। स्पीकर सर, इनकी जितनी मीटिंगज जितनी सभाएं हैं, बिना सरकारी मशीनरी के सारी फलौप हो रही हैं। चाहे कहीं भी मीटिंग करें, सरकारी कर्मचारी और लेबर, मजदूर, फैक्टरी से लाने पड़ते हैं, उन्हें हरियाणा रोडवेज की बसों में ढो–ढोकर लाते हैं और मीटिंग करते हैं। एक मिनिस्टर के हल्के में मीटिंग हो रही थी। मुख्यमंत्री जी वहां गए थे वहां बच्चे बैठे थे, इन्होंने पूछा बच्चों को क्यों बैठा रखा है? इनके अधिकारियों ने कहा कि अगर इनको उठा दिया गया तो यहां सुनने वाला कोई नहीं बचेगा। यहां सुनने के लिए या तो सरकारी अधिकारी हैं या बच्चे हैं।

स्पीकर सर, यह सरकार लोगों का कौन्फीडैन्स लूज कर चुकी है। मेरे काबिल साथी नेहरा साहब बसंत पंचमी के अवसर पर सर छोटू राम जयन्ती के एक समारोह में बहादुरगढ़ गए थे। वहां इनकी सभा में सिर्फ 50 आदमी गए थे। सर छोटू राम की जयन्ती हो और उसके नाम पर सिर्फ 50 आदमी इकट्ठे होते हैं। उनका नाम बदनाम करते हैं। लोग तो इसलिए नहीं आए क्योंकि लोग इनकी शक्ल नहीं देखना चाहते। इसलिए लोग वहां पर नहीं गए थे। लेकिन यह लोग नाम ले छोटू राम का, यह गलत बात है। स्पीकर साहब, इसी तरह से श्री आनन्द सिंह डांगी मिनिस्टर हमारे सामने बैठे हैं। इनकी हालत जो है, वह आपके सामने है। यह भी रोहतक में चौ. छोटू राम जयन्ती के मौके पर बोल रहे थे। बोलते हुए यह चौ. देवी लाल की शान में कुछ कह गए। लोगों ने उसी टाईम खड़े होकर इनकी रीबफ किया और सनब किया। स्पीकर साहब, लोगों ने इनको न बोलने के लिए मजबूर कर दिया। ऐसी पोजीशन इन मिनिस्टर्ज की हो रही है। एक मेरे साथी चौ. छतर पाल सिंह जी भी यहां पर बैठे हैं। उन्होंने हाल ही में अपने हल्के में बोलते हुए एक बात कही है। जब ये हसनगढ़ में जाते हैं, तो वहां जाकर क्या भाशण करते हैं? कहते हैं कि चौ. देवी लाल देवता समान आदमी हैं। चौ. देवी लाल किसानों के मसीहा हैं। (व्यवधान व शोर)

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (प्रो. छतरपाल सिंह): इस बारे में टेप–रिकार्ड भी है और वीडियो भी हैं। आप टेप देख लेना, सब पता चल जाएगा।

प्रो. सम्पत सिंह: वह तो मंगवा लिया होगा। (व्यवधान व शोर) वह तो सी.एम. साहब ने मंगवा लिया होगा। तो स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा था कि यह चंडीगढ़ में आये। जाट महासभा की तरफ से एक फंक्शन हो रहा था। जो उसके उपाध्यक्ष थे, जब इनका गुणगान करने के बाद वे बोल रहे थे तो उन्होंने इनसे क्या कहा? वे इनको सम्बोधित करते हुए यह कहते है। कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर यह बड़े ही दुर्भाग्य की बात है कि जो जाट अफसर हैं, उनकी फाईल पर ''जे'' लिख दिया जाता है ताकि अनुकूल फैसला न किया जाए। इनकी प्रेजैन्स में यह बात कही गयी है। इससे फालतू कोई अनफाचुनेट बात और कोई नहीं हो सकती। इनकी एकाउन्टेबिलिटी कोलैक्टिव होती है। यह बात इनकी प्रेजैन्स के अन्दर हुई है। (व्यवधान व शोर)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण –

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (प्रो. छतरपाल सिंह) द्वारा –

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (प्रो. छतरपाल सिंह): आन ए प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेनेशन, सर। स्पीकर साहब, मेरे साथी प्रोफैसर सम्पत सिंह जी ने दो संदर्भो में मेरा जिक्र किया। एक तो इन्होंने हसनगढ़ का जिक्र किया कि मैंने चौ. देवी लाल को

देवता और मसीहा कहा। अब मैं इनको सदन में साथी कहने लग रहा हूं। इसका मतलब यह नहीं है कि यह बहुत बढ़िया आदमी हैं। यह तो विधान सभा की मर्यादा है। हसनगढ़ में जो बात हुई है, वह मैं बताना चाहता हूं। मैंने यह कहा था कि छोटू राम जी किसानों के सम्बन्ध मैं दीनबन्धू इसलिए कहलवाये क्योंकि उनके साथ गरीब और मजदूर आदमी थे। छत्तीस बिरादरियों के वह मसीहा थे। इसके बाद मैंने चौ. चरण सिंह का और जगजीवन राम का जिक्र यिका क्योंकि उन्होंने रूरेलाईटस या देहातियों के लिए काफी काम किया। जब मैंने चो. देवी लाल की बात शुरू की तो मैंने यह कहा कि हालांकि चौ. देवी लाल ने विपक्ष से चुनाव लड़े थे, उम्र का तकाजा यह है कि मैं उनके बारे में ज्यादा चर्चा न करूं और उनके बारे में कोई अपशब्द न कहूं। वह किसानों के देवता बनने के लिए चले थे। किसानों ने उन पर यकीन करके उनको बहुत ऊंचा बिठा दिया था लकिन उसके बाद जितना कुछ चौ. देवी लाल को किसानों की शक्ति के आधार पर मिला था, वह सारा उन्होंने श्री–श्री 1008 श्री ओम प्रकाश चौटाला के कदमों में डाल दिया। उसके बाद जो नवभारत टाईम्ज में छपा कि ''ओम प्रकाश देवता और सबसे बड़ा अपराधी छतरपाल'' उसका जिक्र सम्पत सिंह जी ने इस सदन में नहीं किया। वह इसलिए नहीं किया क्योंकि उन सारी बातों का बखान करना पड़ेगा। हसनगढ़ के बाद चण्डीगढ़ की जाट सभा का जिक्र किया। यह कहते हुए चर्चा करी कि ''जे'' शब्द लगा दिया जाता है। मैंने बड़े फख्र के साथ एक बात कही थी। यहां पर भी फिर कहता हूं। मैं सरकार

का एक मंत्री हूं। मैं अपने समाज की मीटिंग में आया हुआ हूं। मैंने तो ''जे'' शब्द किसी फाईल पर लिखा हुआ नहीं देखा। रोजाना हजारों फाईलें आती–जाती हैं। हमने जो शपथ ली है कि हम किसी जाति–विशेश, वर्ग–विशेश या व्यक्ति विशेश के साथ या खिलाफ बायस्ड एटीच्यूड से काम नहीं करेंगे, वह गलत होगी। अगर हम ऐसा करते तो यह सरकार पलट गई होती, यह सरकार नहीं रही होती। इस तरह के शब्द हमारे किसी भी साथी ने नहीं कहे। हमारा कोई भी साथी इस मंशा के काम नहीं करता। मैंने यह कहा था कि जो सुनने में आता है और अपोजीशन के जो लोग बार–बार इस बात को उछालना चाहते हैं और हमारी सरकार पर ब्लेम लगाना चाहते हैं, इस बारे में हम कांस्टैन्टली बिजिलैंट हैं कि हमारा कोई साथी या कोई मंत्री ली गई शपथ के विपरित तो काम नहीं कर रहा है। आज यह सरकार चौ. भजन लाल के नेतृत्व में शानदार काम कर रही है। जाति विशेश और व्यक्ति विशेश के खिलाफ कोई बात सामने रखकर हमारी सरकार द्वारा कोई फैसला नहीं किया जाता।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, यह ठीक बात है। चीफ मिनिस्टर के चैम्ब्र में सफाई देने के लिए यह बात कही होगी लेकिन बाकी बातें जो इन्होंने कहीं, व तो वही कहीं थीं जो मैंने कही हैं।

प्रो. छतरपाल सिंह: स्पीकर साहब, हमारे कार्यकर्ता, हमारे विधायक और हमारे मंत्री जो बात चैम्बर में करते हैं, वहीं

बात स्टेज पर करते हैं। हम किसी बात को ओन करने से कभी नहीं डरते।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, जो मैंने कहा है वह ठीक है। पहले अखबार में बाकायदा बयान आ गया और बाद में इन्होंने अपनी सफाई में ब्यान दिया। ऐसा ब्यान क्यों दिया गया, स्पीकर साहब, इसके लिए बाकायदा एक नौजवान साथी खुद मुख्यमंत्री ने इनके पास भेजा कि मामला क्या है? छतरपाल क्यों नाराज हैं। पता लगा कि कोई सर्विस का मामला था। किसी मंत्री का तो आदमी लग गया और इनका आदमी नहीं लगा। स्पीकर साहब इसी तरह से हमारे एक और काबिल मंत्री हैं। उनके पास होम डिपार्टमैंट है। उनका ब्यान अखबार में आया कि मुझे वायरलैस नहीं मिला, मुझे हवलदार और सिपाही नहीं मिल और मुझे कन्टैसा गाड़ी नहीं मिली।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री सुभाश बतरा): स्पीकर साहब, इस किसम का कोई ब्यान अखबार को मैंने नहीं दिया। मुझे उस आदमी की तलाश थी जिसका इस ब्यान के पीछे हाथ था। आज मुझे पता लग गया कि सम्पत सिंह का हाथ उस ब्यान के पीछे है। में इनको बताना चाहता हूं कि होम डिपार्टमैंट में मेरी पावर क्या है, इससे इनको पता लग जाएगा अगर ये कोई कानून तोड़ने की बात करें। प्रो. सम्पत सिंह कानून तोड़ कर दिखाएं और फिर देख लें कि मेरे क्या अख्तियार है। इनको पता लग जाएगा। आप

कानून और व्यवस्था को तोड़कर दिखाएं और फिर देख लें कि मेरे क्या अख्तियारात हैं।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो. सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी होम डिपार्टमैंट की बात यहां हो रही है। यह अच्छी बात है कि मेरे साथी श्री बतरा जब जाएं तो बैंड बिगूल न बर्जे, बिल्कुल सन्नाटा रहे। अगर इनको वायरलैस नहीं चाहिए तो हमें क्या एतराज हो सकता है। इनकी कन्टैसा कार नहीं चाहिए तो अच्छी बात है। इन्होंने यह बात कही है कि मुझे कुछ नहीं चाहिए, हमें क्या एतराज हो सकता है। अब स्पीकर साहब, मैं दूसरी बात करता हूं।

अब मैं विशेशकर इरीगेशन और पावर के बारे में मैं कहना चाहता हूं। जहां तक इरीगेशन का सवाल है, आज हरियाणा प्रदेश में इसके तीन सोर्स हैं। पहला सोर्स यमुना, दूसरा सोर्स भाखड़ा और तीसरा सोर्स रावी ब्यास का पानी। जहां तक यमुना के पानी का सवाल है, इसका बंटवारा वन्स फार आल डिसाइडिड हो चुका है। इसका 2/3 पानी हरियाणा का है और 1/3 यू.पी. का है। पिछले दिनों सैन्ट्रल वाटर रिसोर्सिज मिनिस्टर ने एक मीटिंग बुलाई थी जिसमें चीफ मिनिस्टर साहब गए थे। तब हमाने ब्यान दिया था कि अगर यह मीटिंग यमुना वाटर शेयरिंग के बारे में है तो आप उसमें मत जाएं। अगर यह मीटिंग हथनी कुंड बैराज को बनाने के बारे में है तो आप जरूर जाएं। उस मीटिंग का

एजेंडा ही वाटर शेयरिंग के बारे में था कि कितना–कितना शेयर होगा? इन प्रिंसिपल मान लेना कि हिमाचल का इतना शेयर होगा, दिल्ली का इतना होगा और राजस्थान का इतना होगा यह भी गलत बात है। आज पंजाब के मुख्यमंत्री भी बार–बार थ्रैट करते हैं, उनके ब्यान आते रहते हैं कि एस.वाई.एल. नहर का निर्माण यमुना वाटर के साथ लिंकड है जबकि पंजाब का इसमें कोई हिस्सा नहीं बनता। इसके बावजूद भी इनका उस मीटिंग में जाना यह सिद्ध करता है कि इन्होंने उसको मान लिया है। हमारी सरकार के समय एक बार मुझे ऐसी मीटिंग में जाने का मौका मिला था। मैंने एक मिनट में मीटिंग कनक्लूड कर दी और मैं मीटिंग छोड़ कर आ गया था। मैंने कहा था कि इसमें इनका हिस्सा नहीं है इसलिए यह मीटिंग बुलाने का कोई मतलब नहीं है। ये यमुना के पानी को खोते जा रहे हैं। स्पीकर साहब, जब भाखड़ा मेन लाइन बनी थी तो उसकी कैपेसिटी साढ़े बारह हजार क्यूसिकस की थी। उसके बाद उसके किनारे कमजोर होने और सीपेज की वजह से उसकी कैपेसिटी घटती चली गई। हमारी सरकार ने 1990 के अन्दर पंजाब सरकार को उसकी रिपेयर के लिए 1 करोड़ 90 लाख रूपए दिए थे। उन्होंने उसमें से 1 करोड़ 70 लाख रूपए खर्च कर दिए और आज तक 20 लाख रूपए खर्च किए बिना उसके पास पड़े हैं। आज उस नहर की रिपेयर का एस्टीमेट 8 करोड़ रूपए का है ओर आज पंजाब सरकार ने उस पर काम बन्द कर रखा है। मुख्यमंत्री जी कहते हैं कि बेअंत सिंह मेरे दोस्त हैं। ठीक है हमें कोई एतराज नहीं कि वे इनके दोस्त

हें लेकिन ये उनसे अपना काम तो करवाएं। आज उस नहर की कपेसिटी सात हजार क्यूसिक से ज्यादा नहीं रह गई है। अगर रैजरवायर के अन्दर पानी होगा तो भी वह इस नहर के अन्दर पूरा कैसे आएगा? उसकी कैपेसिटी आज खत्म होती जा रही है और इस सरकार का उस तरफ कोई ध्यान नहीं जा रहा है। इसी तरह से रावी बयान के पानी की बात थी। जब से एस.वाई.ल. नहर पर काम शुरू हुआ है तब से लेकर हर गवर्नर एड्रैस में उसका जिक्र आता रहा है। स्टेट गवर्नमैंट गवर्नर का एड्रैस तैयार करती है और उसमें दर्शाती रही है कि पिछले साल सरकार की क्या परफारमैंस रही और आने वाले साल में क्या होगी? लेकिन इस एड्रैस में एम्ज एंड आबजैक्टस के अन्दर कहीं भी एस.वाई.एल. नहर का जिक्र नहीं है। मैंने इस एड्रैस को रात देर तक पढ़ा लेकिन मुझे एस. वाई.एल. का नाम कही नजर नहीं आया तो इससे शर्मनाक बात क्या हो सकती है? क्या यह सरकार एस.वाई.एल. के नाम से भाग रही है। ऐसे लगता है कि पंजाब के मुख्यमंत्री से इनका गुप्त समझौता हो चुका है कि ब्यानबाजी करते जाओ और करना कुछ भी नहीं। मुख्यमंत्री जी ने माना है कि जब चन्द्र शेखर जी प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने उस समय इस नहर का काम 21.2.91 को बी.आर.ओ. को दिया था। मुख्यमंत्री जी ने यह भी माना था कि चूंकि उस समय चन्द्र शेखर जी को कांग्रेस की स्पोर्ट थी ओर हमने उनको इसके लिए परसुरड किया था। अच्छी बात है आपने उसको परसू कर लिया लेकिन आज इनकी अपनी सरकारी क्या कर रही है। सैंटर में कांग्रेस पार्टी की सरकार है, पंजाब में

कांग्रेस पार्टी की सरकार है और हरियाणा में भी कांग्रेस पार्टी की सरकार है उसके बावजूद भी ये लोग उसकी तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसका मतलब यह है कि इनके एजेन्डे से एस.वाई.एल. नहर खत्म हो चुकी है। अब ये ब्यान देते हैं कि एस.वाई.एल. नहर एक साल में पूरी हो जाएगी। स्पीकर साहब, एक साल में 365 दिन होते हैं। अब इन्होंने पी.एच.डी. की हुई है, हो सकता है इनके हिसाब से एक साल में 365 से फालतू दिन हों। इस बारे में भी इन्होंने कोई नई रिसर्च कर ली होगी। आज अढ़ाई पौने तीन साल हो गए लेकिन इनके अभी तक 365 दिन पूरे नहीं हुए हैं। अब कहते हैं कि एस.वाई.एल. नहर 6 महीने में पूरी हो जाएगी। अब इन्होंने 6 महीने की मियाद लगा दी। मैं कहता हूं कि ये 6 महीने एस.वाई.एल. नहर की मियाद नहीं है यह इनकी अपनी मियाद है। जिस तरह से 1986 में ये मेरा हुआ सांप चौ. बंसी लाल जी के गले में डालकर चले गए थे उसी तरह से ये अब नेहरा साहब, अरोड़ा साहब या एस.सी.चौधरी के गले में डालकर चले जाएगे और बाद में कह देंगे कि क्या करूं मेरी टर्म 6 महीने से पहले चली गई वरना मैं इसको पूरी कर लेता। स्पीकर साहब, अब आने वाले समय में एस.वाई.एल. नहर को पूरा करने का खर्चा 500 करोड़ रूपए से कम नहीं होगा। उसको बनाने का काम आज स्टार्ट कर लें आने वाले तीन साल से पहले उसका काम पूरा नहीं होगा। उसके अन्दर 263 ब्रिचिज आई हुई हैं और जो लाइनिंग की डैमेज है वह अगल है। इसके अलावा सिरसा एक्वाडैक्ट के काम बाकी हैं उनके सारे मैटीरियल को रीकलैक्ट करने में आप

कम से कम एक साल लगा देंगे। मेरे कहने का मतलब यह है कि आप एस.वाई.एल. नहर को कम्पलीट करवाने के लिए सीरियस नहीं हैं। स्पीकर साहब, 21 सितम्बर को मुख्मयंत्री बेरी में गए थे। वहां पर इन्होंने ब्यान दे दिया कि 2 अक्तूबर को प्रधानमंत्री जी सोनीपत आएंगे और वहां पर उस दिन वे एस.वाई.एल. नहर का काम स्टार्ट करने की घोशणा करेंगे। हमने सोचाा यह बहुत अच्छी बात है। इमने इनकी उस बात का वैलकम किया कि पी.एल. साहब सोपीपत आएंगे और एस.वाई.एल. नहर का काम स्टार्ट करने की घोशणा करेंगे। हमने उस समय यह सोचा कि सबसे पहली हमारी पार्टी होगी जो इस काम की घोशणा के लिए पी.एम. साहब को थैंक्स भेजेगी। स्पीकर साहब, अनफार्चुनेटली पी.एम. साहब वहां नहीं आए। क्यों नहीं आए, इस बारे में मुख्यमंत्री जानें? हो सकता है उनकी मंशा भी एस.वाई.एल. को कम्पलीट न करवाने की हो। इस वजह से नहीं आई हों। यदि और कोई कारण है तो उसके बारे में मुख्यमंत्री स्वयं बता देंगे।

इसके अलावा स्पीकर साहब, जहां तक पावर का सवाल है कहा गया कि पावर की स्थिति सुधर गई है। मेरे साथी राव बंसी सिंह जी जो इस समय हाउस में नहीं हैं, वे खुद नांगल सरोही गए थे। वहां पर उनका लोगों ने दो घंटे तक घेराव किया और कहा कि 15 दिन से बिजली नहीं आ रही है। पावर मिनिस्टर साहब कहते हैं कि मैंने वहां पर दो महीने लगा दिए। मैं कहता हूं कि चाहे आपने 6 महीने लगा दिए हो लेकिन पावर की हालत

बहुत खराब है। आप इस बारे में राव बंसी सिंह जी से पूछ सकते हैं। बिजली के रेटस का जिक्र आया। स्पीकर साहब, एक तरफ बिजली नहीं है और दूसरी तरफ डौमैस्टिक कंज्यूमर्ज और कौमर्शियल कंज्यूमर्ज से फ्यूअल चार्जिज नहीं लिए जाते थे, अकेले इंडस्ट्रीयल कंज्यूमर्ज से लिए जाते थे लेकिन इस सरकार ने डौमस्टिक कंज्यूमर्ज ओर कौमर्शियल कंज्यूमर्ज दोनों कैटेगरीज पर फयूअल चार्जिज लगा दिए। इसके अलावा, मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि अब कोई किसान टयूबवैल तो लगा ही नहीं सकेगा क्योंकि इस सरकार ने ऐडीशनल लोड का ट्रांस्फार्मर लगाने के लिये एक हजार रूपए पर हार्स पावर रेट बढ़ा दिया है। यदि कोई किसान टयूबवैल लगाना चाहे तो उसको एक हजार रूपया पर हार्स पावर देना पड़ेगा। यदि 10 हार्स पावर की मीटर लगेगी तो उसको 10 हजार रूपए देने पड़ेगें और 2 हजार रूपए सिक्योरिटी के देने पड़ेंगे। ट्रांस्फार्मर से टयूबवैल तक की तारों का खर्चा 50 रू. प्रति मीटर लगेगा, यदि दूसरी 500 गज है तो एक टयूबवैल पर 30–35 हजार रूपए कुल खर्चा जाएगा। इसी तरह से डोमैस्टिक कंज्यूमर्ज को 85 रूपये की बजाए 300 रूपये देने पड़ेगें और दुकानदार को 500 रूपये से एक हजार रूपए तक देने पड़ेंगे। शायद मुख्यमंत्री जी को मालूम होगा कि निंगथला गांव में 300 हरिजन परिवार मणियों की माला बना कर बेचते हैं ओर अपना गुजारा करते हैं, उनको भी यह कह दिया गया है कि आप कौमर्शियल सैक्टर में आते हैं। स्पीकर साहब, वे गरीब हरिजन परिवार मणियों की माला बना कर बेचते हैं, उनको कहते

हैं कि ये कौमर्शियल सैक्टर में आ रहे हैं अतः एक हजार रूपये प्रति कनैक्शन उनसे पैसे मांगे जा रहे हैं, नोटिस दिये जा चुके हैं। इस तरह के ये हालात कर रहे हैं और फिर कह रहे हैं कि हम बिजली का सुधार कर रहे हैं। पानीपत थर्मल प्लांट की चारों यूनिट 23 तारीख से कोयले की कमी की वजह से बन्द पड़ी हैं। इनके पास पैसे की कमी है जिस कारण ये कोल इण्डिया को पैसे देकर कोयला नहीं उठा पा रहे। कोल इंडिया कंपनी इनसे 100 करोड़ रूपये मांग रही है। जहां तक यूनिट नं. 1 की बात है, उसकी रिपेयर का काम हमारे समय शुरू हुआ था। उस समय थोड़ा बहुत रिपेयर का काम बाकी रह गया था। उस समय इस यूनिट पर 5 करोड़ रूपये का प्रावधान करके रिपेयर कर काम शुरू किया गया था। अब पिछले डेढ़ साल से इस यूनिट नं. 1 ने 10–12 मैगावाट से ज्यादा बिजली पैदा नहीं की है। जब तक 10–12 मैगावाट से ज्याद बिजली पैदा नहीं हो जाती, उस समय तक ग्रिड में बिजली ही नहीं जा सकती। जहां तक 5वीं यूनिट की बात है, उसकी जनरेशन का काम भी हमारे समय में पूरा हुआ था। छठी यूनिट लगाने की स्कीम भी हमारे समय में तैयार हुई थी। अब इस छठी यूनिट के बारे में कभी मुख्यमंत्री जी का और कभी ए.सी. चौधरी जी का ब्यान आता है कि इनको हम शुरू कर रहे हैं। लेकिन में हाउस की जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि इस यूनिट के लिये इन्होंने पैसा का कोई प्रावधान अभी तक नहीं किया है। न ही कोई फाइनैंस कम्पनी इस काम को करने के लिये आगे आई है। इस यूनिट पर 350 करोड़ रूपये का खर्चा

आएगा, लेकिन अभी तक इसके लिये पैसे का कोई प्रोवीजन सरकार की तरफ से नहीं हुआ है। बी.एच.ई.एल. ने पानीपत थर्मल प्लांट के लिये जो हैवी मशीनरी भेजी हुई है वह पानीपत रेलवे स्टेशन पर पड़ी हुई डैमेज हो रही है। उसको वहां से उठाने के लिये भी इनके पास पैसे नहीं है। अब ये उनके साथ कोई सौदा करके ही उस सामान को उठाएंगे। स्पीकर साहब, खुद ए.सी. चौधरी जी ने माना है कि बिजली के मामले में हमारी स्थिति बहुत खराब है और हमारी स्थिति इस प्रकार की हो गई है जैसे साहूकार और कर्जदार की होती है। ये जो कोयला अब ला रहे हैं उसमें 40–50 परसैन्ट राख आ रही है। जबकि इसकी रेशो 5–10 परसेन्ट स ज्यादा नहीं होनी चाहिए। जब इतनी अधिक राख कोयले में आएगी तो फिर बिजली कहां से पैदा होगी (विघ्न) इन्होंने 28 मार्च, 1993 को यमुनानगर में थर्मल प्लांट लगाने के लिये फरीदाबाद से ही बटन दबवाकर प्रधान मंत्री से पत्थर रखवा दिया। इस बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं कि आज इस पत्थर को रखे हुए तकरीबन एक साल हो चुका है, वहां पर एक इंच काम भी नहीं हुआ है और न ही इस पर एक पैसा खर्च किया गया है। इतना ही नहीं, इस प्लांट को न तो प्लानिंग कमीशन ने, और न ही सेन्टर कैबिनेट ने मंजूर किया है। भाशण तो देते हैं कि इस पर काम बड़ी तेजी से चल रहा है और बहुत जल्दी ही इस प्लांट से जनरेशन आ जाएगी। अब में हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि जिस जमीन पर यह प्लांट लगाया जाना था, वहां पर अब 30 हजार पौधे लगा दिए गए हैं और कह दिया

कि अब इसकी कोई जरूरत नहीं है। वहां ऐ एन.टी.पी.सी. ने अपना स्टाफ भी हटाना शुरू कर दिया। वहां पर जो डी.जी.एम. और मैनेजर इन्जीनियर आदि स्टाफ था वह जो चुका है। मैं इनकी जानकारी के लिये बताना चाहता हूं कि कहीं पर भी ऐसा कोई बड़ा प्लाट लगाने से पहले एक 33 के.वी. का सब स्टेशन लगाना पड़ता है। अब तक उस पर भी काम शुरू नहीं हुआ। जब इस पर काम ही शुरू नहीं हुआ तो थर्मल प्लांट पर काम होने का सवाल ही नहीं उठता क्योंकि थर्मल प्लांट पर तो इस सब–स्टेशन के बाद ही काम शुरू होगा इसलिये जो ये ब्यानबाजी करते हैं वे सारी की सारी असत्य हैं, वहां पर कुछ नहीं हो रहा है। स्पीकर साहब, ये फरीदाबाद की बात करते हैं, जो रेलवे के लेनदार हैं वे आते हैं, वो कोल के लेनदार हैं वे आते हैं। जो भी कम्पनी आती है वह इनसे डर कर चली जाती है। क्यों चली जाती है? ये कर्जदार के पास आते हैं और कर्जदार की पोजीशन को समझ कर वापिस चले जाते हैं हिसार थर्मल पर भी कोई काम नहीं हो रहा है। इस तरह तीनों यूनिट कैसे काम करेंगे, उन पर कोई काम नहीं हो रहा है।

स्पीकर सर, इसी तरह से सोशल वल्फेयर में भी सरकार की हालत खराब है। चौ. देवी लाल की सरकार ने सोशल वेल्फेयर की कई स्कीमें चलाई थीं। 60–65 साल के वृद्धों को मान–सम्मान देने के लिये बुढ़ापा पैंशन दी गई थी। उसमें कोई आर्थिक स्थिति की बात नहीं थी हरेक आदमी को चाहे वह आई.ए.

एस. का बाप था या आई.ए.एस. का मां थी हर किसी को बराबर पैंशन मिलती थी लेकिन इनकी सरकार ने सामाजिक मान–सम्मान की बात को दरकिनार करके उसमें दसियों शर्तें लगा दी हैं जिसकी वजह से वह स्कीम लगभग समाप्त ही हो गई हैं। जुलाई मास के बाद 8 महीने हो गए हैं किसी भी व्यक्ति को एक नया पैसा भी पैंशन का नहीं मिला चाहे वह बुढ़ापा पैंशन है, चाहे वह विडो पैंशन है और चाहे यह हैंडीकैप्ड पैंशन है, किसी को कोई पैंशन नहीं मिली। मांगे राम गुप्ता जी मेरे सामने बैठे हैं उनको इस बात का पता है कि सोशल वेल्फेयर महकमे ने किसी को पिछले 8 महीने से एक पैसे की पैंशन नहीं दी है। आज लोगों को उल्टे नोटिस दिए जा रहे हैं कि जो पैंशन उनको दी गई है वह वापिस करें। स्पीकर साहब, यह बड़े ताज्जुब की बात है कि लोगों को पैंशन वापिस करने के लिये नोटिस दिए जा रहे हैं। यह एक नोटिस मेरे पास है लाल सिंह सन आफ मुन्शी राम धोबी करनाल, उसको नोटिस मिला है कि 17.6.1987 से 88 तक आपने 846 रूपये की पैंशन ली है, वह वापिस करें क्योंकि आपकी उम्र पैंशन योग्य नहीं है। स्पीकर साहब, यह वृद्ध 99 वर्श का था और करीब 4 साल पहले वह मर चुका है (विघ्न) सरकार चाहे तो इस बारे में इन्क्वायरी करवा ले। यह नोटिस इनकी सरकार का है, जो इनकी ऐफिशियैंसी को जाहिर करता है। स्पीकर साहब, अगर आप चाहें तो मैं इस पत्र को टेबल आफ दि हाउस पर भी रख सकता हूं। इसी प्रकार से दूसरा नोटिस इस आदमी की पत्नी लेखवती के नाम से है जिसकी उम्र करीब 94–95 साल थी और जिसकी मरे

हुए करीब दो साल हो गये हैं, उसको भी नोटिस गया थ्क 446 रूपये की जो पैंशन उसको मिली है वह वापिस करे। स्पीकर साहब, आज इस सरकार के हालात बहुत ही खस्ता हो चुके हैं और इस सरकार ने फर्टिलाईजर्ज, सीड्ज और पैस्टिसाईडज की हालत खराब कर रखी है। आज हर प्रकार से महंगाई बढ़ रही है। फसलों के भाव कर बढ़ाए जा रहे हैं जिसका फायदा किसानों को नहीं हो रहा है। गन्ने का भाव 60 रूपये निर्धारित किया गया और ये कहते हैं कि 10 रूपये क्विंटल बढ़ा दिया लेकिन उससे शूगर मिल को कितना फायदा हुआ। चीनी जो कन्ज्यूमर आईटम्ज है पिछले 6 महीने के अन्दर उसकी दरे कितनी बढ़ी है। उपभोक्ता को, किसान को उसके लिये सवा दो सौ रूपये फालतू देने पड़ेगे। केन्द्र सरकार ने कहा है कि शीरे को टोटली डि–कन्ट्रोल करें। हमारी सरकार ने आधे शीरे पर कन्ट्रोल समाप्त किया है और आधा शीरा कन्ट्रोल पर रखा है। कन्ट्रोल्ड और डि–कन्ट्रोल्ड में 10 गुना मार्जिन है ओर उस मार्जिन का पैसा भी शूगर मिलों को मिल रहा है। सरकार को चाहिये था कि वह पैसा फारमर्ज को मिलता। कन्ट्रोल का शीरा आज डिस्टिलरीज में शराब बनोन के लिये जा रहा है और मैडीसिन और कैमिकल्ज बनाने वाली फर्मे और फैक्टरियां डि–कन्ट्रोल का शीरा लेकर अपना काम चला रही हैं। स्पीकर सर, आपने देखा है कि आज इस सरकार ने गेहूं का रेट बढ़ा दिया इससे 418 रूपये प्रति क्विटल गेहूं आम उपभोक्ता को पड़ेगी। इसी तरह से डिपो वालों के लिए चावल का 130 रूपये रेट बढ़ा दिया इसी तरह से कोआपरेटिव सैक्टर की भी

बहुत ही बुरी हालत है। इन्फैड, कान्फैड, हरकोफैड में जबरदस्त घाटा चल रहा है और उसकी वजह से मुलाजिमों की छंटनी की जा रही है। कान्फैड के 283 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है। जो घाटरा है उसको किस तरीके से रोका जाए, इम्पलाईज को निकालने से घाटरा पूरा नहीं हो सकता है। हरकोफैड की यह पोजीशन है कि इन्होंने पोलिटिक्ल आदमी को वहां पर चेयरमैन लगा रखा है। हरकोफैड तो घाटे में है, अगर नफे में होता तब तो पोलिटिक्स आदमी लगाते। लेकिन आज वह घाटे में है। कार खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं, एम.डी. ने किराए पर कार ले रखी है। चेयरमैन को कार हरकोफैड दे रही है। चेयरमैन के घर दफतर और टैलिफोर पर काफी खर्चा हो रहा है और दूसरी तरफ हरको फैड घाटे में है क्यों न इनकी छूट्टी कर दी जाए। अध्यक्ष महोदय, सरकार सोई रहती है। ऐडीशनल रजिस्ट्रार रैंक के इनके अफसर थे जो पहले एम.डी. भी रहे हैं। मुख्यमंत्री जी के नोटिस में शायद न हो लेकिन अब तक अफसरों ने उनके नोटिस में भी ला दिया होगा कि वह एक रात जेल में रहकर आया है और सरकार को मालूम ही नहीं है। उसके खिलाफ विजिलैन्स केस रजिस्टर्ड था, वह सस्पैन्ड था। सरकार ने उनको बहाल किया और उसको एम.डी. भी लगाया। कैथल के अन्दर उसी केस में कोर्ट ने उसकी जमानत रदद कर दी। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई जेल जाता है तो उसकी सस्पैंड किया जाता है लेकिन अभी तक सरकार ने कोई कार्यवाही नहीं की है।

अध्यक्ष महोदय, ट्रांसपोर्ट की जो हालत है, वह आप जानते ही हैं। इन्होंने यह कहा है कि प्राईवेटाईजेशन कर दिया है। प्राईवेट परमिट दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मुझे भी एक बार किसी वर्कशाप में जाने का मौका मिला। वहां पर मैंने देखा कि एक आदमी परमिट लिए हुए आ रहे हैं और उनसे वर्कशाप मालिक पूछ रहे हैं कि कितने कितने में लिये है। वे सिर्फ मुस्करा देते हैं और कह देते हैं कि इमसे यह न पूछें कि हमने कितने में लिए हैं। लेकिन स्पीकर साहब जो सीरियस बात है वह मैं आपको बता देता हूं। आज हरियाणा रोडवेज की बाडी बिल्डिंग का जो काम चल रहा है, वह इन्होंने जालन्धर में न्यू माडल वर्कशाप को दिया है और दो सौ से ज्याद बसों की बाडी का काम दिया है। जबकि हरियाणा रोडवेज की अपनी भी वर्कशाप है और हरियाणा में प्राईवेट वर्कशौप्स भी है। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात में नहीं जाता कि किस रेट पर काम दिया है, बाडी बिल्डिंग पर तकरीबन 2 लाख रूपया खर्च आ जाता है। दो लाख पर चार परसैन्ट जो सेलटैक्स है वह पंजाब को जाएगा, हरियाणा को नहीं आएगा। अगर ये उसी रेट पर अपने लोगों को काम दे देते तो इनको भी उससे फायदा हो जाता। लेकिन मुझे यह नहीं पता कि किसी कारण से और किस किस्म की डील इन्होंने की है। लेकिन मैं इतना जरूर कह सकता हूं कि इससे नुक्सान हमारी गवर्नमैंट को हो रहा है, अगर सरकार चाहती तो उसे बचा सकती थी। अध्यक्ष महोदय, उस नुक्सान को पूरा करने के लिये रोज भाड़े बढ़ाए जा रहे हैं। दो बार तो भाड़ा बढ़ चुका है। एक नया तरीका इन्होंने

निकाल लिया है। ये 12 परसैन्ट, 15 परसैन्ट और 20 परसैन्ट तो करेंगे लेकिन कई बार तो 100 परसैन्ट बढ़ा देते हैं। जैसे पहले लोकल बस में टिकट 50 पैसे थी, उसको बढ़ा कर एक रूपया कर दिया, यानि कि 100 प्रतिशत इन्क्रीज कर दिया।

13.00 बजे

इसी तरह से मैं सेल टैक्स की बात करना चाहता हूं। आज सेल टैकस की बुरी हालत है। बैरियर हटाए जाने के लिए मैं मंत्री जी को बधाई देता हूं यह अच्छी बात है क्योंकि बैरियर्ज पर करप्शन हो रहा था। स्पीकर साहब, सेल टैक्स की रिक्वरी की पोजिशन बहुत ही दयनीय है और बहिन करतार देवी जी पैसे इक्ट्ठे करके गुप्ता जी के महकमें में भेजती है तो गुप्ता जी को बड़ी परेशानी होती है। स्पीकर साहब, मैं आपको चार–पांच जिलों के आंकड़े बता देता हूं। 31 दिसम्बर तक जीन्द में 1.2 भिवानी में 3.3 सोनीपत में 4.5 करनाल में 6.7 और रोहतक में 7.31 इन्क्रीज आई है। स्पीकर साहब, इससे अधिक अलार्मिंग की कोई और बात नहीं हो सकती। एक तरफ तो महंगाई होती जा रही है और दूसरी तरफ सेलटैक्स की रिकवरी गिरती जा रही है। इसका क्या मतलब है? इसका मतलब यह है कि कहीं न कहीं पर खोट है। अध्यक्ष महोदय, करतार देवी जी के पास नया महकमा आया है और ये उस खोट को निकालेंगी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं इंक्रीज की कह रहा हूं और 22–23 परसैन्ट आन एन एवरेज रहती थी बाईचांस कोई ऐसी ईयर हो जाए कि 15–16 परसैन्ट पर आ

जाए वैसे प्रायः 25–26 परसैन्ट की इन्क्रीज होती है। मैं यह कह रहा हूं कि मुख्यमंत्री जी सिर्फ घोशणाएं कर आते हैं, पत्थर रख आते हैं लेकिन पैसा न होने की वजह से काम उन पर होता नहीं है। मैं आपको एक कंक्रीट ऐग्जाम्पल देना चाहता हूं । मुख्यमंत्री जी ने डिप्टी स्पीकर साहब के अम्बाला कैन्ट में 28 जून 1992 को बस स्टैन्ड का एक पत्थर रखा था लेकिन सर, डिप्टी स्पीकर साहब गवाह हैं जो मेरे पास ही बैठे हुए हैं, वहां पर आज तक एक पैसे का भी काम नहीं हुआ है। इसी तरह से ये 11 दिसम्बर 1992 को सिरसा भी गए थे। उस समय लक्षमण दास अरोड़ा जी बड़े खुश हुए थे। इन्होने (मुख्यमंत्री जी ने) वहां पर कहा था कि बेगू रोड और फतेहाबाद का रास्ता फोर लेनिंग कर दिया जाएगा, रीजनल सैन्टर खोल दिया जाएगा, फलाना कर देंगे (शोर) स्पीकर सर, मैं पुरानी बात कह रहा हूं। इस बात की बात में नहीं कर रहा हूं। जब पहले की घोशणाओं पर कुछ नहीं हुआ तो अब की घोशणाओं पर क्या होगा? मैं आपको बताऊं इन्होंने क्या किया। ये फिर पंजाबी सम्मेलन का बहाना ढूंढने लगे। इन्होंने वहां पर फिर पंजाबी सम्मेलन करवाया। लेकिन उसके बाद भी ये कहते हैं कि पंजाबी सम्मेलन से कोई जातपात की बात नहीं हुई।

उद्योग मंत्री (श्री लछमण दास अरोड़): स्पीकर सर, पंजाबी सम्मलेन से कोई जातपात की बात नहीं हुई। (शोर)

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर सर, तो ये इस तरह की घोशणाएं वहां पर डेढ साल पहले कर के आये कि सिरसा को 'ए'

क्लास सिटी कर दिया जाएगा। अब फिर ये डेढ साल बाद वहां पर जाकर घोशणाएं करके आएं हैं। स्पीकर सर, इसका मतलब तो यह हुआ कि हर काल के लिये ये दो–दो बार जाएंगे स्पीकर सर, इसी तरह से ऐक्स सर्विस मैन का जो 17 परसैन्ट रिजर्वेशन था, उसको घटा कर 12 परसैन्ट कर रहे हैं।

सिंचाई मंत्री (चौ. जगदीश नेहरा): स्पीकर सर, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। सर, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि जिस–जिस पार्टी के जितने–जितने मैम्बर्ज हैं, उसी के हिसाहब से आप टाईम अलाट कर दें। चूंकि हमारी पार्टी के मैम्बर ज्यादा हैं इसलिये हमारी पार्टी को ज्यादा टाईम मिलना चाहिए। आप 90 मैम्बरों में से 17 मैम्बरों के हिसाब से टाईम निकालकर अलाट कर दें। यदि सम्पत सिंह जी ही अपनी पार्टी का सारा टाईम ले लेंगे तो फिर इनकी पार्टी के बाकी मैम्बर को आप नहीं बोलने देना। इसके अलावा मेरा आपसे यह भी कहना है कि यह कोई मतलब की बात नहीं कर रहे हैं। हाउस में लिखा है कि जो बोलें वह सत्य ही बोलें। गलत बोलने से या सही न बोलने से दोनों ही स्थितियों में पाप का भागीदार बनना पड़ेगा। स्पीकर सर, ये गलत बोल रहे हैं इसलिये ये पाप के भागीदार हो गये हैं। इन्होंने कोई भी बात सत्य नहीं कही है। इसलिए मेरी आपस रिक्वैस्ट है कि इनको इररैलेवन्ट बोलने के लिये समय नहीं दिया जाए। मैं शुरू में ही आपको आब्जैक्ट करना चाहता हूं।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर सर, अभी नेहरा साहब कह रहे थे कि इनको बोलने के लिए समय न दिय जाए क्योंकि हमें तकलीफ हो रही है। You will have to listen. It is my constitutional right to speak. यह मेरा कानूनी अधिकार है। (शोर) स्पीकर सर, मैं यह कह रहा था .....।

श्री अध्यक्ष: सम्पत सिंह जी, आपको बोलते हुए पौना घंआ हो गया है।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर सर, जो टाईम आप मुझे बोलने के लिये अलाट करेंगे, मैं उतने में ही बोलूंगा।

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (प्रो. छत्तर पाल सिंह): स्पीकर सर, मेरी सबमिशन यह है कि सम्पत सिंह जी बार–बार कह रहे हैं कि बोनला मेरा कांस्टीच्यूशनल राइट है। इनकी पार्टी के और 12 या 13 मैम्बर हैं, क्या कोई कांस्टीच्यूशनल राइट नहीं है। (शोर)

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर सर, यह हमारा अपका मामला है। तो मैं कह रहा था कि एक तरफ तो यह बढ़ाई करते हैं कि हमारे सोलजर्स ने हमारी शान रखी है, हमारे देश की सीमाओं की हिफाजत रखी है और दूसरी तरफ उनके लिए तो 17 परसैन्ट रिजर्वेशन है, उसको ये घटा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: सम्पत सिंह जी, आप और कितना टाईम लेंगे?

प्रो. सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी मैं आधा घंटा तो और लूंगा। सर, जहां तक कानून और व्यवस्था की बात है, मैंने पहले ही कहा था कि हालात बहुत खराब हैं। क्यों खराब हैं क्योंकि खुद सरकारी लोग ही कानूनों को हाथ में ले रहे हैं। स्पीकर सर, पता नहीं मेरे बोलने से इनको क्यों तकलीफ हो रही है। स्पीकर सर, एक एम.एल.ए. को फरीदाबाद के एक होटल में बैरों ने पीटा इससे फालतू कोई शर्म की बात नहीं हो सकती। (विघ्न)

चौ. जगदीश नेहराः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। ये इस तरह की गलत बात कहकर हाउस को गुमराह कर रहे हैं, जबकि रिकार्ड में हैं कि होम मिनिस्टर होते हुए भी सम्पत सिंह जी पीटे गए, सम्पत सिंह जी चारपाई के नीचे घुसे नाले के अन्दर घुसे, सम्पत सिंह को कच्छे और बनियान में बाहर निकाला गया। (विघ्न)

प्रो. सम्पत सिंहः यह बिल्कुल असत्य हैं हमारी परफौमैंस का अनुमान तो आप लगा सकते हैं कि मैं री–इलैक्ट होकर आया हूं। (शोर एवं व्यवधान) वह भी एक बार नहीं, कन्टीनुअसली तीन बार इलैक्ट होकर आया हूं, परफौरमैंस होगी, तभी लोगों ने जिताकर भेजा है। स्पीकर सर, इसी तरह से एक मिनिस्टर ने नाम नान–बेलेबल वारंट जारी हुआ था। एक एम.एल.ए. जो एसोशिएट है, आज मरी उनसे बात हुई। समेत बच्चे के बहू उनके घर के अन्दर आई है। स्पीकर सर, आज क्वैश्चन मार्क

लग रहा है। इस तरह से हाईअप फैमिलीज में जो लड़कियों के साथ यूं ज्यादती होती है। इस मामले में से कुछ न कुछ स्मैल आ रही है और वह एम.एल.ए. मजबूर हो रहे हैं कि मैं सच नहीं बता सकता। इसका मतलब क्या है? अगर इसकी इंक्वायरी करवाओ तो मजबूरी का पता लगे कि मजबूर क्यों हैं? बाद में उनकी शादी करवाई गई है, उसके बावजूद वे मजबूरी का इजहार कर रहे हैं, आपके एसोशिएट मैंबर हैं, आपको सपोर्ट करते हैं, सुरजीत सिंह जी हैं। इसी तरह से स्पीकर सर, आयुर्वेदिक बोर्ड के चेयरमैन श्री महेन्द्र प्रताप जी लुद्धेश्वर के थे उनकी उम्र 60 साल थी, मुख्यमंत्री जी ने अब तो उनके चेयरमैनी से हटा दिया। 13–14 साल की लड़की से उन्होंने शादी की है (शोर एवं व्यवधान)।

श्री मनी राम केहरवाला: अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। इस मामले में बात यह है कि यह सब–जुडिस मैटर है और अदालत में 25 मार्च इसकी तारीख लगी हुई है। 19 तारीख को सब–ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट, सिरसा के यहां यह केस लगा हे जिसका ये यहां हवाला दे रहे हैं। दूसरे, जिस चीज का यहां ये जिक्र करना चाहते हैं कि रामकाल लड़की का नाम है और वह लड़की नहीं, उससे पहले लड़के का नाम था रामकला। उसकी उम्र 22 साल है।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर सर, स्कूल डेट ऑफ बर्थ में बदली नहीं की जा सकती। यह तो मान लिया कि रामकली का रामकला हो गया। स्कूल सर्टिफिकेट में 5 मई, 1980 उसकी डेट

ऑफ बर्थ है। हमारे कहने का मतलब यह है कि उनको (चेयरमैन को) अरैस्ट करना चाहिए था, उनके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए थी।

मुख्यमंत्री (चौ. भजन लाल): यह मामला कोर्ट में है और इसकी इक्वायरी हो रही है।

प्रो. सम्पत सिंह: एक तरफ तो आप उनको चैयरमैनी से हटा रहे हैं, यह मान के कि उसने कुछ गैर कानूनी काम किया है, दसूरी तरफ, आप उसको गिरफतार नहीं कर रहे है। (विघ्न) स्पीकर सर, जब मैं फिरोजपुर–झिरका में पानी बिजली की कमी के विरूद्ध गया तो एक मंत्री खुद फिरोजपुर–झिरका में ट्रालियों की हवा निकलवाते हैं, गांव के अन्दर लोगों को जब्त करते हैं, एक दिन के बाद पुलिस से उनको छुड़वाया जाता है। इसका अर्थ हुआ एक तरह से मिलिटैन्ट का काम मिनिस्टर करेगा। मास्टर अजमत खां जी इसका सुबूत है, इस किस्म के हालात होते जा रहे है। डांगी साहब बैठे हैं, इसके हल्के में फरमाना बादशाहपुर गांव पड़ता है। वहां बलवान सिंह नाम के सरपंच ने अपने गांव की तीन लड़कियों का अपहरण करवाया। (शोर एवं व्यवधान) उसक बाद एक की जबरदस्ती शादी की गयी और तीनों के साथ रेप किये गये। उसके ऊपर माननीय सदस्य पर हैबीयस कौरपस की सुप्रीम कोर्ट में रिट डाली गयी। उस केस में खुद आनंद सिंह डांगी को नोटिस हुआ है। इनके ऊपर यह इलजाम है कि बलवान सिंह ने जो किडनैपिंग की है, उसमें इन्होंने बलवान सिंह की मदद की है।

इसलिये आप वहां पर पेश हों। इस बात के लिये बाकायदा सुप्रीट कोर्ट से इनको नोटिस आया हुआ है। उस नोटिस के जवाब में यह वहां पर गये नहीं हैं। अब उसकी अगली तारीख 7 मार्च डाल दी गयी है। ऐसे लोगों की ये मदद करते हैं।

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री (चौ. आनन्द सिंह डांगी): जो बात माननीय साथी ने फरमाया के केस के बारे में कही है, वह बिल्कुल निराधार और तथ्यों से दूर की बात है। इसमें जो सही बात है, वह यह है कि बीरमती फरमाना गांव में ब्याही हुई है। वह बलबान सिंह की चाची है। बलवान सिंह के चाचा की दूसरी शादी हुई है। उसकी 8 लड़कियां हैं। तीन पहली से हैं और 5 इससे हैं। इनमें से दो शादी–शुदा हैं। वह अपने बाप के घर बहादुरगढ़ चली गयीं। एक लडकी की शादी शमशेर सिंह नाम के किसी आदमी के साथ कर रखी है। उसके खिलाफ 25 केस राजस्थान में दर्ज हैं। वह और उसके भाई, दोनों मिलकर दो लड़कियों को किडनैप करके ले गये। जो महिला दक्षता समिति दिल्ली में है, वहां पर जाकर बीरमती ने फरियाद की। उन्होंने सुप्रीम कोटे के आर्डर्ज से उनकी बरामद किया। उसके बाद महिला दक्षता समिति की जो सैक्रेट्री हैं, मिसिज विनय भारद्वाज, उसने बलवान सिंह सरपंच को एक लैटर डाला कि इस–इस तरह से यह परिवार की बात है। आप इस बारे में क्या करना चाहते हैं। आपकी इस बारे में क्या सलाह है? वह मेरे पास दिल्ली हरियाणा भवन में आ गये। हमने विनय भारद्वाज को कान्टैक्ट किया और

मैंने यह कहा कि इस परिवार के साथ बातचीत कराओ और इनको बातचीत करे जरिये इनको अपने घर ले जाने का मौका दो ताकि यह मामला ठीक हो सके। हमने उनसे बातबीत की लेकिन श्रीमती विनय भारद्वाज ने उस परिवार के साथ बलवान सिंह की बातचीत नहीं होने दी जो उनकी संगी चाची और सगे चाचा हैं। उसके बाद दोबारा हमने विनय भारद्वाज से रिक्वैस्ट की कि हमारी बहिन बेटियों की इज्जत का सवाल है। उनकी इज्जत लूटी जा रही है। इनको कहां–कहां पर रखा जा रहा है। इसलिये यह हमारी शान के खिलाफ है क्योंकि समाज इस बात को अलाऊ नहीं करता। हमारा निवेदन यह है कि आप इस परिवार को हमें दे दो ताकि हम इनको अपने गांव में ले जाकर बसा सकें और इनकी इज्जत की सुरखा कर सकें। इस बात के अलावा और कोई बात हो, तो यह साबित कर दें। बेशक आप इसके लिये कोई इन्कवायरी कमेटी बिठा कर इसकी जांव करा लें। जहां तक नोटिस की बात का ताल्लुक हैं, मैं मानता हूं कि नोटिस आया है। (व्यवधान व शोर) नोटिस किस बात पर आया है, यह तो सुन लो। नोटिस की बात को लेकर हमने विनय भारद्वाज से बात की। दोनों बार उन्होंने उस परिवार को मिलने नहीं दिया। उसमें हमने यह कहा कि यह हमारी सामाजिक बात है, इसको खत्म करने के लिये हमारे साथ इस परिवार को भेज दें। उन्होंने इसके लिये इन्कार कर दिया। फिर हमने यह कहा कि हमारे इन व्यक्तियों के नाम 18 एकड़ जमीन है। उन्होंने यह कहा कि लड़कियां उस जमनी को बेच कर आयेंगी। उसमें बलवान सिंह ने कहा कि लड़कियां उस जमीन को

बेच कर आयेगी। उसमें बलवान सिंह ने कहा कि यह हमारे परिवार का जाति मामला है। इस तरह से हम उस जमीन को नहीं बेचने देंगे उस बात पर विनय भारद्वाज ने मुझे पार्टी बनाकर सुप्रीम कोर्ट में रिट डाल दी। यह सरासर गलत बात कह रहे हैं। सारी बात को तोड़–मरोड़ कर रहे हैं। इनके लड़कों के खिलाफ होटलों में केस नहीं बनते हैं। अपने घर में बहू को कत्ल करके सब कुछ करते हैं और फिर इस तरह की घटिया बात करके हमें बदनाम करने के लिये यह बात करते हैं। यह बात इनके लिये अच्छी नहीं है। यह तो सदन को गुमराह करने वाली बात है और प्रदेश की जनता को गुमराह करने वाली बात है।

प्रो. सम्पत सिंहः आपने एडमिट तो किया है कि आपको नोटिस आया है। मेरा तो इतना ही एलीगेशन था कि आपको नोटिस आया है। इसी तरह से टोहाना के अन्दर एक डाक्टर श्री भगवान दास भाटिया थे। उस डाक्टर का 23 दिसम्बर को अपने क्लीनिक से घर जाते हुए चार लोगों ने कत्ल कर दिया। जब कातिल पकड़े गये तो उन्होंने यह बताया कि इसके पीछे मार्किट कमेटी के चेयरमैन गुरी का हाथ है। उसने पैसा देकर यह कत्ल करवाया है। इसके पीछे गुरी की कहानी है। उसके साथ एक अर्जन सिंह खरबी है। वह पी.एल.डी.बी. का चेयरमैन है और नौमिनेटिड है। वह गुरी मार्किट कमेटी का चेयरमैन है और नौमिनेटिड चेयरमैन है और इसी तरह से खर्बी का अर्जुन सिंह है। वह भी पी.एल.डी.बी. को चेयरमैन है। स्पीकर साहब, देखने वाली

बात यह है कि इनका लिंक कहां मिलता है। पिछले दिनों रतिया में एक टैरेरिस्ट वारदात हुई थी और उस टैरेरिस्ट वारदात का मुख्यमंत्री को याद होगा कि उस वारदात में एक ए.एस.आई. सूबे सिंह मारा गया और एक डी.एस.पी. इन्जर हुआ था और उस वक्त बुलैट नाम का उग्रवादी भी मारा गया था और एक उग्रवादी और था निहाला नाम का वह इन्जर्ड हो गया था। इस इन्जर्ड को इन दोनों चेयरमैनों के साथी काहलों के मकान पर लाया गया था और उस डाक्टर को बुलाया गया और उसको कहा गया कि तुम इसका इलाज करो। तब तक उस डाक्टर को पता नहीं था कि यह जो इन्जड है वह टैरेरिस्ट है। उसने उसका इलाज किया। वह ओझल हो गया। फिर लोगों को पता लग गया कि एक टैरेरिस्ट का इलाज गुरचरण सिंह काहलों को अर्जुन सिंह का पार्टनर हैं, उसकी कोठी पर यानी काहलों की कोठी पर हुआ है। स्पीकर साहब, जब ऐक्सपोजर हुआ तब उस डाक्टर को रिमूव किया गया कि यह बात खुल जाएगी कि टैरेरिस्टस से, मिलिटैंटस से सारे के सारे लोग जुड़े हुए हैं। इसलिए उस आदमी को एलीमिनेट कर दिया गया। इससे शर्मनाक बात और कोई नहीं हो सकती। इस तरह से जान और माल की सुरक्षा कैसे रह जाएगी। सारा टोहाना बन्द हुआ और हड़ताल हुई। दो महीने तक हमारे साथी बतरा की पुलिस उसको पकड़ नहीं पाई जो यह कह रहे थे कि गैर कानूनी काम करोगे तो पकड़ेगे।

चौ. भजन लाल: स्पीकर साहब, सारे के सारे आदमी गिरफतार कर लिए गए हैं।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, पकड़ा नहीं गया, उसने तो सरन्डर किया है। (विघ्न) स्पीकर साहब, उस आदमी ने सरन्डर किया है और मैं चाहता हूं कि टैरेरिस्ट वाली बात की इंक्वायरी की जाए कि इनके उसके साथ क्या लिंक थे, तब पता लगेगा। यह कोई सिम्पल क्राईम नहीं है, यह कोई सिम्पल मर्डर नहीं है। इसके पीछे किसी बड़े आदमी का हाथ है।

इसी तरह से स्पीकर साहब, एक तरफ सरकार कह रही है कि हम पानी की चोरी कम करवा रहे हैं, यह बात नेहरा साहब कह रहे हैं, पानी की चोरी रोकने के लिए आपका एस.डी.ओ. पुलिस के साथ दड़बां के अन्दर जा रहा था। वह नहर की गश्त कर रहा था और दड़वां से जो कांग्रेस–आई का उम्मीदवार इलैक्शन लड़ा था, उसके परिवार के लोगों ने उस एम.डी.ओ. को बहुत बुरी तरह से पुलिस के सामने पीटा और उसके बाद उस एस.डी.ओ. ने कम्पलेंट की तो उस एस.डी.ओ. से फोर्सीबली दरखास्त वापिस दिलवाई कि मेरे साथ कोई वाक्या नहीं हुआ। स्पीकर साहब, अगर इस तरह से कानून अपने हाथ में ये लोग लेंगे तो कैसे काम चलेगा? इस तरह के हालात, स्पीकर साहब, हो रहे हैं। इसलिए मैं कह रहा था कि आज कानून नाम की कोई चीज नहीं है। आज रोज लोगों को मारा जा रहा है। किलावड़ में दो नौजवानों को मार दिया गया। निसिंग में मार दिया गया और

नारनौल में लोगों को मार दिया। स्पीकर साहब, कर्मगढ़ (नरवाना) में बाल्मीकी को कार दिया।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, बोलने के लिए टाईप प्रोपोर्शनेटली दिया जाएगा।

चौ. जगदीश नेहराः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, यह हर बात में असत्य बोलते हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है कि इन्होंने जो कहा कि वहां एस.डी.ओ. को पीटा गया, यह असत्य बात है। इसको कोई मतलब नहीं है। हर बात में असत्य कहना या गल्त बात कहना ठीक नहीं है। मैं आपसे निवेदन करूंगा कि आप इसको रोकें। मेरी एक और सबमिशन है कि ये हर बात में हमारे एक मैम्बर का नाम ले लेते हैं। फिर हमको इसके लिऐ ऐक्सप्लेनेशन देना पड़ता है। स्पीकर साहब, यह कोई अच्छी बात नहीं है कि ये किसी का नाम लें और फिर हम यहां से उसको ऐक्सप्लेनेशन दें। इससे तो और डिस्टरबैंस होगी। मेरा आपसे निवेदन है कि इनको असत्य न बोलने दिय जाए और बगैर मतलब के किसी सदस्य का नाम भी न लेने दिया जाए। इनको गुरेज किया जाए कि ये ऐसा न करें।

श्री अध्यक्षः ऐसे कैसे पता लगेगा। यह तो आप ही बताओंगे तब ही पता लगेगा।

प्रो. सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, डेमोक्रेसी में इनको इतना मादा होना चाहिए कि प्लेजैन्ट या अनप्लेजैन्ट चाहे कोई

बात हो, उसको सुनें, आपको प्लेजैन्ट न लगे, उसको बरदाश्त करें। आप उसको सुनें। स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि रोज इसी तरह से पुलिस ऐक्काउंटर में लोगों को मारा जा रहा है। किलावड़ में दो नौजवानों को मारा गया, नारनौल मैं मारागया और कर्मगढ़ में तो नरवाणा थाने का जो बाल्मीकी ज्ञानी राम था उसको पीट–पीट कर बेचारे को मार दिया। कुरूक्षेत्र में रजनीश नाम का एक नौजवान लड़का था, मोहर सिनेमा के आगे पुलिस के आदमी ने गोली मारकर उसको मार दिया। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: आपको बोलने हुए एक घंटा से ऊपर हो चुका है जबकि इधर से कुल 40–45 मिनट ही बोले हैं।

प्रो. सम्पत सिंह: मेरा टाईम तो ये बीच में इंटरप्ट करके ले गए। मुझे बोलने तो दें। इसी तरह से स्पीकर साहब, संगतपुरा चौकी के इन्चार्ज ने भी अपने सिपाही को गोली से मार दिया। पलवल पुलिस थाने में कस्टडी में बड़ोली गांव का नानक बाल्मीकी इसी तरह से पुलिस कस्टडी में मारा गया और भी इस तरह की एट्रोसिटीज हुई हैं। स्पीकर साहब, इतनी ज्यादतियां हो रही हैं और उनका सबूत यह है कि डबवाली सी.आई.ए. स्टाफ के अन्दर एक 80 साल के बाबू सिंह और 55 साल के भजन सिंह को इल्लीगल कस्टडी में रखा गया। कोर्ट से रिमांड अफसर गया और पुलिस वालों को ताड़ा गया कि ये दोनों आदमी इल्लीगल कस्टडी में मिले हैं। इस तरह से स्पीकर साहब, रोज ही अन ला फुल एक्टीविटीज हो रही हैं। जैसे मैं रेप केसिज का जिक्र कर रहा

था। न्योली खुर्द कांड हुआ। सीसवाल के अन्दर एक नर्स को कुछ लोग यह कह कर ले गए कि एक औरत आशावान है इसलिए आप हमारे साथ चलें। वह तो रास्ते में एक ट्रैक्टर आ गया और वह उनके चंगुल से बच गई वरना उस नर्स की पता नहीं क्या हालत होती? इसी तरह से श्रीमती सुशीला हिसार में टीचर थी, अब तक उसका पता नहीं चला कि वह कहां चली गई। मुख्यमंत्री जी ने कई बार कहा हे कि हमने केस सी.बी.आई. को दे दिया है। ठीक है आपने उनको लिख दिया होगा लेकिन सैंट्रल गवर्नमैंट या सी. बी.आई. ने अभी तक उस केस को टेक अप नहीं किया, उन्होंने उस केस को असैप्ट नहीं किया कि हम इसकी इन्क्वायरी करेंगे। इसका मतलब यह हुआ कि आप तो कर नहीं रहे और उनको चिट्ठी लिख कर आपने केस की इतिश्री कर दी। स्पीकर साहब, एक साल हो गय लेकिन अब तक भी सुशीला का पता नहीं लगा है। इसी तरह से रोज डकैतियां हो रही हैं। रोज मर्डर हो रहे हैं। यहां तक कि कांग्रेस (आई) के पंचकूला ब्लाक के प्रधान की मदर का अनफार्चुनेट मर्डर हो गया। इसी तरह से अम्बाला और यमुना नगर में मर्डर हुए हैं। स्पीकर साहब, डकैतियां और मर्डर रोज हो रहे हैं। स्पीकर साहब, पुलिस के लोग जो रेप कर रहे हैं यह सब से ज्यादा अनफार्चुनेट है। आपकी जी.आर.पी. के अन्दर 2–3 केस हो गए हैं, मास रेप के केस हुए हैं। वे लोग जो रक्षक हुआ करते हैं उनको भक्षक नहीं बनना चाहिए। इसलिए सरकार को अपनी कानून व्यवस्था को ठीक करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः आप वाईड अप करें।

प्रो. सम्पत सिंहः मैं वाइंड अप ही कर रहा हूं। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि जब हैवियत कार्पस के केस बढ़ते हैं तो इसका मतलब यह है कि कहीं न कहीं कानून को लागू करने में कमी आ रही है। मुख्यमंत्री जी को शायद खुद पता होगा कि हिसार के एक केस के अन्दर कलकता को जो व्यापारी उठाया गया था उसके लिए उस व्यापारी ने हैबियस कार्पस डाली थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने आर्डर किया है कि जो पुलिस लेकर आई थी और जो पार्टी शामिल थी, उन सबके खिलाफ सी.बी.आई. इन्कवायरी करे। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस आनन्द के बैच ने कल ही आर्डर किया है कि एस.पी., सी.बी.आई. इसकी इन्कवायरी करे और उस हैबियस कार्पस में जो एलीगेशन लगाए हैं उनकी रिपोर्ट दो मई तक दी जाए। तो स्पीकर साहब, इसका मतलब यह है कि यह बहुत सीरियस मैटर है। इस तरह से हैबियस कार्पस होना और उसके साथ ऐसे लोगों को जुड़े रहना जिनका पोलिटिकल लोगों से और हाई अपस से लिंक हो, या मोस्ट अनफार्चुनेट बात हो रही है। जहां तक लैंड ग्रैबिंग का सवाल है इसकी बहुत बुरी हालत है। आप कहीं भी चले जाएं आपको ऐसे केस मिलेंगे। सरहाल गांव में 16 कनाल जमीन जो 8 करोड़ रूपए की है, यादविन्द्र सिंह नाम का आदमी 25.1.93 को उस जमीन को ले उड़ा। कोई विडो उस जमीन की 27.1.93 को स्टे लेती है ओर दो दिन पहले यानी 25.1.93 को कागजों में दिखा कर वह उस जमीन को ले उड़ा।

सरकार को इस केस की इन्क्वायरी करनी चाहिए कि इसमें किसका हाथ है? यह सरहाल गांव गुड़गांव जिले के अन्दर है। कोई लाल सिंह नाम का आदमी था, वह मर गया। उसकीा विडो की यह जमीन थी। इसी तरह से स्पीकर साहब, कैथल के अन्दर चिक्का डेरा जात की पांच करोड़ रूपए की जमीन थी। पिछली बार भी हमने इसका जिक्र किया था तो आपने इस बारे में हमारा मोशन डिस अलाऊ कर दिया था। स्पीकर साहब, इस केस में बी. डी.ओ. और जजिज तक के इनवाल्व होने के रैफरैंसिज आए हैं। यह कई करोड़ रूपए की जमीन है और उस जमीन को खुर्द–बुर्द कर दिया। बत्रा साहब बैठे हैं और ये वहां की बार के मैम्बर रहे हैं। रोहतक के अन्दर कोर्ट के सामने जमीन थी। (विघ्न)

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री सुरेन्द्र कुमार मदान): स्पीकर साहब, उस आदमी ने उस जमीन की जो भी हेराफेरी की थी ..... (शोर) हां मैं मानता हूं कि उस आदमी ने जो भी हेराफेरी की थी, उसके बारे में सरकार को भी उसने धोखा दिया था। उस आदमी ने उस जमीन की गिरदावरी अपने नाम करवा ली थी लेकिन सरकार ने उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया और उसको अन्दर करवा दिया। उस जमीन की फिर दोबारा पंचायत के नाम गिरदावरी हो चुकी है। उसका केस कोर्ट में चल रहा है। सरकार ने इस बारे में कोई नर्मी नहीं बरती है।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, रोहतक में कोर्ट के सामने वकीलों के कार और स्कूटर्ज के स्टैण्ड के लिए खुद

सरकार ने लैंड अनाउंस की थी। मुख्यमंत्री जी, आप जानते होंगे कि उस जमीन पर एक टेक राम नाम के पहलवान ने कब्जा कर लिया। वह एच.एम.एल. का चेयरमैन भी रहा था। जब वह आदमी उस जमीन पर कब्जा कर रहा था तो शुक्र है उस समय बतरा जी वहां पर पहुंच गए और इन्होंने कोशिश करके उस जमीन का कब्जा छुड़वाया।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री सुभाश बतरा): स्पीकर साहब, मैंने पहले भी चौ. सम्पत सिंह को यह कहा था कि जहां भी कानून और व्यवस्था की बात होती है, उसके बारे में मैं पूरी तरह से सतर्क हूं क्योंकि होम डिपार्टमैंट मेरे पास है। रही बात सरकार की, इस बारे में मैं स्पश्टीकरण इसलिए दे रहा हूं क्योंकि ज्यों ही यह बात मुख्यमंत्री जी के नोटिस में आई, इन्होंने उसी वक्त अधिकारियों से कहा कि आप फौरन कार्यवाही करें और इस जमीन पर किसी तौर पर कब्जा न होने दें।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, इन पर सारी बार का प्रैशर डला और वकीलों ने हड़ताल की, तब जाकर, उस जमीन का कब्जा रूका। स्पीकर साहब, वह बार आज भी उस जमीन पर काम नहीं कर रही है क्योंकि वहां पर काम करने पर बैन है। मौका मिलते ही सरकार उस जमीन को उस आदमी के हवाले कर देगी। इसी तरह से स्पीकर साहब अम्बाला के अन्दर म्यूनिसिपल कमेटी की 18 एकड़ जमीन, जौन साहब की डिग्गी के नाम से है, वह 20 करोड़ रूपए की जमीन है। उस पर कुछ लोग आज धड़ा–धड़

कब्जा कर रहे हैं। अम्बाला में चर्च लैंड है, उसको बेच नहीं सकते और उसकी रजिस्ट्री भी नही करवा सकते। वह जमीन जिस परपज के लिए दी गई है, वह परपज खत्म हो गया। वह जमीन गवर्नमैंट में ही दोबारा वैस्ट करेगी। एक तहसीलदार ने इसकी रजिस्ट्री किसी प्राइवेट आदमी के नाम करने से इन्कार कर दिया कि मैं इस जमीन की रजिस्ट्री नहीं करता तो उसको वहां से बदल दिया। दूसरा तहसीलदार आ गया और उसकी रजिस्ट्री कर दी। वह चर्च की लैंड है लेकिन उसको सस्ते में प्राईपेट हाथों में बेच दिया गया है। इसी तरह से अम्बाला में एक सुधा गुप्ता नाम की लेडी है। उसकी बिल्डिंग डिमोलिश की जा रही है। उसका सारा सामान बाहर फेंक दिया गया है। वह लेडी अम्बाला कैंट की है। उसकी बिल्डिंग की जगह पर कम्पलैक्स बनाने की तैयारी की जा रही है। वह लेडी एफ.आई.आर. दर्ज करवाती है, दफतरों के चक्कर काटती है। कोर्ट में जाती है लेकिन कोई आफिसर या कोई कर्मचारी उसकी नहीं सुनता। इसी तरह से स्पीकर साहब, डी.एल.एफ. के पास नाथुपुर में जमीन है। वह पंचायत की जमीन है, उसको डी. सी. ने बेचने से इन्कार कर दिया। उस डी.सी. को वहां से बदल दिया। दूसरा डी.सी. आ गया। उसने उस जमनी को आक्शन करवा दिया। अकेला एक बीडर था। उसको वह 18 एकड़ जमीन 5.10 लाख रूपए पर–एकड़ के हिसाब से दे दी जबकि वह करोड़ों रूपए की जमीन हे। इसी तरह से उसी बीडर को मारूति के नजदीक 32 एकड़ जमीन और दे दी। इसी तरह से चोंगा गांव का एक हरिजन सरपंच है, उसके पास 1965 से अढ़ाई एकड़ जमीन

है। उस जमनी को एक बाबूलाल नाम के आदमी ने पुलिस की सहायता से खुर्दबुर्द कर दिया और खुद नने उस जमीन पर कब्जा कर लिया। इसी तरह से जींद के अन्दर इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट की जमीन है। जींद से मांगे राम जी एम.एल.ए. हैं, वित्त मंत्री भी हैं। वहां पर इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट की जमीन है और उसक दफतर है। सरकार ने वह सारी जमीन 23 लाख रूपए में बेच दी जो करोड़ो रूपए की जमीन थी। उस जमीन को बेचेन के लिए डी.सी. ने भी मंजूरी नहीं दी। वहां की म्यूनिसिपल कमेटी के चेयरमैन, वह चेयरमैन म्यूनिसिपल कमेटी कौन हैं, उसको सारे जानते हैं। पहले वाले चेयरमैन के साथ जो सलूक हुआ, उसके बारे में भी सभी जानते हैं। (विघ्न)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष: यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाये।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष: हाउस का समय 5 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी को तो एक फोबिया हो गया है कि कोई मंत्री कहीं बार

वगैरा में बैठ जाये तो उसके खिलाफ ये बोलने लग जाते हैं। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बात कह रहा हूं कि हमने न तो किसी के खिलाफ कोई गलत ऐलीगेशन लगाए हैं और न ही लगाते हैं। इस बारे में मैं इनस कहना चाहता हूं कि कोई बात कहने से पहले इनको पता कर लेना चाहिए था कि वह जमीन किसने बेची है? कोर्ट की तरफ से वह जमीन कुर्क हो गई थी। उस जमीन की कोर्ट ने औक्शन करा दी और जब हमको यह पता लगा कि वह जमीन बहुत सस्ती गई है, तो उसी वक्त हमने सारे पैसे देकर उस जमीन को वकेट कराया है और अब वह जमीन किसी व्यक्ति को बेची नहीं गई है। आप यह बात गलत कह रहे हैं कि वह जमीन किसी व्यक्ति का बेची गई है।

प्रो. सम्पत सिंहः क्या कार भी नहीं बिकी? वहां की एम्बैसडर कार 14 हजार रूपये में बिकी है।

श्री मांगे राम गुप्ताः कार भी नहीं बिकी। पैसा हमने अपनी तरफ से भर दिया है।

प्रो. सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, फरीदाबाद कॉम्पलैक्स अथोरिटी है। वहां पर सूर्या रैजिडेशियल प्रोजैक्ट पर काम चल रहा था। वहां पर डेढ़ करोड़ रूपये के प्लाट काटे जा चुके थे। वहा 70 एकड़ जमनी थी। वहां पर कोई एम.पी. का भाई आ गया और कहने लगा कि यह जमीन तो मेरी है। आज उस जमीन पर कन्स्ट्रक्शन का काम रूका पड़ा है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से

थानेसर म्यूनिसिपल कमेटी के पास जमीन थी जहां पर तांगे वगैरा खड़े होते थे। स्पीकर साहब उस जमीन पर भी धावा बोल दिया गया। इसी प्रकार से, कलानौर में रविदास मन्दिर पर भी अटैक बोला गया ओर एक औरत का तो हाथ काट दिया गया। उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। स्पीकर साहब वहां पर कोई सरदार अजीत सिंह है, उन्होंने यह काम करवाया है। इसी प्रकार से डूण्डा हेड़ा में 80 एकड़ जमीन टूरिज्म की थी।

आबकारी तथा कराधान मंत्री (बहिन करतार देवी): स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय भाई को बताना चाहती हूं कि जिस रविदास मन्दिर की ये बात कर रहे हैं, उस बारे में अखबारों में भी खबर आई थी। इस बारे में पता लगाने के लिए बी.एस.पी. और विकास पार्टी के भाई भी गए थे। असल बात यह है कि वहां पर तो हरिजन ग्रुपों को झगड़ा है। म्यूनिसिपल कमेटी की जमीन है और उस जमीन पर दोनों ने अपनी–अपनी चार दिवारी अब निकाली है। इससे पहले वहां पर सारा कलानौर अपना कूड़ा–करकट डालता था। वहां पर कभी भी रविदास मन्दिर नहीं था और न हीं है। रविदास मन्दिर तो भिवानी रोड पर है। अभी हमने वहां पर 27 तारीख को रविदास जयन्ती मनायी है। मैं अपने माननीय भाई से यह कहती हूं कि इस मन्दिर निर्माण में 95 प्रतिशत पैसा चौ. भजन लाल जी की सरकार की तरफ से किसी ने किसी रूप मैं दिया गया है। चाहे मुलाना साहब देकर आए हैं या मैं खुद देकर आई हूं। रविदास मन्दिर का नाम लेकर लोगों में

झगड़ा कराना यह कोई अच्छी बात नहीं है। आपको ऐसी गलत बात नहीं कहनी चाहिए। वहां पर सिर्फ दो हरिजन ग्रुपों का ही आपस में झगड़ा है और इसमें सिकी का हाथ नहीं है।

प्रो. सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मैं जो बात कह रहा था, उसको यह मन्दिर न माने तो न माने, ये इनकी मर्जी है। स्पीकर साहब, झूण्डा–हेड़ा गांव में टूरिजम की जमीन का भी झगड़ा है। उस बारे में मैं कुद नहीं कहना चाहता क्योंकि इससे इनकी तकलीफ और बढ़ जाएगी।

स्पीकर साहब अब मैं सरकारी मुलाजिमों की बात कहना चाहता हूं। हमारे मुलाजिम भाइयों ने स्ट्राइक की। यह स्ट्राइक उन्होंने अपनी कुछ मांगें मनवाने के लिए की थी। इस स्ट्राइक में सरकार ने मुलाजिमों के साथ जो सुलूक किया, वह अच्छा नहीं था। इस स्ट्राइक के दौरान जिस तरह से इन्होंने मुलाजिमों के खिलाु एक्शन लिया, उस हिसाब से तो इनका नाम गिनीज बुक में आना चाहिए क्योंकि इन्होंने 15 हजार कर्मचारियों को डिसमिस किया, जबकि इतनी अधिक मात्रा में तो ब्रिटिश रूल में भी डिसमिस नहीं हुए थे। हमारी हरियाणा सरकार ने एस्मा लगाकर उनको डिसमिस किया। जेलों में डाला और उनके परिवारों को तंग किया और फिर इनको बाद में थूक कर चाटना पड़ा। इनमें फ्रस्ट्रेशन थी। राजस्थान में चुनाव हो रहे थे और मुख्यमंत्री जी वहां के चुनाव इन्चार्ज थे। चुनाव में ये कहने लगे कि वहां पर सरकार बनाएंगे। (विघ्न) इन्होंने राजस्थान में ही अपना डेरा लगा

दिया। उस चुनाव के बारे में में आपको बताना चाहता हूं कि जितने भी इनके रिश्तेदार थे, वे सारे के सारे चुनाव में हार गए। (विघ्न) स्पीकर साहब, एक तो इनको यह फ्रसट्रेशन थी और दूसरी फ्रसट्रेशन इनको यह थी कि चौ. देवी लाल का पोता और चौ. ओम प्रकाश चौटाला के बेटे अजय सिंह वहां से थम्पिंग मजोरटी से चुनाव जीत गए। स्पीकर साहब, उसके बाद हमारे माननीय सदन के नेता राजस्थान की कैपिटल जयपुर गए और कहा कि हम वहां पर सरकार बनाएंगे। हमें यह उम्मीद थी कि हमारे सदन के नेता जो कि पी.एच.डी. हैं, वे डी.लिट. हो कर आएंगे और वापिस आने पर हम उनको डी.लिट. के लिए मुबारिकबाद देंगे परन्तु स्पीकर साहब, डी.लिट. तो क्या होना था, जो इनकी पी.एच.डी. की डिग्री थी, वहां जाकर वह भी वापिस हो गई। (हंसी) चौबे जी छब्बे जी बनने गए थे। दुबे जी बनकर वापस घर लौट आए।

Mr. Speaker: Now, the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow.

***13.35 P.M.**

(The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. on Wednesday, the 2nd March, 1994)